गुरुवार
22 फरवरी 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

उस्ताद ने बना लिया पूरी दुनिया को अपना मुरीद: अश्विनी चौबे

3

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

सभी बैंक केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों का पूरा डेटा उपलब्ध करायें: योगी

- राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक में मुख्यमंत्री ने की चालू वित्तीय वर्ष के दिसंबर 2023 में समाप्त तिमाही की समीक्षा
- 1.10 लाख किसान क्रेडिट कार्ड बांटे, 1111 बैंकिंग आउटलेट का हुआ शुभारंभ
- बोले- 59% अगले वर्ष में 65% सीडी रेशियो का हो लक्ष्य

केटी न्यूज ब्यूरो/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में बैंकों का सीडी रेशियो (ऋण जमानुपात) 58.59% होने पर प्रसन्नता जताते हुए आगामी वित्तीय वर्ष में इसे 65% तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए बैंकों को हर संभव सहायता और सुरक्षा मुहैया कराएगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता का कवरेज सभी 75 जिलों तक करने के लिए मिशन मोड में काम करने का आह्वान किया है।

बुधवार को राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक में चालू वित्तीय वर्ष के दिसंबर 2023 में समाप्त तिमाही की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि हर जरूरतमंद और ऊजावर्वान युवा को ऋण के रूप में वित्तीय प्रोत्साहन उपलब्ध कराने के हमारे प्रयासों में बैंकों ने सराहनीय भूमिका निभाई है। ऋण मेलों का यह क्रम आगे भी सतत जारी रहे। बैंक लोन देने में संकोच न करें। सरकार अपनी हर योजना में ऋण दिलाने से पहले लाभार्थी का प्रशिक्षण, क्षमता वृद्धि जरूर सुनिश्चित करायेगी। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ' फैमिली आईडी' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सभी बैंक, केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों का पूरा डेटा उपलब्ध करायें। ताकि प्रदेश के हर परिवार की स्थिति का सही आकलन किया जा सके। अटल पेंशन, जीवन ज्योति बीमा, जनधन सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुसार हर नागरिक को सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। विशेष बैठक में मुख्यमंत्री जी ने वित्तीय समावेशन के प्रयासों में 'वन जीपी-वन बीसी' (एक ग्राम पंचायत-एक बीसी सखी) कार्यक्रम की सराहना करते हुए बैंकों को बीसी सखियों को और प्रोत्साहन देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस एक कार्यक्रम ने महिलाओं को सशक्त और स्वावलम्बन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है और यह फाइनेंशियल इनक्लूजन का शानदार उदाहरण बनकर उभरा है। वहीं, हालिया पेटीएम पेमेंट बैंक प्रकरण से उपजी स्थितियों से प्रभावित बीसी सखियों की समस्याओं का तत्काल समाधान करने पर जोर दिया। बैंकों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कवरेज बढ़ाने और सीसीटीवी फुटेज को पुलिस व प्रशासन को आवश्यकतानुसार उपलब्ध कराने के लिए सुचारू व्यवस्था बनाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि 2016-17 में प्रदेश में 12.80 लाख करोड़ का बैंकिं ग बिजनेस था जो आज 26.80 लाख करोड़ के पार हो गया है। यह उत्साहजनक है।

मुख्यमंत्री ने बड़ौदा-यूपी ग्रामीण बैंक और आर्यावर्त ग्रामीण बैंक को राज्यांश प्रदान किया, साथ ही 1.10 लाख किसान क्रेडिट कार्ड , 1111 बैंकिंग आउटलेट का शुभारंभ और 10 बीसी सखियों को टूल किट वितरित किये। उन्होंने डिजिटल बैंकिंग के विस्तार पर जोर दिया।

आज काशी के दो दिवसीय प्रवास पर आएंगे पीएम मोदी

वाराणसी। 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के ठीक एक महीने बाद 22 फरवरी को प्रधानमंत्री दो दिन के प्रवास पर काशी पहुंचेंगे। पीएम दो दिवसीय दौरे पर 22 व 23 फरवरी को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में रहेंगे। पीएम लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से बीएलडब्लू पहुंचेंगे और रात्रि विश्राम करेंगे। प्रधानमंत्री की अगवानी प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। प्रधानमंत्री 23 फरवरी को पूर्वांचल को 14316 .07 करोड़ रुपये की 36 परियोजनाओं की सौगात देंगे। इनमें 10972 करोड़ रुपये की 23 योजनाओं का लोकार्पण और 3344 .07 करोड़ रुपये की 13 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। पीएम मुख्य रूप से 23 फरवरी को तीन कार्यक्रम भाग लेंगे। सुबह बीएचयू के स्वतंत्रता भवन के कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। संत शिरोमणि रविदास के जन्मस्थली सीर गोवर्धन स्थित मंदिर में जाकर मत्था टेकेंगे। इसके बाद पीएम बनास काशी संकुल का औद्योगिक क्षेत्र करखियांव में उद्घाटन करेंगे। पीएम यहां जनसभा को सम्बोधित करेंगे। काशी से सत्ता के शीर्ष पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से 2024 लोकसभा चुनाव का शंखनाद करेंगे। प्रधानमंत्री अपने वाराणसी दौरे में स्वास्थ्य शिक्षा, परिवहन, जलमार्ग, खेल, धर्म,अध्यात्म आदि क्षेत्रों से जुड़ी योजनाओं और रोजगार परक प्रोजेक्ट का लोकार्पण-शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री 22 फरवरी को रात में वाराणसी आएंगे। 23 को तीन प्रमुख कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। पीएम 23 फरवरी की सुबह स्वतंत्रता भवन में सांसद खेलकूद, सांसद फोटोग्राफी, सांसद ज्ञान और सांसद संस्कृत प्रतियोगिता के विजेताओं से भी संवाद करेंगे।

बिहार के लखीसराय में मंगलवार की देर रात बड़ा हादसा

सड़क पर मौत बनकर दौड़ रही ट्रक ने ले ली नौ लोगों की जान

- लखीसराय के रामगढ़ चौक थाना क्षेत्र के झुलौना गांव के समीप तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को मारी टक्कर
- ऑटो में सवार 14 लोगों में से पांच लोग गंभीर रूप से घायल
- ऑटो में सवार सभी लोग लखीसराय से कैटरिंग का काम करके वापस मुंगेर लौट रहे थे, तभी हो गया हादसा
- भीषण सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक व्यक्त किया है

केटी न्यूज/पटना

बिहार के लखीसराय में मंगलवार की देर रात बड़ा हादसा हुआ। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। ये हादसा एक ऑटो और ट्रक की टक्कर के बाद हुआ। हादसा तब हुआ जब नेशनल हाईवे पर आ रहे ट्रक और ऑटो में आमने-सामने की जोरदार टक्कर हुई। इस हादसे में ऑटो रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। जबकि उसमें सवार लोग कई मीटर दूर जाकर गिरे। हादसा इतना भयंकर था कि ऑटो में सवार 14 लोगों में से 8 की मौत ऑन द स्पॉट ही हो गई। जबकि एक ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया।

ये हादसा लखीसराय के झुलौना गांव के पास हुआ। लखीसराय जिले के रामगढ़ चौक थाना क्षेत्र के झुलौना गांव के समीप नेशनल हाईवे 30 पर ये टक्कर हुई। ऑटो में कुल 14 लोग सवार थे। इसमें 8 की मौत मौके पर, एक की अस्पताल में हुई। वहीं बाकी बचे 5 लोगों को बेहतर इलाज के लिए फौरन सदर अस्पताल ले आया गया। लेकिन वहां भी घायलों की बिगड़ती हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया है। चश्मदीद अनिल मिस्त्री के मुताबिक उसके साले और ऑटो ड्राइवर मनोज कुमार की भी इस हादसे में मौत हो गई। ऑटो को कुछ लोगों ने हलसी से लखीसराय जाने के लिए बुक किया था। लेकिन रास्ते में झुलौना गांव के पास ट्रक से ऑटो की भयानक टक्कर हो गई।

जानकारी के मुताबिक, गलत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो रिक्शा में टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। डॉक्टर्स ने घायलों को प्रारंभिक इलाज के बाद बेहतर उपचार के लिए पटना चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल रेफर कर दिया। मृतकों की पहचान रोहित कुमार (24), विनय कुमार (24), रामू कुमार (23), दीवाना कुमार (23), अनुज कुमार (22), किशन कुमार (21), राजवीर कुमार (21) और मोनू कुमार (18) के रूप में की गई है। ये आठ लोग मुंगेर जिले में जमालपुर थाना क्षेत्र के जांघेरा गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। मृतकों में ऑटो चालक भी शामिल है। इसके साथ ही घायलों में साहिल कुमार (17), सावन कुमार (18), सागर कुमार (18), संजीत कुमार (22) और ऋतिक कुमार (24) शामिल है। ये सभी लोग लखीसराय से कैटरिंग का काम करके वापस मुंगेर लौट रहे थे। इस बारे में टाउन थानेदार अमित कुमार ने बताया कि आधी रात को पुलिस को इस हादसे की खबर मिली। सभी मृतकों के परिजनों को खबर दी गई है। उनके पहुंचने के बाद ही मामले का खुलासा हो पाएगा कि हलसी से ये लोग कहां जा रहे थे।

दुर्घटना काफी दु:खद है और मैं इस घटना से मर्माहत हूं: नीतीश

बिहार के लखीसराय में हुआ सड़क हादसा अत्यंत दुखद है। इस दुर्घटना में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लखीसराय के रामगढ़चौक थाना के बिहरौरा गांव के पास हुई भीषण सड़क दुर्घटना में मृत 8 लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्घटना काफी दु:खद है और मैं इस घटना से मर्माहत हूं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने के शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने गंभीर रूप से घायल लोगों के समुचित इलाज का निर्देश देते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। इसके साथ ही लोजपा प्रमुख चिराग पासवान ने इस घटना के संबंध में सोशल मीडिया पर लिखा है कि बिहार के लखीसराय में हुआ भीषण सड़क हादसा हृदयविदारक है। मेरी गहरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ है। ईश्वर से प्रार्थना है कि मृतकों की आत्मा को शांति प्रदान करें एवं हादसे में घायल लोग शीघ्र स्वस्थ हो। ॐ शांति!

मोतिहारी में बोले तेजस्वी... जरूरत पड़ी तो आपलोगों के लिये जान भी दे देंगे

मोतिहारी। बिहार में जन विश्वास यात्रा पर निकले राजद नेता व पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव बुधवार को मोतिहारी में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज हम जनता की लड़ाई को लड़ने के लिए जनता के बीच आये हैं। जरूरत पड़ी तो आपलोगों के लिये जान भी दे देंगे। 17 महीने की सरकार ने जनता से किए वादे को पूरा करने का काम किया है। 2020 के चुनाव में किए वादे को पूरा करने का काम किया है। जन विश्वास यात्रा के दौरान दूसरे दिन मोतिहारी में जन सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने ये बाते कहीं।

तेजस्वी ने कहा कि शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों की रिक्तियों को निकलवाने का काम किया है। जाति आधारित गणना को हमलोगों ने कराने का काम किया है। गरीब परिवार को चिन्हित करने का काम किया है हमारी सरकार ने। हम सत्ता में थे तो बिहार के लिए आईटी पॉलिसी और पर्यटन पॉलिसी को बनाया। हमने हर विभाग में बेहतर करने का काम किया है। हमलोगों ने जो काम किया है सभी जानते हैं। चाचा आखिर क्यों पलट गये वही जानते हैं। तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि हमारे चाचा को बीजेपी ने हाईजैक करने का काम किया है। नीतीश कुमार ने साढ़े तीन साल में तीन बार शपथ ली है। आजकल वो लोग भी बोल रहे हैं कि सभी नौकरी उन लोगों ने देने का काम किया था। हमने डिप्टी सीएम रहते हुए पांच लाख नौकरियां दी हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर हमको पूरी तरह मौका मिला तो सभी बेरोजगारों को नौकरी देंगे। इस बार की लड़ाई 17 महीने और 17 साल की होगी। नियोजित शिक्षकों को भी सरकारी राज्यकर्मी का दर्जा देने का फैसला हमने ही लिया था।

मोदी का अर्थ है मास्टर ऑफ डेवलपिंग इंडिया: सम्राट चौधरी

केटी न्यूज/पटना

बिहार बीजेपी एनआरआई सेल ने पटना में बुधवार को 'द मोदी कॉन्क्लेव' का आयोजन किया। इसमें बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज विकास के पर्याय माने जाते हैं। मोदी का अर्थ ही है 'मास्टर ऑफ डेवलपिंग इंडिया' आज घर-घर, गली-गली में भारत की चर्चा है. उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया में नरेंद्र मोदी का डंका बजता है। इस देश में इतना धार्मिक प्रधानमंत्री मैंने नहीं देखा। यही वजह है कि वे एकाग्रता से देश की तरक्की के लिए बिना थके, बिना रुके, निरंतर कार्य करते हैं।

सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार के युवाओं के विकास के लिए भी मोदी सरकार तत्पर है, क्योंकि युवा को उनसे बहुत उम्मीदें हैं। 2020 में एनडीए की सरकार जब बिहार में आई तो 15 एथेनॉल कंपनी यहां आई, जिससे यह पता चलता है हमारी नियत सही है। हम बिहारी परिश्रम के लिए जाने जाते हैं। हम ही बॉटम हैं, हम ही टॉप हैं। वहीं, बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि बिहार लोकतंत्र की जन्मभूमि है, जो आज सुरक्षित हाथों में है और यहां विकास की रफ्तार तेजी से चल रही है. बिहार की छवि काफी बदली है।

मोदी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है: वहीं, संयोजक मनीष सिन्हा ने कहा कि इस कार्यक्रम का एकमात्र उद्देश्य मोदी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। भारत की दिशा और दशा में बहुत बदलाव हुआ है। कार्यक्रम में केदारनाथ ज्योतिर्लिंग के मुख्य पुजारी राज शेखर लिंग, मेघालय बीजेपी प्रभारी एम चाबु और, बिहार बीजेपी सह प्रभारी दीपक प्रकाश, विधायक संजीव चौरसिया, श्रेयषी सिंह समेत अन्य लोग शामिल हुए।

आवाज की दुनिया के जादूगर अमीन सयानी का हार्ट अटैक से निधन

मुंबई। आवाज की दुनिया के जादूगर कहे जाने वाले अमीन सयानी ने 91 की उम्र में अंतिम सांस ली. जो लोग रेडियो की दुनिया को जानते हैं, उन्हें पता है कि अमीन सयानी कौन थे। रेडियो को सुनने वाले बिनाका गीतमाला के उस अनाउंसर को आज तक नहीं भूले हैं, जो बड़ी एनर्जी और मेलोडियस अंदाज में बहनों और भाइयो कहता था। आज दुनिया से वह अलविदा कह गए, उनके निधन की खबर ने लोगों को दुखी कर दिया है। 21 दिसंबर, 1932 को मुंबई में जन्मे फेमस रेडियो प्रेजेंटर अमीन सयानी की हार्ट अटैक के कारण मौत हुई है।

जल्द बदलेगी तस्वीर... स्कूलों में बेंच-डेस्क के लिए 12.83 करोड़ रुपए स्वीकृत

अररिया के डेढ़ लाख बच्चे अब जमीन पर बैठकर नहीं पढ़ेंगे

केटी न्यूज/अररिया

अति पिछड़ा जिले के नाम से विख्यात अररिया के डेढ़ लाख से अधिक बच्चे जमीन पर बैठकर अब पढ़ाई नहीं करेंगे। वे सभी एक अप्रैल से बेंच डेस्क पर बैठकर पढ़ाई करेंगे। इसके लिए विभाग से 12.83 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल गई है। इसमें प्रारंभिक, माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। चिन्हित वेंडरों को बेंच डेस्क उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया है। स्कूल में बेंच डेस्क उपलब्ध होने के बाद एचएम के माध्यम से राशि का भुगतान किया जाएगा।

जिले में 2061 प्रारंभिक विद्यालय हैं। इसमें अधिकांश विद्यालयों में बेंच डेस्क के अभाव

फाइल फोटो।

है। बच्चे जमीन पर बैठकर पढ़ाई करने को विवश हैं। खासकर कक्षा एक से पांच तक के अधिकांश बच्चे जमीन पर बैठकर पढ़ाई करते हैं। वर्ष 23-2024 में विभाग ने प्रारंभिक विद्यालयों में उपस्कर क्रय के लिए 11 करोड़ 90 लाख 90 हजार रुपये की स्वीकृति दी है।

माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में 92.10 करोड़ की स्वीकृति: जबकि माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में बॅच डेस्क क्रय के लिए 92 लाख दस हजार रुपये आवंटित किया गया है। ये राशि बहुत जल्द विभाग के माध्यम से एचएम के खाते में उपलब्ध कराई जाएगी। पहले जिन विद्यालयों में बेंच डेस्क कमी है वहां वेंडरों के माध्यम उपलब्ध कराया जाएगा। सभी वेंडरों को बेंच डेस्क उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया है। बेंच डेस्क उपलब्ध होने के बाद वेंडरों का भुगतान किया जाएगा।

विद्यालय के लिए 40 हजार बेंच डेस्क की आवश्यकता डीइओ राजकुमार ने बताया कि विभागीय निर्देश के आलोक में जिले के सभी प्रारंभिक, माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों से अभिश्रव से संबंधित सूची की मांग की गई थी। विद्यालयों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर जिले में 40 हजार बेंच डेस्क की अवाश्यकता है। प्रधानाध्यापकों को वित्तीय प्रशासनिक शक्तियां प्रदान की गई है। बेंच डेस्क क्रय के लिए एचएम बाजार से तीन कोटेशन प्राप्त कर निर्धारित विशिष्टता के फर्नीचर का क्रय करेंगे। राशि का भुगतान आपूर्ति के तीन दिनों के भीतर कर दी जाएगी। उसके लिए आवश्यक है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर बेंच डेस्क की गुणवत्ता के संबंध में प्रधानाध्यापक संतुष्ट हो लेंगे। इसकी सूचना डीपीओ को भी देंगे।

उपस्कर क्रय के लिए विभाग से राशि की स्वीकृति मिल गई है। राशि अभी उपलब्ध नहीं हुई है। राशि उपलब्ध होते ही राशि भेज दी जाएगी। वेंडरों को बेंच डेस्क की आपूर्ति के लिए कहा गया है। आपूर्ति होने के बाद भुगतान किया जाएगा
- राजकुमार, डीइओ अररिया

अगले महीने जिला में मेगा क्रेडिट कैंप आयोजित करें बैंक के प्रतिनिधि: डीएम

- जहानाबाद में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम व प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना का ऋण वितरण शिविर आयोजित
- 26 लाभुकों के बीच 1 करोड़ 66 लाख रुपए का किया गया ऋण वितरण

केटी न्यूज/जहानाबाद

उद्योग विभाग बिहार सरकार के निर्देश पर बुधवार को जहानाबाद में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम व प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना का ऋण वितरण शिविर आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन जिला पदाधिकारी रिची पाण्डेय ने किया। इसके अंतर्गत 26 लाभुकों के बीच 1 करोड़ 66 लाख रुपए का ऋण वितरण किया गया। इसमे PMEGP योजना के अंतर्गत 14 लाभुकों के बीच 1 करोड़ 3 लाख और PMFME योजना के अंतर्गत 11 लाभुकों के बीच 63 लाख रुपया वितरण किया गया। इस मौके पर डीएम रिची पांडेय ने सभी बैंको एवं सभी लाभुकों से अपील की कि जिले में उद्यमी कौशल की कमी नहीं है। अतः बैंकों के साकारात्मक समन्वय एवं सहयोग से जिले में उद्योग विकास के क्षेत्र में और प्रगति लाया जा सकता है, क्योंकि जहानाबाद जिला पटना गया फोर लेन एवं आमस दरभंगा फोर लेन से जुड़ा हुआ है। जिससे कच्चा माल की आपूर्ति एवं निर्मित माल का विपणन आसानी से किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने सभी बैंकों के प्रतिनिधि को निर्देश दिया कि मार्च माह के मध्य तक जिले में मेगा क्रेडिट कैम्प आयोजित करना सुनिश्चित करें। जिसमे सभी अर्बन शाखाओं को 2 करोड़, सेमी अर्बन शाखाओं को 1.5 करोड़ एवं रूरल शाखाओं को 1 करोड़ का लक्ष्य दिया गया है। इसके लिए सभी सरकारी एवं गैर सरकारी बैंको के उच्च अधिकारी अपने स्तर पर नियमित अनुवर्ती कार्रवाई कर शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करना सुनिश्चित करवाएं। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक प्रशांत कुमार, उद्योग विभाग के सहायक निदेशक प्रशांत कुमार, डीडीएम नाबार्ड रजनीकांत सिंह,महाप्रबंधक उद्योग विभाग, पूजा कुमारी व अन्य मौजूद थे।

एक नजर

कार्यालय में नए सीओ का किया गया स्वागत

औरंगाबाद। गोह अंचल कार्यालय में बुधवार को नये पदस्थापित अंचलाधिकारी सोनम राज का स्वागत पंचायत समिति सदस्यों ने किया।

सर्वप्रथम सीओ को शॉल व गुलदस्तां भेंट कर सम्मानित किया। इस बीच पंचायत समिति सदस्य सत्यपाल कुमार उर्फ भोला यादव ने गोह प्रखंड में व्याप्त समस्याओं के प्रति सीओ का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने सीओ को बताया कि प्रखंड मुख्यालय में जाम की समस्या जटिल है। प्रत्येक दिन लोगो को मुख्य सड़क की जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है।मौके पर गणेश कु गुप्ता, बाजार वर्मा जितेंद्र शर्मा, चापुक -विजय यादव, एवं पंसस प्रतिनिधि शिव विश्वकर्मा,मनोज कुमार,गुड्डु कुमार आदि मौजूद थे।

इलाज के बहाने नशे का इंजेक्शन देकर डॉक्टर ने किशोरी से किया दुष्कर्म, मामला दर्ज

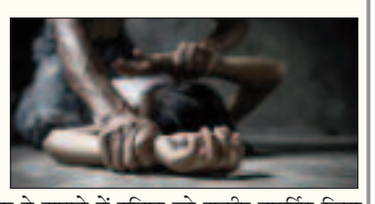

औरंगाबाद । 16 वर्षीय किशोरी को इंजेक्शन लगाने गया एक डॉक्टर द्वारा नशीली इंजेक्शन देकर उसके साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता के परिवार ने मामले में पुलिस को तहरीर समर्पित किया है जिसके आधार पर महिला थाना की पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा में मामला दर्ज कर , अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। मामला औरंगाबाद ज़िले के कासमा थाना क्षेत्र के एक गांव से जुड़ा है जिसमें डॉक्टर प्रदीप साव को नामजद आरोपित बनाया गया है। जानकारी के अनुसार किशोरी की तबियत खराब थी जिसे परिजनों के कहे मुताबिक डॉक्टर किशोरी को इलाज करने गया था लेकिन घर में अकेली किशोरी को देख उनका नियत बदल गया गया और उसने किशोरी को नशीली इंजेक्शन देकर दुष्कर्म किया और मौके से फरार हो गया। इधर किशोरी को होश आने पर उसने घटना की जानकारी परिजनों को दी। मामले में महिला थानाध्यक्ष आरती कुमारी ने बताया कि आरोपी पेशे से झोलाछाप डॉक्टर है, जो बुखार, सर्दी, खासी इत्यादि जैसे छोटे रोग का प्राथमिक उपचार करता है। बुधवार को तबियत खराब होने पर किशोरी को इलाज करने गया था। इसी क्रम में घर में अकेली किशोरी के साथ दुषकर्म किया। घटना को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जांच पड़ताल कर आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएंगी।

उपहारा थाना की वीडियो वायरल होने के बाद एसपी ने दिया जांच का आदेश

औरंगाबाद । उपहारा थानाध्यक्ष के पति द्वारा सरकारी गाड़ी से घूमने का बीडीओ सोशल मीडिया पर बायरल होने के बाद एसपी ने कार्रवाई करते हुए एसडीपीओ को जांच का आदेश जारी कर दिया है। गौरतलब हो कि मंगलवार को बेला गांव के दर्जनों ग्रामीणों ने उपहारा थानाध्यक्ष किरण कुमारी के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया था।ग्रामीणों का आरोप था कि थानाध्यक्ष के पति सरकारी गाड़ी से आकर अवैध पैसे की उगाही करते है।जिसका ग्रामीणों द्वारा बनाया गया बीडीओ को बायरल किया गया था।जिसके आलोक में एसपी स्वप्न्न जी मेश्राम ने एसडीपीओ को जांच का आदेश देते हुए करवाई शुरू कर दिया है।

खबरें फटाफट

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म मामले में अभियुक्त दोषी करार

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय के स्पेशल पॉक्सों कोर्ट के जज सुनील कुमार सिंह ने फेसर थाना की एक मामले में निर्णय पर सुनवाई करते हुए एकमात्र अभियुक्त को दोषी ठहराया है। स्पेशल पीपी शिवलाल मेहता ने बताया कि अभियुक्त को आज बंधपत्र विखंडित कर जेल भेज दिया गया है। सजा के बिंदु पर सुनवाई की तिथि 26.02.24 निर्धारित किया गया है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि नाबालिक लड़की को डरा धमकाकर यौन शौषण मामले में अभियुक्त के विरूद्ध सूचक ने 17.10.19 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसमें बताया कि वह प्रतिदिन अपनी पत्नी के साथ काम करने गांव चला जाता था , उसके अनुपस्थिति में अभियुक्त ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करता था। मामले में भतीजी से पता चला तो अभियुक्त से पूछ-ताछ किया तो उसने इंकार करते हुए मारपीट पर उतारू हो गया था। अधिवक्ता ने बताया कि पॉक्सो कोर्ट में सुनवाई में काफी तेजी आई है। पॉक्सों कोर्ट में करीब 400 मामले फिलहाल लंबित है।

बेर तोड़ने के विवाद में मारपीट, युवक का फूटा सिर

औरंगाबाद। पेड़ से बेर तोड़ने के विवाद में मारपीट की घटना घटित हुई जिसमें एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हों गया। घटना को लेकर पीड़ित ने आरोपी के विरुद्ध उपहारा थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कराई है। घटना को लेकर थाना क्षेत्र के तेयाप गांव निवासी मृत्युंजय उपाध्याय ने बताया कि मंगलवार की सुबह गांव के ही शिवम कुमार हमारे बगीचे में पेड़ से बेर तोड़ रहा था जिसे मना करने पर उसने न सिर्फ गाली-गलौज किया बल्कि बल्ला से मारपीट की घटना को अंजाम दिया जिसमें उनका सिर फुट गया और वह गंभीर रूप से जख्मी हों गए। मौके पर लोगों के बीच - बचाव में मामला शांत करवाया गया। मामले की जानकारी होने पर परिजनों द्वारा मुझे अस्पताल में प्राथमिक उपचार करवाया गया।

23 फरवरी को औरंगाबाद पहुंचेंगे तेजस्वी, गांधी मैदान में भरेंगे हुंकार

जन विश्वास यात्रा की सफलता को लेकर राजद ने लगाया एड़ी-चोटी का जोर

- हत्या की नीयत से दरवाजे के पीछे छुपे देवर ने की ताबड़तोड़ फायरिंग
- महिला बोली: जमीन लिखने को दबाव दे रहा था देवर, मना करने पर मार दी गोली

केटी न्यूज/औरंगाबाद

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सह पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के जन विश्वास यात्रा के तहत 23 फरवरी को शहर के गांधी मैदान पहुचेंगे। इसके मद्देनजर ज़िला अतिथि गृह में बुधवार को अयोजित प्रेस-वार्ता के दौरान जानकारी देते हुए बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सुरेश पासवान ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आगमन एवं जन विश्वास यात्रा की सफलता को लेकर पार्टी की एक विशेष बैठक की गई।

इस यात्रा के माध्यम से आम जनता के बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी अपने 17 महीने के कार्यकाल की उपलब्धियों को बतायेंगे जिसको लेकर जिला राजद की ओर से जोर-शोर से तैयारी चल रही है। ज्यादा से ज्यादा लोगों की भीड़ इकट्ठा करने के लिए सभी तरह के प्रयास को करने में राजद के नेता-कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। जन विश्वास यात्रा में सभी को शपथ दिलाया जाएगा। यह लड़ाई आर पार की होगी, जो चुनाव तक चलेगी। श्री पासवान ने कहा कि हमारे नेता इस यात्रा में बतायेंगे कि जन विश्वास यात्रा की जरुरत क्यों पड़ी कितने बढ़िया तरीके से सरकार चल रही थी। हमारे नेता अपनी घोषणा पत्र के अनुसार रोजगार, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सड़क समेत कई मुद्दों पर काम भी कर रहे थे। इसी बीच में साजिश करके चल रही सरकार से नीतीश कुमार अलग हो गए जिसके बारे में बताने हमारे नेता आ रहे हैं।

जिला अध्यक्ष अमरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के जन विश्वास यात्रा को लेकर राजद कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहता है। ज्यादा-से-ज्यादा भीड़ इकट्ठा कर विरोधियों को जवाब देने के उद्देश्य से राजद नेता और कार्यकताओं ने ऐड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। उन्होंने कहा कि युवाओं के चहेते तेजस्वी यादव के आगमन को लेकर नेता कार्यकर्ता के अलावा युवाओं में विशेष उत्साह है। युवा वर्ग ने 17 साल पर 17 महीना भारी है अब युवाओं की बारी है नारा दिया है। यात्रा की सफलता को लेकर तत्परता से जुड़े हुए है। इसमें औरंगाबाद ही नहीं बल्कि आस पास के जिलों से लाखों लोग जुटेंगे।

इस अवसर पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा चंदन कुमार को छात्र राजद के औरंगाबाद ज़िले का प्रभारी नियुक्त किया गया। वहीं विकास यादव को सह ज़िला प्रभारी नियुक्त गया है। इस मौके पर प्रदेश महासचिव कौलेश्वर यादव, ई. सुबोध कुमार सिंह, यूसुफ आजाद अंसारी, जिला प्रवक्ता डॉ. रमेश यादव, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष उदय उज्जवल, बादशाह यादव, जिला पार्षद अनिल यादव, जीप प्रतिनिधि राजेश शर्मा, पूर्व जीप अध्यक्ष प्रतिनिधि संजय यादव, जीप सदस्य विकास पासवान, महफूज आलम, राजू यादव, चन्द्रशेखर मेहता सहित अन्य मौजूद रहे।

जहानाबाद सीट पर भी पार्टी ने ठोका दावा

जहानाबाद। आगामी 23 फरबरी को जिले के गांधी मैदान में राष्ट्रीय लोक मोर्चा पार्टी के द्वारा रैली का आयोजन किया गया है, जिसके तैयारियों को लेकर जिला अतिथिगृह में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह गोह विधान सभा क्षेत्र के पूर्व विधायक डॉक्टर रणविजय सिंह ने रैली को एतिहासिक बनाने को लेकर तैयारियों का जायजा लिया एवं उचित दिशा निर्देश दिया इस दौरान उन्होंने कहा की हमने अपनी पार्टी को मजबूती प्रदान करने एवं आगामी लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने हेतु लगभग 200 से भी अधिक गांवों का भ्रमण कर कार्यकताओं का उत्साह किया है जा रहा है ।यह कार्यक्रम अभी जारी है उन्होंने कहा की एनडीए के साथ जब हम पूर्व में साथ चुनाव लड़ें थे तब जहानाबाद की लोकसभा की सीट पर हमारी पार्टी का उम्मीदवार था और जीत हासिल हुई थी, । उन्होंने कहा कि जहानाबाद से 35000 लोग रैली में शामिल होने का उम्मीद है। अपने पार्टी के तरफ से जहानाबाद के सीट पर दावा ठोकते हुए कहा यह सीट जब से एनडीए गठबंधन में हम लोग आए हैं तब से हम लोगों के पास रहा है ।इसलिए पहली प्राथमिकता हम लोगों को इस सीट पर दावा बनता है। उन्होंने कहा कि मेरे पार्टी इस सीट पर चुनाव के लिए तैयारी भी कर रही है।

खड़ी ट्रक में बाइक सवार ने मारी टक्कर, दो की मौत

केटी न्यूज/औरंगाबाद

घायल युवक

मदनपुर थाना क्षेत्र के देव पथ में दरभंगा गांव के समीप मंगलवार की रात तेज रफ्तार एक अनियंत्रित बाइक सवार ने खड़ी ट्रक में टक्कर मार दिया जिसमें बाइक सवार दो युवकों की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों में ढिबरा थाना क्षेत्र के बनुआ गांव निवासी 21 वर्षीय ओमप्रकाश गुप्ता एवं देव थाना क्षेत्र के करमडीह गांव निवासी अजीत कुमार शामिल है। घायल युवक की पहचान बनुआ गांव के 22 वर्षीय नीतीश शर्मा के रुप में की गई है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देव में इलाज के दौरान घायल नीतीश शर्मा की मां पूनम देवी ने बताया कि तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर रोहतास जिले के तिलौथू थाना क्षेत्र के तुतला भवानी धाम घूमने के गए थे। वापस लौटने के दौरान देव पथ में दरभंगा गांव के समीप सड़क पर खड़ी ट्रक में टक्कर मार दी जिसमें घटनास्थल पर ही दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, वहीं नीतीश घायल हो गया। घटना की आवाज सुनकर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने घायल युवक को आनन-फानन में इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देव पहुंचाया, जहां चिकित्सक प्रदीप कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल रेफर कर दिया, वैसे स्थानीय लोगों की माने तो ट्रक चालक की लापरवाही से यह घटना घटी है, पास के ही एक निजी राइस मिल का धान दरभंगा मोड़ के समीप गोदाम में रखा जाता है, जगह के अभाव में अधिकांश वाहन सड़क पर ही खड़ी रहती है, ऐसे में उस जगह पहले भी घटना घटित हुई है। स्थानीय लोगों ने राइस मिल के संचालक पर का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की तहकीकात शुरू कर दी है। इधर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में जुट गई है। घटना के बाद से परिवार वालों को रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

तालाब में डूबने से एक व्यक्ति की मौत, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया सदर अस्पताल

केटी न्यूज/जहानाबाद

जहानाबाद जिले के भेलावर ओपी क्षेत्र के लखनपुर गांव में तालाब में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, मृतक व्यक्ति हड़ह-ड़ इमलिया गांव का रहने वाला बताया जाता है, मृतक कल्लु मांझी बीते 5 दिनों से अपने घर से गायब था जिसके लिए लगातार परिजन खोजबीन कर रहे थे। और इस संबंध में पुलिस को भी सूचना दी थी जिसके बाद आज बुधवार की सुबह तालाब से उसका शव बरामद किया गया बताया जाता है कि सरस्वती प्रतिमा विसर्जन के दरमियान कल्लू मांझी की तालाब में डूबने से मौत हो गई थी जब आज शव पानी के ऊपर तैरता दिखा तो ग्रामीण और स्थानीय लोगों के सहयोग से शव को बाहर निकाला गया और पुलिस को सूचना दी गई सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जहानाबाद सदर अस्पताल में भेज दिया है और मामले की तफ्तीश में जुट गई है। इधर घटना से मृतक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

जहानाबाद में संयुक्त किसान मोर्चा ने निकाला प्रतिरोध मार्च

केटी न्यूज/जहानाबाद

शंभू बॉर्डर पर किसानों के ऊपर लाठी चार्ज और आंसू गैस से हमला बंद करो, किसानों से किया वादा पूरा करो, किसानों के मसीहा स्वामी सहजानंद सरस्वती को भारत रत्न दो, सी-2 के आधार पर लागत का डेढ़ गुणा दाम की कानूनी गारंटी सभी प्रकार के कर्जा से किसानों की मुक्ति समेत अन्य मांगों को लेकर बुधवार को संयुक्त किसान मोर्चा ने जहानाबाद में प्रतिरोध मार्च निकाला गया। इसके बाद किसान गोष्ठी आयोजित की गई। जहानाबाद कोऑपरेटिव बैंक के प्रांगण में आयोजित यह बैठक जनक देव सिंह उर्फ गांधी जी रविंद्र कुमार और रामचंद्र आजाद की संयुक्त अध्यक्षमंडली में संपन्न हुई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए बिहार राज्य किसान सभा के महासचिव अशोक प्रसाद सिंह ने कहा कि मीडिया देशवासियों को भ्रमित कर रहे हैं कि एमएसपी की कानूनी गारंटी से देश में राजकोषीय आपदा आ जाएगी। जबकि सच्चाई यह है कि एमएसपी नहीं लागू होगा तो गांव श्मशान बन जाएंगे। भूखे पेट किसान बहुत दिनों तक खेती नहीं कर पाएंगे। बल्कि मोदी जी के स्मार्ट सिटी में कॉर्पोरेट के रहमों करम पर गंदी बस्तियों में बसने को मजबूर होंगे। मुखिया हरिलाल ने किसानों की गंभीर स्थिति पर चर्चा करते हुए, किसान आंदोलन को तेज करने का आह्वान किया। प्रमोद सिंह ने कहा कि किसानों को जलवायु परिवर्तन से हो रहे नुकसान की भरपाई कॉर्पोरेट पर टैक्स लगाकर करना चाहिए। रामचंद्र सिंह आजाद ने किसानों की हो रही लूट पर आक्रोश व्यक्त करते हुए बिहार में आंदोलन को तेज करने का आह्वान किया। गोष्ठी को किसान नेता अंबिका प्रसाद, बैजनाथ शर्मा, जर्मन सिंह, डॉक्टर नरेंद्र शर्मा और दयानंद वर्मा आदि ने संबोधित किया। शिवरात्रि के दिन 8 मार्च 2024 को स्वामी सहजानंद सरस्वती की जयंती स्वामी जी के संग्रहालय में आयोजित करने का फैसला लिया। इसमें गया,जहानाबाद एवं अरवल जिला से किसान हजारों की संख्या में सम्मिलित होंगे।

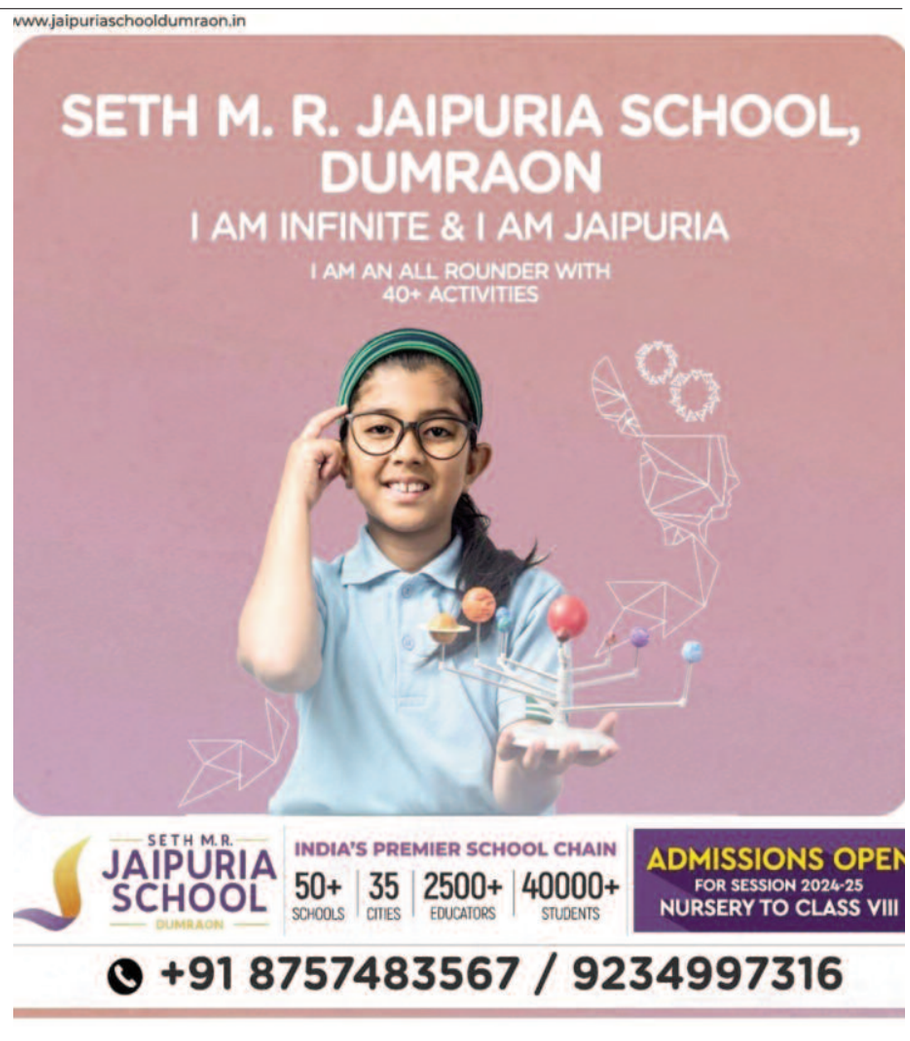

उस्ताद बिस्मिल्लाह खां महोत्सव में बिहार गौरव गाथा के साथ कलाकारों ने बांधा समां, देर रात तक झूमते रहे लोग

उस्ताद ने बना लिया पूरी दुनिया को अपना मुरीदः अश्विनी चौबे

- देर रात गायक अल्ताफ रजा ने जमाया रंग, तुम तो ठहरे परदेसी, साथ क्या निभाओगे, गाना गाकर लोगों को झुमाया

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव की मिट्टी से उपजे शहनाई के शहंशाह बिस्मिल्लाह खां ने दुनिया को शहनाई के सुमधुर वाद्य से परिचित कराया था। यूं तो उनके गए 17 साल गुजर चुके हैं, लेकिन उनकी शहनाई की मधुर गूंज आज भी लोगों को उनके होने का अहसास दिलाती है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें भारत रत्न अलंकार से नवाजा था। उक्त बातें भारत सरकार के राज्य मंत्री सह बक्सर सांसद अश्विनी कुमार चौबे ने बुधवार की शाम राज हाई स्कूल के मैदान में कही। अवसर था बिस्मिल्लाह खां महोत्सव का।

इसके पहले इस महोत्सव का उदघाटन केन्द्रीय मंत्री के साथ बक्सर डीएम अंशुल अग्रवाल, डीडीसी डॉ. महेन्द्र पाल, डुमरांव एसडीएम कुमार पंकज, बीडीओ संदीप पांडेय, सीओ अंकिता सिंह, चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता, गजल गायिका नीतू कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। आगत अतिथियों को जिला प्रशासन की ओर से बुके देकर सम्मानित किया गया। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि डुमरांव के पावन धरती पर कला संस्कृति

का भवन बनाने की पहल किया गया है। इसके लिए करीब 15 लाख की राशि भी निर्गत किया गया है। लेकिन, जमीन नहीं मिलने के कारण राशि वापस लौट गई। दूसरी बार उस्ताद के आंगन को भव्य भवन बनाकर कला संस्कृति और ऐसे वाद्यो का प्रशिक्षण देने की कोशिश की गई। लेकिन वह जमीन भी विवाद के घेरे में रहा। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री के आग्रह पर डुमरांव के रेलवे स्टेशन पर गाड़ियों के ठहरने व खुलने के समय पर शहनाई की धून बजवाने की शुरूआत की गई थी। आज के युवा वर्ग भी शादी विवाह के दौरान इस कला को महत्व देते हुए प्रदर्शित करें। उन्होंने शहनाई के सम्राट उस्ताद बिस्मिल्लाह खां को नमन किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सह चर्चित तबला वादक अनुराग मिश्र ने किया। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष विजय सिंह उर्फ भोला सिंह, भाजपा के डुमरांव ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राजीव कुमार उर्फ बब्लू पाठक, भाजपा नेता दीपक यादव, रेडक्रास के सचिव सरवन तिवारड़ी, संजय सिंह राजनेता समेत सैकड़ो गणमान्य व हजारों दर्शक मौजूद थे।

दिशा, दिशा में लोक रंग तार तार है...: महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत बिहार के गौरव गाथा से शुरू हुई। जिसमें बिहार के महापुरूषों के साथ होली, छठ, चैता, समाचकेबा, डोमकच आदि लोक गीतों व विधाओं की प्रस्तुति देते हुए कलाकारों ने यहां की लोक संस्कृति से रूबरू कराया। यह प्रस्तुति मगध संगीत संस्थान पटना द्वारा की गई थी। जिस पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाई। बिहार की गरिमा और नृत्य के भाव को बखूबी अवगत कराते हुए कलाकारों ने कुमार उदय सिंह, निशा कुमारी, अली शाह, प्रिति, दिया, वर्षा, सुनीत, शशांक जैसे कलाकारों ने अपने अपने प्रस्तुति से समां बांध दिया। इसके पूर्व स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक गीत व नृत्य कलाओं से लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। स्थानीय कलाकारों में सुमन कुमारी, रंजीत कुमार, प्रिंस कुमार, ओंकार दूबे, सतीश कुमार, हनी एंड ग्रुप, अनुराग संगीत एकाडमी आदि शामिल रहे।

यहीं हिंदुस्तान हमारा पर झूमने को विवश हुए श्रोताः चर्चित कौव्वाल बच्चा नसीम कौसर ने अपनी प्रस्तुति के दौरान जैसे ही यही हिंदुस्तान हमारा कौव्वाली को शुरू किया हजारों दर्शक तालियां बजाते हुए झूमने लगे। इसके बाद उन्होंने एक से बढ़कर एक कौव्वाली का गायन कर श्रोताओं के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया। उनके गायन के दौरान श्रोताओं के तालियां बजती रही।

हम तेरे शहर में आए है मुसाफिर की तरह...: बिहार के रंग में रमे गया निवासी प्रसिद्ध गजल गायक नवेंदु भट्टाचार्या ने उस्ताद बिस्मिल्लाह महोत्सव के मंच से कई गजलों की प्रस्तुति दे श्रोताओं का रोमांचित कर दिया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति में हम तो तेरे शहर में आए है, मुसाफिर की तरह गाकर महफिल लूट ली। उसके बाद बारी बारी से चिट्ठी आई है..., जिये तो जिये कैसे...., चांदी जैसा रंग है तेरा, सोने जैसे बाल... आदि गजल को गा समारोह में चार चांद लगा दिया।

बॉलीवुड गायक को देखने उमड़ी भीड़: समारोह के मुख्य आकर्षण वालीवुड गायक अल्ताफ राजा के मंच पर पहुंचते ही दर्शक उनकी एक झलक पाने को बेताब दिखे। वे सबसे अंत में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। उनके पहुंचते ही वहां मौजूद हजारों लोगों ने करतल ध्वनियों से उनका जोरदार स्वागत किया। दर्शकों द्वारा किए गए जोरदार स्वागत पर हाथ जोड़ आभार जताया। उनके गायन के दौरान श्रोता टस से मस नहीं हुए।

दूसरे दिन भी थर्मल पॉवर प्लांट के मुख्य गेट पर धरना देते रहे किसान, निर्माण कार्य पर पड़ रहा प्रभाव

- मंगलवार को वाटर पाइप लाइन के निर्माण के साथ ही शुरू हो गया था किसानों का धरना

केटी न्यूज/चौसा

चौसा में निमार्णाधीन 1320 मेगावॉट थर्मल पॉवर प्लांट में वाटर पाइप लाइन निर्माण के विरोध में किसानों का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। प्रभावित किसान बुधवार को भी पूरे दिन मुख्य गेट के पास धरने पर बैठे रहे। किसानों द्वारा मुख्य गेट पर धरना दिए जाने से अब निर्माण कार्य प्रभावित होने लगा है। इधर आंदोलनकारी किसान धरनास्थल पर अपना भोजन पानी लेकर दिन रात डेरा जमाए हुए हैं। किसानों द्वारा मुख्य गेट पर धरना दिए जाने की सूचना के बाद से किसी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन द्वारा बड़े पैमाने पर पुलिस बल को तैनात किया गया है। बता दें कि किसान मार्केट वैल्यू के दर से चार गुणा बढ़ाकर मुआवजा देने, आरएनआर पालिसी लागू करने, नवीनगर एनटीपीसी के तहत प्रभावितों को

मिल रही सुविधाएं देने, सभी रैयतों को मुआवजा मिलने के बाद ही अधिग्रहण की जा रही भूमि पर कार्य करने समेत 11 सूत्री मांगों को लेकर पिछले 17 अक्टूबर से प्रभावित किसान खेतिहर मजदूर मोर्चा, चौसा (बक्सर) के बैनर तले पिछले 16 महीने से किसानों का आंदोलन जारी है। धरना पर बैठे किसानों के कहा कि उनकी सभी मांगे जायज है। किसानों ने कहा कि भूमि अधिग्रहण कानून के मार्केट वैल्यू से चार गुणा अधिक मुआवजा राशि देने का प्रावधान है। रेल और वॉटर कॉरिडोर के लिए चिंहित भूमि जबतक 70 फीसदी किसानों के खाते में मुआवजा की राशि आ नहीं जाती तबतक किसान अपनी जमीन नहीं छोड़ेगें। धरना पर दर्जनों किसान मौजूद थे। वही प्रशासन द्वारा अभी एहतियात बरता जा रहा है। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में महिला किसान भी मौजूद है। वही पूर्व की घटनाओं को देखते हुए प्रशासन इस बार एहतियात बरत रहा है।

किशोरी से छेड़खानी का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

नावानगर। स्थानीय पुलिस ने केसठ गांव में छापेमारी कर किशोरी के साथ छेड़खानी व मारपीट करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही बुधवार को गिरफ्तार आरोपी मिंटू कुमार को जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष डॉ नंदू कुमार ने बताया कि दस दिन पूर्व पीड़ित किशोरी के कोचिंग जाने के क्रम में युवक द्वारा रास्ते में उससे छेड़खानी एवं विरोध करने पर मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया था। जिस पर किशोरी ने नामजद एफआईआर दर्ज करायी थी। उन्होंने बताया कि किशोरी द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर पर घटना की जांच किया गया। पुलिस ने मामले का सत्य पाया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए जाल बिछाया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को केसठ गांव से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया किआरोपी पूर्व में चोरी मामले में जेल जा चुका है।

भाजयुमो की जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

- युवाओं को जोड़ने के लिए 24 फरवरी से पांच मार्च तक युवा चौपाल आयोजित करेगी भाजयुमो

केटी न्यूज/बक्सर

बुधवार को बक्सर भाजयुमो कार्यालय में कार्यकताओं का जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुआ। यह कार्यशाला जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई थी। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष कुलभूषण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत वन्देमातरम के जयघोष से हुई। उसके बाद भारत माता, श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित किया गया। विषय प्रवेश कराते हुए जिला उपाध्यक्ष अरविन्द पासवान ने युवा चौपाल के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

जबकि अपने संबोधन में प्रदेश उपाध्यक्ष कुलभूषण ने कहा कि हमारा देश युवाओं का देश है, युवा देश के नीति निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी युवाओ के विकास के लिए अनेक कार्यक्रम संचालित किये है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 10 वर्ष पूरा होने पर भाजयुमो देश के युवाओं को भाजपा से जोड़ने के लिए युवा चौपाल कार्यक्रम करने जा रहा है। युवा चौपाल 24 फरवरी से 5 मार्च तक पूरे देश में आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सभी राज्यों में ग्राम पंचायत व वार्ड स्तर पर 2 लाख से ज्यादा स्थानों पर युवा चौपाल के कार्यक्रम आयोजित कर 18 से 35 वर्ष के एक करोड़ युवाओं को भाजपा से जोड़ा जायेगा। प्रत्येक चौपाल में कम से कम 50 युवाओं की उपस्थिति सुनिश्चित करनी है। जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी ने कहा कि युवा चौपाल के माध्यम से केंद्र सरकार की उपलब्धियों को युवाओं तक पहुंचाने का काम किया जाएगा।

बिजली चोरी करने के आरोप में चार लोगों पर जुर्माना के साथ केस दर्ज

केटी न्यूज/डुमरांव

बिजली चोरी के खिलाफ बिजली कंपनी के अधिकारियों ने डोर-टू-डोर अभियान चलाया। जिसमें दो लोगों को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा और जर्माना लगाते हुए आरोपितों के खिलाफ डुमरांव थाने में मामला दर्ज कराया है। इस छापेमार दस्ता का नेतृत्व विद्युत आपूर्ति प्रशाखा डुमरांव के कनीय विद्युत अभियंता सह अभिनिर्धारण पदाधिकारी मनीष कुमार ठाकुर ने किया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बिजली चोरी मामले में डुमरांव के महाकाल मंदिर निवासी विजय शंकर यादव पर 24004 रुपये तथा लालगंज कड़वी निवासी मेधा तिवारी पर 13930 रुपये का जुर्माना लगाते हुए मामला दर्ज कराया गया है। वहीं दूसरी तरफ विद्युत प्रशाखा चक्की की टीम ने अरक व हेनवा गांव में छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान अरक में कुंदन कुमार सिंह व हेनवा में लक्ष्मण चौधरी को चोरी से बिजली का उपयोग करने के रूप में चिन्हित किया गया।

मठिला में गुटीय तनाव की सूचना पर पहुंची पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय थाना क्षेत्र के मठिला गांव में बुधवार की शाम अचानक दो समुदायों के बीच विवाद की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने तत्काल स्थिति को नियंत्रित किया। हालांकि इस विवाद से गांव का माहौल खराब हो गया था। गनीमत थी कि दूसरे पक्ष ने विवाद बढ़ाने की वजाए तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। जिससे समय रहते पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर इसे हिंसक होने से बचाया। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को एक पक्ष के कुछ किशोरों ने एक धार्मिक स्थल के पास नारेबाजी की थी। जिसके बाद दूसरा पक्ष बुधवार की शाम अचानक सैकड़ों की संख्या में आकर मारपीट करने लगा। लेकिन गांव के प्रबुद्धजनों ने उन्हें समझाने के साथ ही पुलिस को सूचना दी। मौके पर तत्काल दो थानों की पुलिस पहुंची तथा पंचायत प्रतिनिधियों व प्रबुद्धजनों के

साथ वार्ता कर स्थिति को नियंत्रित किया। कोरानसराय थानाध्यक्ष अभय सिंह ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंच स्थिति को नियंत्रित किया गया। उन्होंने कहा कि गांव का माहौल सामान्य हो गया है। दोनों पक्षों को समझा बुझाकर शांत करा दिया गया है। पुलिस मामले पर नजर बनाये हुए है।

मेंटेनेंस वर्क के चलते दोपहर 12 से तीन बजे तक गुल रहेगी बिजली

डुमरांव। गुरुवार को मेंटेनेंस वर्क के चलते डुमरांव शहरी क्षेत्र के साथ ही ग्रामीण व बरूना फीडर की बिजली दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक गुल रहेगी। इस आशय की जानकारी डुमरांव एसडीओ राकेश दूबे ने दी। उन्होंने लोगों से इसके पहले अपने जरूरी कामों को निपटा लेने की सलाह दी। अचानक बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोगों को परेशान न होना पड़े, यही कारण है कि एसडीओ ने इसकी पूर्व सूचना दी है। उन्होंने कहा कि कंपनी द्वारा मरम्मत कार्य चलाया जा रहा है। जिस कारण आपूर्ति बाधित करनी पड़ेगी। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि बिजली संबंधित आवश्यक कार्य पूर्ण कर लें। इसके बाद विद्युत की आपूर्ति सामान्य रूप से बहाल की जाएगी।

पूजा करने गई महिला के घर से लाखों का आभूषण चोरी

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय थाना क्षेत्र के लालाटोली रोड मोहल्ले में एक महिला के अलमीरा से लाखों रुपये के सोने का आभूषण गायब होने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में महिला ने अपने चचेरे भाई पर चोरी किये जाने का आरोप लगाते हुए नामजद एफआईआर दर्ज कराया हैं। पुलिस मामले को दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दी है। पीड़िता पूजा कुमारी ने पुलिस को दिये आवेदन में बताया है कि वह ब्रह्मपुर धाम के शिव मंदिर में पूजा करने गयी थीं। जब पूजा कर वापस लौटी तो अपने कमरे का आलमीरा खुला पाया। जिसे देखकर उसके होश उड़ गये। उसने तत्काल खोजबीन शुरू की। जिससे यह ज्ञात हुआ कि आलमीरा में रखें सोने के जेवर, सोने का झुमका, कान का झल्ला, चांदी का तीन पायल, सोने का मंगलसूत्र, सोने का लॉकेट गायब था। पीड़िता ने इसकी काफी खोजबीन की लेकिन आभूषण नहीं मिला। पीड़ित ने गहनों की कीमत लाखों रुपये बतायी है। पीड़ित महिला ने शक के आधार पर अपने चाचा विश्वनाथ सिंह के पुत्र विजय सिंह के खिलाफ चोरी करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। पुलिस मामले को दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी अनीशा राणा ने बताया कि पीड़िता के आवेदन पर पुलिस मामलेको दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दी है। पुलिस सभी पहलूओं पर जांच कर रही है। जल्द ही चोर पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

नावानगर स्थित बीपीएस हायर सेकेंड्री पब्लिक स्कूल में हुआ कार्यक्रम

विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन, छात्रों के बनाए मॉडल देख सभी हुए चकित

केटी न्यूज/नावानगर

नावानगर स्थित बीपीएस हायर सेकेंड्री पब्लिक स्कूल में बुधवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने प्रोजेक्ट के माध्यम से अपनी हुनर दिखाया। प्रदर्शनी में छात्रों के बनाए मॉडल को देख अतिथि दंग हो गए। विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि विक्रमगंज करुणा अस्पताल के डायरेक्टर डॉ कामेंद्र सिंह, राजद प्रदेश महासचिव प्रोफेसर डॉ श्रीनिवास सिंह ने किया। प्रदर्शनी विद्यालय के डायरेक्टर इंजीनियर दीपक कुमार के नेतृत्व में आयोजित की गई थी। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता राम कुमार सिंह, आथर मुखिया रेखा देवी, सिकरौल मुखिया मनोज कुमार, नावानगर थानाध्यक्ष नंदू

कुमार, नावानगर मुखिया इजाजूल हक, राजद के वरिष्ठ नेता सह विद्यालय के संस्थापक सत्येंद्र सिंह उपस्थित थे। इसके बाद सभी अतिथियों को विद्यालय के डायरेक्टर इंजीनियर दीपक कुमार द्वारा अंगवस्त्र व गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों ने स्वचालित मॉडल्स, प्रोजेक्ट्स एवं कई अन्य कलाकृतियां तैयार की थी। जिसमें चंद्रयान-3, चावल दाल से बने भारत का नक्शा, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, चिड़ियाघर, प्रदूषण नियंत्रण तंत्र, एआई रोबोट, वन्य जीव अभ्यारण्य, स्मार्ट सिटी, स्मार्ट होम, सिक्योर्ड अलार्म हाउस, सोलर इक्लिप्स, सेव एनर्जी, हीटर, हस्तकला से बने मॉडल आदि। जबकि छात्रों द्वारा हिन्दी साहित्य एवं आदि काल, बौद्धिक काल समेत अन्य काल पर तैयार प्रोजेक्ट आकर्षक का केंद्र रहा। विज्ञान प्रदर्शनी के स्कूल के डायरेक्ट द्वारा अभिभावकों को एक संदेश दिया। उन्होंने संदेश में कहा कि बच्चें कक्षा दस तक सभी विषयों के प्रति रुचि रखें। इसके आगे कक्षा की पढ़ाई में बच्चों को रुचि के अनुसार शिक्षा दें। बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ प्रयोग करने के लिए भी प्रेरित करें। जिससे उनकी रूचि अपने आप ही पढ़ाई के लिए बढ़ेगी। उनका पढ़ने से मन नहीं भागेगा। प्रयोग नहीं करने से बच्चों की पढ़ाई बोझिल होने लगती है। इससे बच्चें बेहतर प्रदर्शन भी बेहतर होगा। वर्तमान समय में जिस तरह से शिक्षा आगे बढ़ते जा रही है। उसी हिसाब से शिक्षकों को भी अपनी मनोवृति को भी बदलना होगा। वहीं मुख्य अतिथि ने कहा कि इस तरह के प्रदर्शनी के माध्यम बच्चों को अपनी सोच एवं हुनर दिखाने का मौका मिलता है। जिससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने कहा कि यही बच्चें भविष्य में इंजीनियर, डॉक्टर आदि जैसे जिम्मेवार नागरिक बन देश की सेवा करेंगे एवं नाम रोशन करेंगे। एक नये भारत का निर्माण होगा। इस बात का समझाना होगा। विज्ञान प्रदर्शनी में स्कूल के शिक्षकों व अतिथियों के अलावे सैकड़ो अभिभावक व छात्र मौजूद थे।

बोर्ड परीक्षा के लिए बने स्ट्रांग रूम में किसी प्रकार की लापरवाही न हो: डीएम

- हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा आज से
- जिलाधिकारी ने कंट्रोल रूम के जरिए विभिन्न स्कूलों में बनाए गए स्ट्रांग रूम की व्यवस्था का लिया जायजा

केटी न्यूज/बलिया

22 फरवरी से शुरू होने वाली हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा को नकलविहीन एवं शूचितापूर्ण संपन्न कराने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा के साथ जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बुधवार को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम पहुंच जिले में संचालित होने वाले बोर्ड परीक्षा के लिए बने स्ट्रांग रूम की निगरानी का जायजा लिया। जिलाधिकारी द्वारा पहले से ही स्ट्रांग रूम के बाहर और भीतर दो कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए थे और कंट्रोल रूम के माध्यम से उसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी का प्रबंध किया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक रमेश सिंह ने बताया कि कंट्रोल रूम में स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए तीन शिफ्टों में 22 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

जिलाधिकारी ने कंट्रोल रुम में ड्यूटी कर रहे सभी कर्मचारियों को विद्यालयों में बनाये गये स्ट्रांग रूम की प्रॉपर निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिया कि कंट्रोल रूम में काम करने वाले सभी कर्मचारियों के काम करने का समय, नाम और मोबाइल नंबर कंट्रोल रूम के बाहर चिपका दें। साथ ही सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए उपस्थिति रजिस्टर बनवाने का निर्देश दिया। कहा कि सभी केंद्र व्यवस्थापकों से स्ट्रांग रूम के बाहर और स्ट्रांग रूम के भीतर के सीसीटीवी कैमरे संबंधी अन्य तैयारियों की ओके रिपोर्ट मंगवा ले। उन्होंने कंट्रोल रूम से ही कुछ स्ट्रांग रुम के बाहर के दरवाजे और अलमारी की निगरानी को परखा।

निरीक्षण के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल करना पड़ा भारी, डीएम ने निलंबन का दिया निर्देश

बलिया। निरीक्षण के दौरान जब जिलाधिकारी दिशा निर्देश दे रहे थे, उसी समय एक कर्मचारी द्वारा मोबाइल इस्तेमाल करने को लेकर घोर लापरवाही मानते हुए और उसे वहां की ड्यूटी से हटाते हुए निलंबित करने का निर्देश दिया। कहा कि कंट्रोल रूम में जितने भी अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, उनके द्वारा गड़बड़ी या लापरवाही मिलने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। सभी को चेताया कि संवेदनहीन और लापरवाह अधिकारी या कर्मचारी बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने बोर्ड परीक्षा की गंभीरता को समझते हुए सभी को पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निर्वहन करने का निर्देश दिया।

एक नजर

ढाई लाख रुपया रिश्वत लेता चकबंदी विभाग का कर्मचारी गिरफ्तार, मुकदमा दर्ज

बलिया। ढाई लाख रुपए रिश्वत लेते हुए एंटी करप्शन टीम आजमगढ़ ने बुधवार को नगर के रोडवेज बस स्टैंड के पास से चकबन्दी विभाग के चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कर्मचारी के पास से बरामद रुपए एवं कर्मचारी के बयान के आधार पर एंटी करप्शन टीम द्वारा चतुर्थ कर्मचारी व सहायक चकबंदी अधिकारी सिकंदरपुर के विरुद्ध सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। इस कार्रवाई के बाद चकबंदी विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के करमौता गांव निवासी राजेश कुमार राय पुत्र उदय नारायण राय सहायक चकबन्दी अधिकारी, सिकन्दरपुर कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर तैनात है। जिसे एंटी करप्शन आजमगढ़ की टीम ने शिकायतकर्ता की शिकायत पर नगर के रोडवेज बस स्टैंड के पास से 2.50 लाख रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। वहीं पकड़े गए चतुर्थ कर्मचारी के बयान के आधार पर ललित कुमार, सहायक चकबन्दी अधिकारी, सिकन्दरपुर तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के विरुद्ध मुकदमा एंटी करप्शन टीम द्वारा कोतवाली में पंजीकृत कराया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली टीम में एंटी करप्शन प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर बाबू आजमगढ़, निरीक्षक निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह, निरीक्षक सुखबीर सिंह भदौरिया, निरीक्षक ब्रजेश द्विवेदी, निरीक्षक कैलाश चन्द्र, मुख्य आरक्षी ओमकार सिंह यादव, मुख्य आरक्षी विकास कुमार जायसवाल, आरक्षी आनन्द कुमार यादव, आरक्षी अमित सिंह, आरक्षी मुकेश कुमार पटेल, आरक्षी पंकज सिंह, जितेन्द्र कुमार आजमगढ़, अरविन्द यादव गोरखपुर आदि रहे।

बीईओ ने 26वें स्मार्ट क्लास कक्ष का दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

गाजीपुर। रेवतीपुर ब्लाक अंतर्गत रमवल प्राथमिक विद्यालय में बुधवार को बीईओ अशोक कुमार गौतम ने विकास खंड के 26वें स्मार्ट क्लास कक्ष का फीता काटकर व दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस दौरान बीईओ ने इस आधुनिक कक्ष में स्मार्ट टीवी के माध्यम से छात्र-छात्राओं को पढाए जाने से संबंधित जानकारी ली। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों एवं छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि बीईओ अशोक कुमार गौतम ने कहा कि जनपद में रेवतीपुर ब्लाक एक प्रेरक ब्लाक के रूप में उभर कर सामने आ रहा है। कहा कि इसका दायित्व शिक्षकों के कंधों पर ज्यादा है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में नवाचारी एवं संसाधन शिक्षा के लिए बनाए गए डिजिटल कक्ष से विद्यालय के छात्र-छात्राएं स्मार्ट टीवी, वीडियो प्रोजेक्टर से न केवल शिक्षा ग्रहण करेंगे, बल्कि विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से नवाचारी शिक्षा प्राप्त करेंगे। कहा कि छात्रों को बेहतर शिक्षा के साथ आधुनिक संसाधनों से गुणात्मक शिक्षा देना बेसिक शिक्षा विभाग का लक्ष्य है। कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग निरंतर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारी प्रयोग करते हुए सभी को गुणात्मक शिक्षा देने पर जोर दे रहा है। बीईओ ने स्मार्ट क्लास के साथ-साथ कायाकल्प के सभी 19 मानकों में से दिव्यांग शौचालय को छोड़कर सभी पैरामीटर्स को पूरा करने पर विद्यालय परिवार को बधाई दी। उम्मीद जताया कि जल्द ही यह विद्यालय दिव्यांग शौचालय से भी संतृप्त हो जाएगा। इस दौरान विद्यालय परिवार की तरफ से आए सभी आगंतुकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। बता दें कि विद्यालय को यह स्मार्ट टीवी सोशल वेलफेयर एंड अपलिफ्टमेंट समूह, इंदिरा पुरम, गाजियाबाद के अरुण कुमार अग्रवाल एवं अवधेश कुमार अग्रवाल निःशुल्क दान दिया है।इस अवसर पर प्रधानाध्यापक सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, प्रेम उपाध्याय, कृष्ण नन्द, खालिद अली,आशीष कुमार, अशोक कुमार, शीला सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

युवक के पिता की तहरीर पर बाप-बेटी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

बलिया। गड़वार कस्बा अंतर्गत एक लॉज के सीढ़ी पर 20 फरवरी को एक युवक का शव मिलने के बाद सनसनी फैल गई थी। मृतक की शिनाख्त गड़वार थाना क्षेत्र के बाराबान्ध निवासी सुमित कुमार यादव उर्फ राहुल 19 वर्ष पुत्र देवेंद्र यादव उर्फ मुन्ना के रूप में की गई थी। इस मामले में पुलिस ने मृतक के पिता के तहरीर पर प्रेमिका व उसके पिता के विरूद्ध नामजद हत्या का मुकदमा दर्ज किया। वहीं प्रेमिका व उसके पिता को घटना के दिन ही पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। जिनसे पुलिस पूछताछ कर रही है।

मृतक के पिता देवेन्द्र नाथ उर्फ मुन्ना यादव ने तहरीर में उल्लेख किया है कि मेरे पुत्र सुमित यादव उर्फ राहुल के मोबाइल पर 19 फरवरी 2024 की रात करीब 11:30 बजे किसी का फोन आया। जिसके बाद वह घर से निकल गया। उसके सारे मित्रों से पूछने के बाद कोई जानकारी नहीं प्राप्त हुई। तब मेरी बेटी स्नेहा यादव अपनी सहेली खुशी कुमारी गुप्ता जो मेरे लड़के का भी दोस्त थी। मेरी बेटी द्वारा खुशी कुमारी गुप्ता को दोपहर करीब 12:30 बजे फोन किया गया। खुशी द्वारा बताया गया कि उसके घर के पीछे गिरा हुआ है। मुझे संदेह है कि खुशी कुमारी गुप्ता और उसके पिता राजेश कुमार गुप्ता द्वारा मेरे बेटे कि हत्या की गई है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने बाप-बेटी के विरूद्ध धारा 302 के तहत नामजद मुकदमा दर्ज कर रात में ही बाप-बेटी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। घटना के बाद परिजन एवं ग्रामीणों ने बलिया-गड़वार मार्ग को करीब ढाई घण्टे तक जाम कर दिया था। परिजनों का आरोप था कि बिना शव को दिखाएं पुलिस पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उसे लाकर हम लोगों को दिखाया जाए। पुलिस ने वार्ता कर जाम समाप्त कराने का प्रयास किया। लेकिन जामकर्ता अपने जिद पर अड़े रहे। अंततः पुलिस ने हल्का बल का प्रयोग करते हुए पीड़ित परिवार को थाने ले गई और ग्रामीणों को बल का प्रयोग कर तीतर-बीतर किया। जिसके बाद जाम समाप्त हुआ था। इस बाबत गड़वार थानाध्यक्ष संजय शुक्ला ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर बाप-बेटी के विरुद्ध नामजद मुकदमा दर्ज कर पूछताछ की जा रही है।

लोकसभा चुनाव- 2024 : महारथियों को रथ पर सवार करने में जुटे सपा मुखिया

प्रत्याशी को सामने आने दें, इतिहास पुनः दोहराऊंगा : अफजाल अंसारी

- अखिलेश की दूसरी सूची जारी होने के बाद चर्चाओं में हैं बसपा सांसद

केटी न्यूज/ गाजीपुर

फाइल फोटो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सपा मुखिया अखिलेश यादव ने लोकसभा-2024 चुनाव के मद्देनजर अपने महारथियों को रथ पर सवार करने के लिए दूसरी लिस्ट जारी की थी। जिसमें 11 के नाम की घोषणा हुई थी। अखिलेश यादव द्वारा जारी की गई इस सूची में बसपा सांसद अफजाल अंसारी का नाम कई दिनों से काफी चर्चाओं में है। सपा उम्मीदवार के रूप में अफजाल अंसारी के नाम की घोषणा के बाद गाजीपुर जनपद की राजनीतिक सियासत तेज हो गई है। यहां प्रमुख दलों में किला फतह करने को लेकर सियासी शतरंज की गोटियां बिछने लगी है। इसे लेकर चिंतन -मंथन जारी है।

बता दें कि गाजीपुर लोकसभा -75 से बसपा सांसद अफजाल अंसारी को भी सपा मुखिया ने टिकट दिया है। इसको लेकर राजनीतिक गलियारे में नयी हलचल पैदा हो गई है। हालांकि बलिया दौरे पर कुछ दिन पहले आए सपा मुखिया ने गाजीपुर सीट से बसपा सांसद अफजाल अंसारी को लोकसभा गाजीपुर से अपने पार्टी से उम्मीदवार बनाने का संकेत दे दिया था। बस इस पर मोहर लगनी बाकी थी, जो 19 फरवरी को प्रत्याशी के तौर पर लगा दी गई।

सपा उम्मीदवार के रूप में दूसरी सूची में नाम शामिल होने के बाद बसपा सांसद अफजाल अंसारी ने अपने मुहम्मदाबाद आवास पर पत्रकारों से बात की और कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के माध्यम से जो सूची जारी की गई है और उसमें मेरा नाम भी शामिल है। उसके लिए मैं सपा मुखिया का हृदय से आभारी हूं, ताकि उन्होंने गाजीपुर के लिए मुझे इस योग्य समझा। सपा मुखिया ने गाजीपुर संसदीय क्षेत्र की गरीब जनता की भावनाओं का सम्मान किया है और हम उनकी भावनाओं का सम्मान करेंगे। उनसे यह पूछने पर कि उनकी किससे लड़ाई है, कहा अभी तो कोई सामने नहीं है। बीजेपी 400 के पार का नारा दे रही है और दूसरी तरफ देखा जाए तो बीजेपी घबराई हुई है। छोटे-छोटे दलों के लिए जिनके लिए दरवाजे बंद हो गए थे, अब उनका साथ लिया जा रहा है। मोदी सरकार के लिए दल का काम गोदी मीडिया कर रहा है। आज देश नाराज है। 205 लाख करोड़ के कर्ज में देश डूबा हुआ है और सबको पता है कि मोदी के कार्यकाल में मात्र डेढ़ सौ लाख करोड़ रुपये आया है। देश की पूंजी संपदा और ताकत को बंधक रखा जा रहा है। मेरा नाम तो आपने किसी सूची में देख लिया, लेकिन मेरे खिलाफ कौन लड़ाई में सामने आएगा अभी यह देखना बाकी है। मेरे पैरों में बेड़िया डालकर बेबस किया गया। हमने इन बेडियों को खोलने का काम न्यायपालिका के माध्यम से किया है।

सुप्रीम कोर्ट के माध्यम से मेरी सजा को खत्म किया गया और मेरी संसद सदस्यता बहाल की गई और मैं चुनाव लड़ने के योग्य घोषित किया गया हूं। इससे विपक्ष परेशान है। गाजीपुर के पूर्व सांसद और वर्तमान एलजी जम्मू कश्मीर मनोज सिन्हा को इंद्रलोक का मालिक कहकर संबोधित करते हुए अफजाल अंसारी ने कहा कि यह लोग हर बार फेरा लगाने आ जाते हैं।

उन्होंने हाई कोर्ट में लंबित अपनी याचिका पर आने वाले फैसले पर कहा कि अभी हाईकोर्ट में हर तारीख पर मेरे वकील खड़े रहते हैं और मुझे भी बेसब्री से इंतजार है कि कब हाई कोर्ट से फैसला आए। मैं स्वच्छ छवि का इंसान हूं और बेदाग ही रहना और मरना पसंद करूंगा। पुराने प्रत्याशी मनोज सिन्हा के सामने आने के सवाल पर उन्होंने मुस्कुरा कर कहा कि चुनाव रोचक होगा और इतिहास पुनः दोहराएगा। उन्होंने मनोज सिन्हा का नाम नहीं लेते हुए कहा कि अगर वह आए तो स्वागत है और अगर अपने वारिस को लाते हैं तो और ज्यादा स्वागत है, और अगर भाजपा का नेतृत्व इस स्थिति को न देकर कोई और खिचड़ी पकाता है तो मुझे गाजीपुर की गरीब जनता पर अटूट विश्वास है उन्होंने कहा कि मेरे परिवार पर खड्यंत्र करके मेरे ऊपर जुल्मों सितम किए गए सरकारी मशीनरी लगाकर मुझे लूट लिया गया। इस बार फिर गाजीपुर का गरीब हमारे साथ है।

रोजगार मेला : 380 अभ्यर्थियों ने किया प्रतिभाग, 156 का हुआ चयन

- 12 अभ्यर्थियों को मिलेगा विदेश में नौकरी

केटी न्यूज/ गाजीपुर

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजनान्तर्गत कौशल विकास मिशन एवं जिला सेवायोजन कार्यालय गाजीपुर के संयुक्त तत्वावधान में अलगू यादव इंटर कॉलेज बरेंदा- मरदह परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

जिसमें प्रतिभागी कंपनियां वीएसडी, सत्याग एंप्लॉयमेंबिलीटी सर्विसेज एवं जॉब सीकर्स स्टाप द्वारा डिक्सन, पैजेट, मिकुनी के लिए चयन सहित कुल छह कंपनियों द्वारा ट्रेनी, फील्ड आफीसर, मैकेनिक, इलेक्ट्रिशियन, फीटर, कम्प्यूटर आपरेटर, इलेक्ट्रानिक मैनूफक्रैरिंग, हेल्पर आदि पदों पर योग्य व्यक्तियों का चयन किया गया। मेले में लगभग 380 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें से विभिन्न पदों पर कुल 156 अभ्यर्थियों का अन्तिम राउंड के लिए चयन किया गया। भारत के कार्यबल को कुशल बनाकर अंर्तराष्ट्रीय अवसरों से जोड़ने के लिए भारत सरकार के स्किल इण्डिया मिशन के तहत स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर वाराणसी द्वारा उक्त कॉलेज परिसर में प्री-काउंसिलिंग की गई। जिसमें दुबई, अबुधाबी, शारजाह, सऊदी अरब देशों में इलेक्ट्रिशियन, फिटर, हैल्पर, क्लीनर, माली, एसी टेक्नीशियन, सिक्योरिटी गार्ड, कुक, वेटर, मैकेनिकल ड्राफ्ट्समैन, मेसन, ड्राइवर आदि जॉब रोल्स के लिए प्री-काउंसलिंग में लगभग 32 अभ्यर्थियों का वाराणसी टीम द्वारा काउंसलिंग की गई। जिसमें 12 अभ्यर्थी विदेशों में रोजगार पाने के लिए योग्य पाए गए। इसमें से 12 अभ्यर्थी पासपोर्टधारी हैं। इन सभी योग्य अभ्यर्थियों को अन्तिम चयन के लिए वाराणसी सेंटर पर काल किया जाएगा। आगामी रोजगार मेला, कैरियर प्वाइंट ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी, प्रशिक्षण केंद्र, भदौरा गाजीपुर में 21 फरवरी 2024 को प्रातः11 बजे से आयोजित होगा।

नाबालिग संग दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, गया जेल

गाजीपुर। जनपद के शादियाबाद पुलिस ने नाबालिग संग दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इलाके के एक गांव की रहने वाली नाबालिग के परिजनों ने शादियाबाद के हंसराजपुर बभनौली निवासी शमीम सिद्दिकी पुत्र जलालुद्दीन सिद्दिकी के खिलाफ नाबालिग संग दुष्कर्म की शिकायत करते हुए पॉक्सो व दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस उसकी तलाश कर रही थी और सूचना के आधार पर उसे नवापुरा चौराहा से गिरफ्तार कर लिया। वह फरार होने के लिए साधन का इंतजार कर रहा था। उसे गिरफ्तार करने के बाद थाने लाया गया।

बेमौसम बारिश से गेहूं की फसल बर्बाद

केटी न्यूज/ बलिया

क्षेत्र में गत रात को तेज हवा के साथ हुई बेमौसम बरसात के कारण किसानों की फसलों में काफी नुकसान हुआ है। बीती रात तेज हवा के साथ हुई बारिश से क्षेत्र में लहलहा रही गेहूं की फसल गिर गई है, जिससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ गई हैं। मंगलवार देर रात को हुई बारिश से क्षेत्र की गेहूं, सरसों, आलू सहित कई अन्य फसलें प्रभावित हुई हैं। बारिश के साथ तेज हवा के झोकों से कई बीघा गेहूं की फसल बिछ गई है। सिंहपुर के किसान लालचंद्र वर्मा ने बताया कि लगभग एक बीघा गेहूं की फसल लहलहा रही थी, अचानक तेज हवा के साथ आई बारिश से गेहूं की फसल खेतों में गिर गई। उन्होंने कहा कि बारिश और तेज हवा के कारण विकट स्थिति पैदा हो गई है. खेत में पड़ी गेहूं की फसल से बेहतर उपज मिलने की उम्मीद धराशायी हो गई है। पक्काकोट गांव के किसान बृजेश यादव ने बताया कि गांव के किसानों ने अधिक मात्रा में गेहूं की खेती की थी। तेज हवा के कारण खेतों में गिर गई है। अब किसानों को फसल खराब होने की चिंता सताने लगी है।

जिला युवा सांसद भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

युवाओं ने भाषण प्रतियोगिता में लिया भाग

केटी न्यूज/ गाजीपुर

नेहरू युवा केंद्र युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में जनपद में जिला युवा सांसद भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने अपने-अपने विचार प्रकट किए। आजमगढ़, बलिया, जौनपुर, गाजीपुर के युवाओं ने भाषण प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। निर्णायक मंडल में कमलेश प्रकाश सिंह मंडल प्रभारी भाजपा, एसडी यादव सेवा निवृत जिला क्रीड़ा अधिकारी, कमरुद्दीन अंसारी पूर्व प्रवक्ता एसएम नेशनल इंटर कॉलेज मछट्टी गाजीपुर, सीमा पाठक अध्यक्ष जिला बाल कल्याण समिति, विनय कुमार सिंह ब्यूरो चीफ आज तक ने पारदर्शिता के साथ निर्णय किया। जनपद स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी राज्य स्तर पर भेजे जाएंगे। वर्चुअल मोड में आयोजित प्रतियोगिता में नेहरू युवा केंद्र उपनिदेशक कपिल देव राम ने सभी बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्साह एवं उमंग से किया हुआ हर कार्य सफल होता है और सभी लोगों को कभी न रुकने एवं मन में ठान कर लक्ष्य प्राप्ति करने की तरफ सतत प्रयत्नशील होना चाहिए। प्रतियोगिता का संचालन डीपीओ बृजेश श्रीवास्तव ने किया। लेखा एवं कार्यक्रम सहायक सुभाष चंद्र प्रजापति ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। एमटीएस सुरेंद्र राम प्रजापति, राहुल कुमार, राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवक सदर विकास खंड खुशबू वर्मा, चंदन पटेल, रॉबिन राव, राहुल विश्वकर्मा, लल्लन प्रसाद, हर्षवर्धन राय, राजीव कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

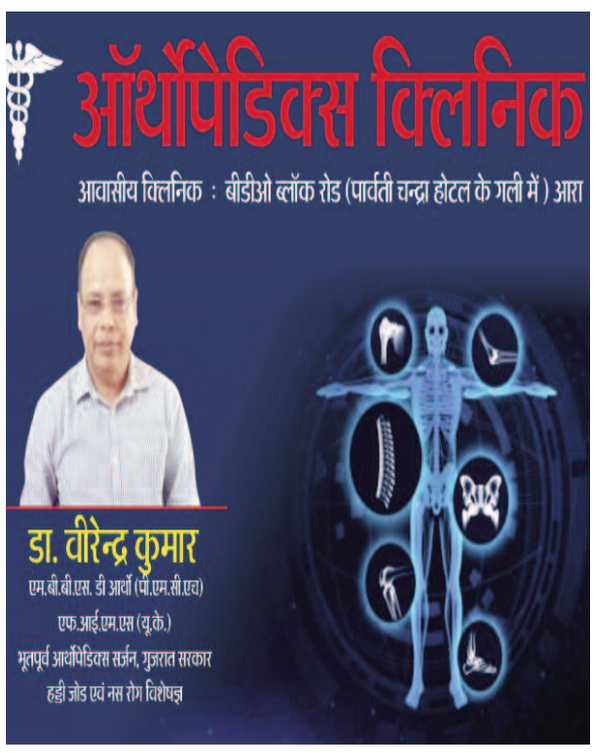

काशी से बहने वाली दूध की धारा पूर्वांचल के लगभग 1346 गांवों में लाएगी रोजगार

- परियोजना से करीब 1 लाख से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से मिलेगा रोजगार
- बनारस की मशहूर लौंगलता और लाल पेड़ा भी बनायेगी बनास डेयरी

केटी न्यूज/वाराणसी

प्रधानमंत्री के संकल्प को सार्थक करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ की देखरेख में बना बनास काशी संकुल पूर्वांचल में दूध की धारा बहाने के लिए तैयार है। वाराणसी के दो दिवसीय दौरे में 23 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमूल के सबसे बड़े प्लांट बनास डेयरी का उद्घाटन करेंगे। परियोजना से करीब 1 लाख लोगो को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। इसके शुरू होने से पूर्वांचल के किसानों व गो पालकों की आय भी दोगुनी होगी। दुग्ध उत्पादकों को वर्ष के अंत में कंपनी अपने लाभांश का कुछ प्रतिशत भुगतान भी करेगी। पूर्वांचल के लोग दूध के साथ मिठाई, आइसक्रीम, पनीर, खोआ, घी और अन्य मिल्क प्रोडक्ट का स्वाद चख सकेंगे। इसमें बनारस का खास लौंगलता और लाल पेड़ा भी होगा। 622 करोड़ की लागत से बने इस प्लांट का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 23 दिसंबर 2021 को किया था। बनास डेयरी अमूल इंडस्ट्रियल एरिया का निर्माण करखियांव, एग्रो पार्क में 30 एकड़ में हुआ है।

कंपनी हर गांव में खोलेगी दूध कलेक्शन सेंटर: काशी से बहने वाली दूध की धारा पूर्वांचल के लगभग 1346 गांवों में रोजगार का प्रवाह लाएगी। इससे अप्रत्यक्ष रूप से करीब 1 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। इस परियोजना से फैक्टरी में करीब 750 लोगों को प्लांट में प्रत्यक्ष और करीब 2,350 लोगों को फील्ड में रोजगार मिलेगा। अमूल बनास काशी संकुल परियोजना के चेयरमैन शंकर भाई चौधरी ने बताया कि इस प्लांट में अत्याधुनिक तकनीक के उपकरण लगे हैं। यह पूरी तरह स्वयं संचालित होगा। 5 से 50 किलोमीटर के परिधि में दूध कलेक्शन के लिए 5 चिलिंग सेंटर शुरू हो चुका है। पूर्वांचल में कुल 13 चिलिंग सेंटर होगा। कंपनी हर गांव में दूध कलेक्शन सेंटर खोलेगी। इसके लिए हर गांव में दुग्ध क्रय समिति बनाई जा रही है। जो स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसेस के तहत दूध खरीदेगी। निर्धारित समय पर कंपनी की गाड़ी से दूध का कलेक्शन किया जाएगा।

पांच जिलों के किसान हो रहे लाभान्वित: एमडी संग्राम चौधरी ने बताया कि अभी 5 जिले गाजीपुर, मीरजापुर, चंदौली, वाराणसी, संतरविदास नगर के किसान लाभान्वित हो रहे हैं। भविष्य में जौनपुर, आजमगढ़, कौशांबी, प्रयागराज, अंबेडकर नगर, बलिया, मऊ, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थ नगर, बस्ती, संतकबीर नगर, गोरखपुर के किसान और गो पालक लाभान्वित होंगे।

एक नजर

माफिया अतीक के मददगार वक्फ बोर्ड के मुतवल्ली मोहम्मद अशियम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के अवैध साम्राज्य के खिलाफ योगी सरकार का एक्शन जारी है। प्रयागराज में पचास करोड़ से ज्यादा की वक्फ बोर्ड की संपत्ति को अवैध तरीके से माफिया अतीक के करीबियों के नाम पट्टा करने वाले मोहम्मद अशियम को मुतवल्ली पद से हटा दिया गया है। यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने माफिया अतीक के करीबी मोहम्मद अशियम को प्रयागराज के पूरामुफ्ती स्थित वक्फ बोर्ड की प्रॉपर्टी नंबर 66, 67 और 68 के मुतवल्ली पद से हटाते हुए कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। इसके साथ ही अवैध तरीके से वक्फ बोर्ड की संपत्ति को माफिया अतीक और अशरफ के प्रभाव में उसके करीबियों के नाम पट्टा की गई संपत्ति की रिकवरी को लेकर भी संबंधित अधिकारियों को पत्राचार किया गया है। इसके साथ ही यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने माफिया अतीक के करीबी मोहम्मद अशियम की जगह पर एडवोकेट अम्माद हसन को नया मुतवल्ली नियुक्त किया है। दरअसल प्रयागराज के पूरामुफ्ती इलाके में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ ने अपने करीबी और रिश्तेदारों के नाम वक्फ बोर्ड की पचास करोड़ कीमत की संपत्ति को अवैध तरीके से लीज पर ले लिया था। इस करोड़ों की संपत्ति पर माफिया के करीबियों ने मार्केट भी बनवा लिया है। इतना ही नहीं इसी वक्फ बोर्ड की संपत्ति के कुछ हिस्से पर माफिया अतीक के भाई अशरफ की पत्नी जैनब का आलीशान आशियाना भी बन गया है। हालांकि आशियाने को गैंगस्टर के तहत पुलिस ने कुर्क कर लिया है। वहीं अब इस संपत्ति के मुतवल्ली और माफिया अतीक के करीबी मोहम्मद अशियम को हटाते हुए उसके खिलाफ जांच भी बैठा दी गई है। माना जा रहा है कि जांच का दायरा जब आगे बढ़ेगा तो वक्फ बोर्ड की संपत्ति को अवैध तरीके से माफिया के परिवार को देने के मामले में तत्कालीन मुतवल्ली मोहम्मद अशियम पर कानूनी शिकंजा भी कसेगा।

गोरखपुर में जल्द बनेंगे 21 इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन

गोरखपुर। नगर निगम ने शहर में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए 21 नए चार्जिंग स्टेशन बनाने का निर्णय लिया है। इसके लिए जगह चिन्हित कर ली गई है। इससे इलेक्ट्रिक वाहन आसानी से अपनी गाड़ी चार्ज करवा सकेंगे। साथ ही साथ इससे शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने में मदद मिलेगी। दरअसल, इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन बनने के बाद लोगों का रुझान भी इन वाहनों की ओर तेजी से बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। चार्जिंग स्टेशन बनने के बाद इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर पड़ेगा लोगों का रुझान अभी तक सिटी बसों के अतिरिक्त प्राइवेट वाहनों के लिए एक भी चार्जिंग स्टेशन नहीं है। ऐसे में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। यही नहीं चार्जिंग स्टेशन न होने के चलते लोग वाहन खरीदते समय पेट्रोल और डीजल इंजन को प्राथमिकता देते हैं। शहर में चार्जिंग स्टेशन बनने के बाद इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। महापौर डॉक्टर मंगलेश श्रीवास्तव बताते हैं कि नगर निगम ने चार्जिंग स्टेशन के लिए जमीन चिन्हित कर ली है। इससे शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने में भी मदद मिलेगी। गोलघर, असुरन, खजांची, पादरी बाजार, गुलरिहा, मेडिकल कॉलेज, गीता वाटिका, ट्रांसपोर्ट नगर चौराहा, गीडा, नौसढ़ चौराहा, नौका विहार(बुद्धा गेट), जीडीए ऑफिस, रुस्तमपुर चौराहा, चिड़ियाघर, विंध्यवासिनी पार्क, एम्स के पास, एमएमयूटी के पास, तरंग क्रॉसिंग, रामनगर तिराहा, महेसरा पुल, लालडिग्गी पार्क, सुभाष चंद्र बोस नगर सूरजकुंड पर वाहन चार्जिंग प्वांइट बनाया जाएगा।

खबरें फटाफट

अपरंपार है नैमिषारण्य की महिमा: सीएम योगी

लखनऊ। नैमिषारण्य की महिमा अपरंपार है। सभी धार्मिक ग्रंथों ने इस पावन तीर्थ की महिमा का गान किया है। तीरथ वर नैमिष विख्याता, अति पुनीत साधक सिद्धि गाथा... संत तुलसीदास ने सबसे विख्यात ग्रंथ रामचरित मानस में भी नैमिषारण्य की महिमा का ज्ञान किया है। भगवान वेदव्यास के सानिध्य में हजारों ऋषियों ने यहां साधना की थी। 88 हजार ऋषियों ने इस क्षेत्र में साधना कर भारत की ज्ञान-विज्ञान की धरोहर को वैदिक ज्ञान के रूप में लिपिबद्ध कर विरासत के रूप में दिया था। देवासुर संग्राम में महर्षि दधीचि ने यहीं अस्थि दान किया था। सती के जिह्वा का भाग ललिता देवी के रूप में इसी स्थल पर गिरा था। शक्तिपीठ मां ललिता देवी का पावन धाम व चक्रतीर्थ यहीं पर है। इस कड़ी को जोड़ते हुए संत सनमुखानंद पुरी जी महराज ने राजराजेश्वरी मंदिर व आश्रम की स्थापना कर नई ऊंचाइयां प्रदान करने का कार्य किया है। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। सीएम ने श्री श्री जगदंबा राज राजेश्वरी मंदिर की स्थापना- प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव व नूतन देवालय के चितशक्ति द्वार का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां पूजन-अर्चन भी किया। सीएम ने कहा कि देश, समाज व लोक की व्यवस्था को लोककल्याण के पथ पर उन्मुख करने के लिए जिस देवी का अनुष्ठान करते हैं, वह जगदंबा राजराजेश्वरी है। जो सबको नियंत्रित कर सन्मार्ग पर ले चलने की प्रेरणा प्रदान करती है। नैमिष तीर्थ के महात्म्य को ध्यान में रखकर सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। इसे तीर्थ के रूप में विकसित करने की कार्रवाई चल रही है। सीएम योगी ने कहा कि धार्मिक आयोजन सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। शास्त्र कहता है कि धर्म से हीन व्यक्ति व पशु में अंतर नहीं है। धर्म केवल उपासना विधि नहीं है। धर्म अच्छे मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।सनातन धर्म इस सृष्टि व मानवता का धर्म है। जब तक सनातन धर्म है, विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। सनातन धर्म पर खतरा आएगा तो विश्व मानवता पर खतरा आएगा। सनातन धर्म का मूल यज्ञ है। यह ऋषि-मुनियों की साधना है।

परीक्षा केंद्रों के आसपास 100 मीटर की परिधि में रहेगा धारा-144 लागू

बोर्ड परीक्षा की कड़ी तैयारी, पेपर लीक करने की कोशिश करने वाले जाएंगे जेल

- गुरुवार से प्रदेश में शुरू हो रही हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं को शुचिता के साथ संपन्न कराने के लिए योगी सरकार ने किए कड़े प्रबंध
- वॉट्सएप से लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक अराजक तत्वों पर रखी जा रही नजर, की गई कठोरतम कार्रवाई की व्यवस्था

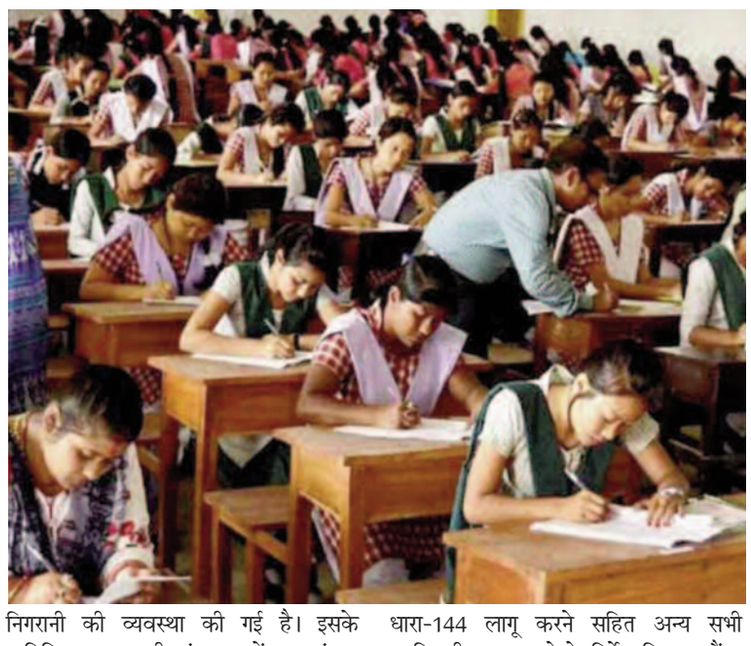

केटी न्यूज/ लखनऊ

गुरुवार से प्रदेश में शुरू हो रही बोर्ड परीक्षाओं को नकल विहीन और शुचिता के साथ संपन्न कराने के लिए योगी सरकार ने कड़े प्रबंध किए हैं। वॉट्सएप से लेकर सोशल मीडिया तक अराजक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। किसी विषय की परीक्षा समाप्त होने से पूर्व यदि उस विषय का कोई प्रश्न-पत्र या उसके किसी भाग को वाट्सएप या सोशल मीडिया या अन्य किसी माध्यम से संचारित करने का प्रयास किया जाता है तो कानून की सुसंगत धाराओं के तहत कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संवेदनशील और अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों और जनपदों को चिह्नित किया गया है तथा इनमें किसी भी अप्रिय घटना की रोकथाम के लिए एसटीएफ तथा स्थानीय अधिसूचना इकाई के माध्यम से विशेष निगरानी की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त नकल की संभावनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रश्नपत्रों को खोलने की कार्यवाही सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में की जाएगी तथा संकलन केंद्रों एवं स्ट्रांग रूम पर 24 घंटे निगरानी के लिए सशस्त्र बल एवं लाइव सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की गई है। स्ट्रांग रूम का प्रातः कालीन सचल दल द्वारा निरीक्षण किया जाएगा। परीक्षा केंद्रों के आसपास 100 मीटर की परिधि में और आवश्यकता पड़ने पर उसके बाहर भी जिला प्रशासन को दंड प्रकिया संहिता के अंतर्गत धारा-144 लागू करने सहित अन्य सभी एहतियाती उपाय करने के निर्देश दिए गए हैं।

12 कार्य दिवसों में संपन्न होंगी बोर्ड परीक्षाएं: अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा दीपक कुमार ने बुधवार को लोकभवन के सभागार में बोर्ड परीक्षाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में बोर्ड परीक्षाएं कुल 12 कार्य दिवसों में संपन्न होगी। वर्ष 2017 से पहले इन परीक्षाओं को संपन्न कराने में एक माह से भी अधिक समय लगता था। बोर्ड परीक्षा में हाईस्कूल के 1571184 छात्र तथा 1376127 छात्राएं (कुल-29,47,311) एवं इण्टरमीडिएट के 1428323 छात्र तथा 1149676 छात्राएं (कुल-25,77,997) सम्मिलित होंगे। कुल 55,25,308 परीक्षार्थियों में से 5360745 संस्थागत एवं 164563 व्यक्तिगत परीक्षार्थी है। उन्होंने बताया कि नकल पर प्रभावी रोकथाम के कारण वर्ष 2024 में 164563 छात्र/छात्राएं व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में पंजीकृत हुए है, जबकि 2017 में यह संख्या 3,53,106 थी। इसके अंतर्गत अन्य प्रदेशों से 2017 में पंजीकरण कराने वाले 1,50,209 परीक्षार्थियों के स्थान पर वर्ष 2024 में अन्य प्रदेशों व अन्य बोर्डों के परीक्षार्थियों की संख्या भी मात्र 4905 रह गई है।

सॉफ्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइन किया गया परीक्षा केंद्रों का निर्धारण: उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार द्वारा परीक्षा केंद्रों का निर्धारण, उनकी धारण क्षमताओं का पूर्ण उपयोग करते हुए सॉफ्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइन कराया गया। 2017 से पहले 12 हजार से भी अधिक केंद्र बनते थे, लेकिन ऑनलाइन केंद्र निर्धारण व्यवस्था से कम परीक्षा केंद्र (वर्ष 2024 की परीक्षा में 8265) बने, जिससे उनका पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण सुगम हुआ। उन्होंने बताया कि बोर्ड परीक्षा को शुचितापूर्ण एवं नकलविहीन कराने के लिए विगत वर्षों में अपनाई गई प्रक्रिया को और सुदृढ़ किया गया है। राज्य स्तर पर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय लखनऊ के साथ-साथ विद्या समीक्षा केंद्र लखनऊ और परिषद मुख्यालय, प्रयागराज और 05 क्षेत्रीय कार्यालयों में भी कमांड एवं कंट्रोल सेंटर स्थापित किए गए हैं।

दारू पीने वाले हो जाएं सावधान : शराब पीकर गाड़ी पर बैठे तो नहीं होगी चालू

केटी न्यूज/प्रयागराज

जनपद के मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रद्योगिकी संस्थान के एसएई क्लब के छात्रों ने एक बाइक का स्वनिर्माण किया है। इस इलेक्ट्रिक बाइक में कुछ नए सेंसरों का इस्तेमाल किया गया है। जैसे की स्मोक सेंसर, एंटी थेफ्ट अलार्म एवं अल्कोहल सेंसर का प्रयोग हुआ है। इस बाइक की खासियत है की अगर आप शराब पी कर या सिगरेट पीते हुए इस पर बैठेंगे तो ये गाड़ी स्टार्ट ही नहीं होगी। इस बाइक की कई और भी खुबियां हैं जैसे दुर्घटना की स्थिति में आपातकालीन सेवाओं को लोकेशन देना, पहाड़ों पे चढ़ाई को आसान बनाने के लिए हिल एसिस्ट फीचर और तो और रिजेनरेटिव ब्रेकिंग जैसी आधुनिक तकनीक से लैस इस बाइक में भविष्य की एक झलक देखने को मिलती है। इस इलेक्ट्रिक बाइक की अधिकतम गति 70 किमी प्रति घंटा एवं मात्र चार घंटे चार्ज करने पर औसत चाल क्षमता 60 किमी है।छात्रों के द्वारा बताया गया है की इसकी पूर्ण लागत 1 लाख 30 हजार। इस बाइक को भोपाल में आईएसआईइ द्वारा आयोजित हुए प्रतियोगता में प्रस्तुत किया गया जो 24 से 28 जनवरी में संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में छात्रों की मेहनत से एमननआईटी ने दो पुरस्कार जीते जो की बेस्ट डिजाइन एवं फ्यूचर अवार्ड है। इस प्रतियोगिता में 70 टीम ने प्रतिभागिता की और एमननआईटी ने टॉप 10 में स्थान प्राप्त किया। एमननआईटी से पुलकित सिंघल, हर्ष महर्षि, आदर्श कुमार, सुमित मिश्रा, यशव भारती , संदीप यादव , सूर्यांश पाठक , प्रशांत गुप्ता एवं शिवम श्रीवास्तव ने इस प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया। मोतीलाल नेहरु राष्ट्रीय प्रोद्यौगिकी संस्थान के प्रोफेसर डॉ. जितेंद्र एन. गंगवार के मार्गदर्शन से ही यह कार्य पूर्ण हुआ। एमननआईटी पूर्व छात्र संघ द्वारा आर्थिक तौर पे इस बाइक में सहयोग दिया गया है।

भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत, तीन गंभीर

मिजार्पुर। मिजार्पुर जिले के विंध्याचल थाना क्षेत्र के गैपुरा के समीप बुधवार को हुए भीषण मार्ग दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब बोलोरो गाड़ी खड़ी कंटेनर से जा भिड़ी। तीन की मौत के बाद तीन अन्य लोग जीवन- मौत से जूझ रहे हैं। बता दें कि विंध्याचल कोतवाली क्षेत्र के गैपुरा चौकी अंतर्गत सेमरी गाँव के सामने मिजार्पुर- प्रयागराज मार्ग पर साढ़े छह बजे टेलर और बोलेरो की आमने-सामने हुई टक्कर में बोलेरो के परखच्चे उड़े। प्रत्क्षदर्शियों ने बताया कि बोलेरो सवार तीन की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

53वीं अंतर्राज्यीय फुटबाल प्रतियोगिता, पूर्व सहकारिता राज्यमंत्री ने किया पुरस्कृत

मिर्चा टीम ने धानापुर को 5-2 से हरा कप पर जमाया कब्जा

केटी न्यूज/गाजीपुर

सुहवल इंटर कालेज के खेल मैदान पर आजाद स्पोर्टिंग क्लब के तत्वावधान में 53वीं अंतरराज्यीय फुटबाल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला बीते मंगलवार को खेला गया। यह देर शाम तक चलता रहा। शुरूआत में रोमांचक खेल के बाद मिर्चा की टीम का पलड़ा भारी हो गया। इसके बाद मिर्चा ने धानापुर को 5-2 से शिकस्त देकर कप अपने नाम कर लिया। मुख्य अतिथि पूर्व सहकारिता राज्यमंत्री एवं सदर विधानसभा से भाजपा विधायक रह चुकी संगीता बलवंत ने विजेता व उपविजेता टीमों को कप देकर पुरस्कृत किया। मुकाबले में मैन आफ द मैच का पुरस्कार विजेता मिर्चा टीम के कामरान को दिया गया। जबकि मैन आफ द सीरिज का पुरस्कार उपविजेता धानापुर के अयान को मिला।

बता दें कि मुकाबले के शुरूआत से ही दोनों टीमों के बीच काफी रोमांचकारी मुकाबला

देखने को मिला, मध्यान्तर से पहले मिर्चा के खिलाड़ी ने गोल कर टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। इसके उपरांत धानापुर के खिलाड़ी ने टीम की ओर से गोल कर टीम को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। इसी बीच मध्यान्तर से पहले मिर्चा के खिलाड़ी ने एक और गोल कर टीम को 2-1 की बढत दिला दी, जो मध्यान्तर होने तक बरकरार रहा। इसके उपरांत शुरू हुए मुकाबले के कुछ ही देर के बाद धानापुर के खिलाड़ी ने गोल कर टीम को 2-2 की बराबरी पर ला खड़ा किया। तबतक दोनों टीमें मुकाबले में बनी हुई थीं और मैच काफी रोमांचक हो गया था। इसके कुछ समय बाद ही मिर्चा के खिलाड़ी ने एक और गोल कर स्कोर 3-2 की बढ़त हासिल की। फिर मैच समाप्त होने से कुछ देर पहले मिर्चा के खिलाड़ी ने लगातार दो गोल कर टीम को 5-2 की मजबूत व निर्णायक बढ़त दिला दी, जो मैंच समाप्त होने तक स्कोर बरकरार रखा। इसके साथ ही मिर्चा ने फाइनल मैच जीत लिया। इस दौरान मुख्य अतिथि पूर्व सहकारिता राज्यमंत्री संगीता बलवंत ने कहा कि हार- जीत खेल का हिस्सा है। कहा कि दोनों टीमों ने अच्छा खेला जो बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर प्रफुल्ल चंद्र राय, आशुतोष राय, शिब्बू,आदित्य नारायण राय, किरन सिंह, रामनरेश कुश्वाहा, ओपी राय, अभिनव सिंह, दुर्गा राय, मेठ बिन्द आदि मौजूद रहे। मुकाबले में निर्णायक बृजेश मिश्रा जबकि उद्घोषक की भूमिका सुरेन्द्र नाथ राय ने निभाई।

सुभाषितम्

यह व्यक्ति की स्वयं की सोच ही होती है जो उसे बुराइयों की ओर ले जाती है ना कि उसके दुश्मन की - गौतम बुद्ध

गोलों की आवाज से दहला हरियाणा बार्डर

किसानों का दिल्ली कूच, बैरिकेट्स तोड़ने पोकलेन, जेसीबी एवं बख्तरबंद गाड़ियां एमएसपी पर केंद्र सरकार का प्रस्ताव, किसान संगठनों ने खारिज कर दिया है। किसान संगठनों और सरकार के बीच की चौथी वार्ता विफल हो जाने के बाद किसान संगठन दिल्ली जाने की मांग पर अड़े हुए हैं। किसान संगठनों का कहना है, कि सरकार एमएसपी कानून को लेकर किसानों को गुमराह कर रही है। किसानों ने हरियाणा सरकार द्वारा बनाए गए सभी गतिरोध को तोड़ने के लिए अपनी ओर से व्यापक इंतजाम कर लिए हैं। किसान संगठनों की ओर से बैरिकेट्स को तोड़ने के लिए पोकलेन, जेसीबी मशीन, अश्रु गैस के गोलों से बचने के लिए बड़े इंतजाम किए हैं। किसान बड़ी संख्या में बॉर्डर पर एकत्रित हो गए हैं। सरकार के सुरक्षा इंतजामों और सुरक्षा व्यवस्था को तोड़कर, दिल्ली जाने की तैयारी किसानों ने सीमा पर कर ली है। किसानों ने जिस तरह की तैयारी की है, उस तैयारी को देखते हुए यह कहा जा सकता है, हरियाणा की सीमा पर सुरक्षा बलों और किसानों के बीच टकराव होना तय है। किसान जैसे ही आगे बढ़ते हैं। अश्रु गैस के गोले सुरक्षा बल बड़ी संख्या में दाग रहे हैं। जहां किसान खड़े होते हैं, वहां अश्रु गैस के गोले ड्रोन से गिराये जा रहे हैं। सरकार ने किसानों के इस आंदोलन की गंभीरता से नहीं समझा। जिसके परिणाम स्वरूप सुरक्षा कर्मियों और किसानों के बीच टकराव रहा है। किसानों ने बार-बार कहा है, कि वह शांतिपूर्ण आंदोलन करना चाहते हैं। किसान दिल्ली जाना चाहते हैं। सरकार ने दिल्ली जाने के रास्ते में अवरोध खड़े किए हैं। हरियाणा सरकार अवरोध हटाकर उन्हें शांतिपूर्वक दिल्ली जाने का मार्ग दे। किसान इस बात से नाराज हो गए हैं, कि हरियाणा बॉर्डर में सुरक्षा बलों द्वारा जो अश्रु गैस के और केमिकल गोले छोड़े जा रहे हैं, वह काफी घातक हैं। रबड़ की बुलेट से किसानों को घायल किया जा रहा है। सीमा पर लड़ाई के दौरान जिन हथियारों का उपयोग सीमा सुरक्षा बल के जवान करते हैं। उन हथियारों का प्रयोग सरकार ने किसानो के ऊपर है। चौथे दौर की वार्ता विफल होने के बाद किसान संगठन राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट हो गए हैं। किसान और सुरक्षा बल के जवान, अब आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए मैदान में हैं। किसान संगठनों द्वारा शांतिपूर्ण आंदोलन के लिए जिस तरह की रणनीति बनाई गई है। वह सुरक्षा बलों के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। किसान संगठनों ने 11 बजे बैरियर तोड़कर दिल्ली जाने का आह्वान किया था। सभी सीमाओं पर बड़ी संख्या में किसान एकजुट हैं। किसानों ने पिछले दो दिनों में सिंधु बॉर्डर पर पोकलेन, डोजर, जेसीबी मशीने एकत्रित की हैं। ड्रोन से जो अश्रु गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं। उनसे निपटने के लिए किसानों ने व्यापक इंतजाम किए हैं। किसान संगठनों ने दिल्ली कूच करने के लिए बुजुर्गों और महिलाओं का जत्था भी सबसे आगे रखने की तैयारी की है। सरकार यदि सीमा पर कोई कार्यवाही करे, आंदोलन को बदनाम करने के लिए कोई भी कोशिश सरकार करना चाहे, तो सरकार नहीं कर पाए। किसान संगठन कह रहे हैं, कि हमारी निर्वाचित सरकार है। आंदोलन को रोकने के लिए क्या यह बुजुर्गों और महिलाओं पर गोली चलाएगी किसान संगठन हर हाल में एमएसपी कानून, किसानो की कर्ज माफी, और पिछले आंदोलन में जो किसान मारे गए थे। उनके परिवार से एक आदमी को सरकारी नौकरी और मुआवजा की मांग पर अड़े हुए हैं। सरकार ने जब मौके की इस हालत को देखा, तब पांचवें दौर के बातचीत की पेशकश कर दी। इस पेशकश का, किसानों के ऊपर कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा। किसान संगठनों का कहना है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में एमएसपी कानून बनाने का वायदा किया था। मोदी जी ने किसानों की आय दो गुना करने की बात कही थी। सरकार ने पिछले आंदोलन में किसानों से जो लिखित वायदे किए थे। वह वायदे भी सरकार ने पूरे नहीं किए। सरकार ने पिछले चार दौर की जो वार्ता किसानों के प्रतिनिधियों से की है। उसमें भी किसानों को धोखा देने के लिए, टाइम पास करने के लिए, सरकार बैठक का नाटक कर रही है।

चिंतन-मनन

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थ्य भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है। उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है। ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है। प्रकृति के संदेश-संकेतों को जब सृष्टि के सभी जीवधारी मोटी बुद्धि होने पर भी समझ लेते हैं तो कोई कारण नहीं कि मनुष्य जैसा बुद्धिजीवी उन्हें न अपना सके। प्रकृति के स्वास्थ्य रक्षा के नियमों के लिए गुरुगम्य ज्ञान की आवश्यकता नहीं। वे सहज समझे और निबाहे जा सकते हैं। उचित-अनुचित का निर्णय करने वाले यंत्र इसी शरीर में लगे हैं, जो तत्काल बात देते हैं कि क्या करना चाहिए, क्या नहीं।

राष्ट्र रूपी मंदिर के निर्माण के दावे और सुप्रीम हंटर

- निर्मल रानी

भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकतंत्र की हत्या के लाख प्रयासों के बावजूद आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर चुनाव में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार को विजयी घोषित कर ही दिया है। सत्ता को दर्पण दिखने वाले इस फैसले से एक दिन पूर्व यानी गत सोमवार (19 फरवरी) को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश में कल्किधाम मंदिर के एक शिलान्यास कार्यक्रम में जो प्रवचन दे रहे थे उसे सुनकर कोई भी यही कहेगा कि भारतवर्ष तीव्र गति के साथ न केवल आगे बढ़ रहा है बल्कि विश्व महाशक्ति भी बनने जा रहा है। उनके लोकलुभावन व आत्म प्रशंसा से ओत प्रोत प्रवचन के मुख्य अंश कुछ इसतरह थे - ईश्वर ने मुझे राष्ट्र रूपी मंदिर के निर्माण का जो जिम्मा सौंपा है उसको भव्यता दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक यात्रा संकल्पों के साथ आगे बढ़ रही है। आपने फरमाया कि भारत अब पराभव से विजय की ओर प्रस्थान करने वाला राष्ट्र बन गया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत पहली बार उस मुकाम पर है कि अब वह अनुसरण नहीं दुनिया भर में उदाहरण पेश कर रहा है। अब देश का हर व्यक्ति गौरव गौरवान्वित महसूस करता है। अब हमारी शक्ति अनंत और संभावनाएं अपार हैं। अब कालचक्र बदल गया है और नए युग की शुरूआत हो चुकी है। हम दुनिया में पांचवीं अर्थव्यवस्था हैं।आदि आदि जिस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उपरोक्त प्रवचन देकर राष्ट्र रूपी मंदिर के निर्माण की सुनहरी तस्वीर पेश करने की कोशिश कर रहे थे ठीक उसी समय देश का सर्वोच्च न्यायलय एक बार फिर पिछले दिनों चंडीगढ़ में हुये मेयर चुनाव पर इसी आत्म मुग्ध सरकार और इसके चाणक्यों को आइना दिखा रहा था। गौरतलब है कि भाजपा की चुनाव टालने की तमाम कोशिशों के बावजूद गत 30 जनवरी को चंडीगढ़ में मेयर का चुनाव संपन्न हुआ था। चंडीगढ़ नगर निगम में पार्षदों की कुल 35 सीटें हैं। एक वोट स्थानीय लोकसभा सदस्य का भी गिना जाता है। इस तरह बीजेपी के 14 पार्षद, एक भाजपा सांसद(किरण खेर) और शिरोमणि अकाली दल के एक पार्षद को मिलाकर कुल 16 वोट ही होते हैं। जबकि दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी के पास 13 और कांग्रेस के पास 7 पार्षद हैं।अर्थात इंडिया गठबंधन के पास कुल 20 मतों के संख्या बल के आधार पर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस इसे

प्रधानमंत्री कल्किधाम मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम में जो प्रवचन दे रहे थे उसे सुनकर कोई भी यही कहेगा कि भारतवर्ष तीव्र गति के साथ न केवल आगे बढ़ रहा है बल्कि विश्व महाशक्ति भी बनने जा रहा है।

लोकसभा चुनाव से पूर्व इंडिया गठबंधन के बीजेपी से पहले मुकाबले की तरह देख रही थी तथा इंडिया गठबंधन की जीत के प्रति पूरी तरह आश्वस्त थी। परन्तु इन संभावनाओं के विपरीत आये चुनाव परिणामों से पूरा देश हैरान रह गया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान के आये वीडियो में देखा गया कि पीठासीन अधिकारी द्वारा मत पत्रों को अमान्य करार देने की गरज से जानबूझकर उन पर हस्ताक्षर किये गये या कुछ लिखा गया। और बाद में पीठासीन अधिकारी ने निशान लगाये गये उन्हीं आठ मतों को आमान्य करार दे दिया। और 14 पार्षद वाली भाजपा के मेयर को विजयी घोषित कर दिया। जिन आठ वोटों को अमान्य करार दिया गया उसका कारण भी नहीं बताया गया। बीजेपी चंडीगढ़ मेयर चुनाव को इतना अहम समझ रही थी कि पार्टी के एक महासचिव चुनाव से कई दिनों पूर्व से ही इन चुनावों की रणनीति के लिए चंडीगढ़ में ठहरे हुए थे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस धांधलीपूर्ण जीत के बाद कहा था कि बीजेपी की चंडीगढ़ यूनिट को मेयर चुनाव जीतने के लिए बधाई। पीएम मोदी के नेतृत्व में चंडीगढ़ में रिकॉर्ड विकास हुआ है। बहरहाल नए युग की शुरूआत, कालचक्र बदलने व राष्ट्र रूपी मंदिर के निर्माण जैसे देशवासियों को आये दिन दिए जा रहे लॉली पॉप के बीच कांग्रेस व आप नेताओं द्वारा प्रिसाइडिंग ऑफि सर पर देशद्रोह करने के आरोप लगाये गये व उसे गिरफ़्तार करने व मुकदमा चलाने की मांग की गयी। चंडीगढ़ मेयर चुनाव में बीजेपी की जीत के बाद आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उसके बाद इस प्रकरण में आई माननीय चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी वाई चंद्रचूड की टिप्पणी नए युग की शुरूआत करने व कालचक्र बदलने का दावा करने वालों के लिये सबक लेने वाली हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, यह लोकतंत्र का मजाक है. जो हुआ, हम उससे हैरान हैं. हम लोकतंत्र की इस तरह से हत्या नहीं होने दे सकते. सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव करवाने वाले पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह को भी उनकी संदिग्ध कारगुजारियों के लिये कड़ी फटकार लगाई। वीडियो देखने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने पीठासीन अधिकारी के बारे में कहा, ये साफ है कि मतपत्रों के साथ छेड़छाड़ हुई है. क्या इस तरह से चुनाव करवाए जाते हैं इस आदमी (पीठासीन अधिकारी) पर मुकदमा चलना चाहिए। ये कैमरे की ओर क्यों देख रहे हैं और फिर किसी भगोड़े की तरह भाग क्यों रहे हैं , पीठासीन अधिकारी मतपत्र में बदलाव करते दिखे हैं। क्या ये एक रिटर्निंग ऑफिसर का बर्ताव होना चाहिए वो कैमरे की ओर देखते हैं और मतपत्रों के साथ छेड़छाड़ करते हैं। जिस मतपत्र के नीचे क्रॉस का निशान बना हुआ है, उसे ये ट्रे में रख देते हैं। जिस मतपत्र के ऊपर क्रॉस बना हुआ है, उसे ये बिगाड़ देते हैं और फिर कैमरे की ओर देखते हैं। इनसे बताइए कि सुप्रीम कोर्ट इन्हें देख रहा है। हम लोकतंत्र की ऐसे हत्या नहीं होने देंगे।अदालत ने इस घटनाक्रम को लोकतंत्र की हत्याऔर मजाक बताया था। देश में स्थिरता लाने की सबसे अहम शक्ति चुनाव प्रक्रिया की शुचिता है.उसी समय सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव में धांधली मामले में चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम को भी नोटिस जारी किया था ।

इसी बीच गत 19 फरवरी को जिस समय प्रधानमंत्री नए युग की शुरूआत व कालचक्र बदलने व राष्ट्र रूपी मंदिर के निर्माण जैसे दावे जनता के समक्ष कर रहे थे उसी समय माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक बार फिर चंडीगढ़ मेयर चुनाव को लेकर अहम आदेश दिया गया । अदालत ने चुनाव के पीठासीन अधिकारी रहे अनिल मसीह से कई सख़्त सवाल पूछे।इधर भाजपा ने हॉर्स ट्रेडिंग अंजाम देते हुए इस विवादित मेयर चुनाव के बाद आप के कुछ पार्षदों को अपने पाले में ले कर पुनः मेयर चुनाव की मांग की गयी जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज करते हुए पिछले मतपत्रों की ही गिनती दुबारा किये जाने के निर्देश दिये। इस प्रकार चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर चुनाव में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार को विजयी घोषित कर दिया गया। गोया भाजपा की कुटिल कथित चाणक्य नीति और उस पर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों व निर्देशों से यह साफ हो गया कि जिस नए युग की बात की जा रही है,जिसे कालचक्र का परिवर्तन बताया जा रहा है और जिस राष्ट्र रूपी मंदिर के निर्माण की बातें की जा रही है वह दरअसल लोकतंत्र की हत्याऔर मजाक का काला दौर है।

हिट विकेट हो गए कमलनाथ

- रमेश सर्राफ धमोरा

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के कद्दावर नेता कमलनाथ को भाजपा ने हिट विकेट कर दिया है। पिछले एक सप्ताह से कमलनाथ के भाजपा में जाने की खबरें सुर्खियां बन रही थी। मगर भाजपा आलाकमान ने कमलनाथ के लिए पार्टी के दरवाजे नहीं खोले। चर्चा है कि मध्य प्रदेश भाजपा द्वारा कमलनाथ के भाजपा प्रवेश का विरोध किए जाने के कारण पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कमलनाथ के भाजपा प्रवेश के कार्यक्रम को टाल दिया है। अब कमलनाथ के सुर भी बदले-बदले नजर आ रहे हैं। वह बोल रहे हैं कि मैं कभी भी कांग्रेस नहीं छोड़ सकता हूं। मैं जन्मजात कांग्रेसी हूं और रहूंगा। जबकि एक दिन पहले तक कमलनाथ के खासमखास सज्जन सिंह वर्मा ने खुलेआम कांग्रेस पार्टी में कमलनाथ की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए उनके भाजपा में शामिल होने की पुष्टि की थी। मगर अब सज्जन वर्मा भी अपने बयानों से पलटते नजर आ रहे हैं।

भाजपा में कमलनाथ को शामिल करने को लेकर अंदर खाने विरोध के स्वर उठ रहे थे। भाजपा नेता तेजिंदर सिंह बग्गा का कहना है कि कमलनाथ सिख विरोधी दंगों के अगवा रहे हैं। उन पर सिखों की हत्या करने के आरोप है। ऐसे व्यक्ति को भाजपा में शामिल नहीं करना चाहिए। हालांकि कमलनाथ हमेशा ऐसे आरोपों को नकारते रहे हैं। सभी तरह की जांच में उन्हें क्लीनचिट भी मिल चुकी है। मगर सिख समाज के मन में आज भी कमलनाथ को लेकर नकारात्मक भावना बनी हुई है। ऐसे में भाजपा कमलनाथ को पार्टी में शामिल कर सिख मतदाताओं को नाराज नहीं करना चाहती है। हालांकि तेजिंदर सिंह बग्गा का कहना है कि यदि कमलनाथ के सांसद बेटे नकुलनाथ भाजपा में शामिल होते हैं तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। क्योंकि नकुलनाथ ने सिख विरोधी कोई काम नहीं किया है।

कमलनाथ कांग्रेस में सबसे वरिष्ठ नेता माने जाते हैं। संजय गांधी के दून स्कूल के साथी कमलनाथ को 1980 के पहले लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें अपना तीसरा बेटा कहकर चुनाव जीतवाने की अपील की थी। 1980 में मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल छिंदवाड़ा से पहली बार चुनाव जीतने के बाद कमलनाथ ने कभी राजनीति में पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह लगातार सफलता की सीढ़ी चढ़ते गए।

कांग्रेस की केन्द्र सरकार में वह कई बार मंत्री, संगठन में पदाधिकारी, मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष व मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बनाए गए। मगर 2023 में कांग्रेस पार्टी के मध्यप्रदेश विधानसभा का चुनाव हारने के बाद पार्टी में उन्हें हाशिये पर धकेल दिया गया। उन्हें बिना पूछे ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से हटा दिया गया। इतना ही नहीं उनके विरोधी रहे जीतू पटवारी को उनके स्थान पर मध्य प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष व उमंग सिंघार को विधायक दल का नेता बना दिया गया। इससे कमलनाथ को बड़ा झटका लगा था और तभी से वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में अपने प्रवेश की जुगत लगाने लगे थे।

हालांकि अब कमलनाथ ने साफ कर दिया है कि वह कांग्रेस छोड़कर कहीं नहीं जा रहे हैं। राहुल गांधी की न्याय यात्रा में भी वह शामिल होंगे। अगले लोकसभा चुनाव में पार्टी के सभी 29 सीटों पर प्रत्याशियों को जितवाने के लिए पूरी मेहनत करेंगे। मगर राजनीति के जानकारों का कहना है कि यह कमलनाथ की खिसियाहट मिटाने का एक तरीका है। कमलनाथ को पता है कि भाजपा में शामिल नहीं होने के कारण पार्टी नेतृत्व के समक्ष उनकी छवि संदिग्ध की बन चुकी है। कांग्रेस आलाकमान को पता है कि जब भी मौका मिलेगा कमलनाथ कांग्रेस को अलविदा कह देंगे। इसलिए कांग्रेस आलाकमान उनको लेकर हमेशा सतर्क रहेगा और आगे उन्हें ऐसी कोई बड़ी जिम्मेदारी भी नहीं दी जाएगी जिस से उनके पार्टी छोड़ने पर पार्टी की छवि खराब हो।

कमलनाथ जैसे वरिष्ठ नेता द्वारा पिछले एक सप्ताह से जिस तरह का राजनीतिक ड्रामा किया गया था उसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। कमलनाथ की छवि एक गंभीर और सुलझे हुए नेता की मानी जाती रही है। ऐसे में भाजपा में शामिल होने को लेकर अफवाहों का जो दौर देखने को मिला उससे उनकी छवि तो खराब हुई है। आने वाले समय में वह राजनीतिक रूप से भी कमजोर हो जाएंगे ऐसी संभावना जताई जाने लगी है। अब कांग्रेस आलाकमान भी उनके समर्थकों से सीधी बात कर डैमेज कंट्रोल करने में जुट गया है। आने वाले समय में यदि कमलनाथ अपने सांसद पुत्र नकुलनाथ को भाजपा में शामिल भी करवा देते हैं तो कांग्रेस को अधिक नुकसान नहीं हो। इस बात को लेकर कांग्रेस आलाकमान अपनी गोटिया बिठाने में जुट गया है।

आज कमलनाथ की स्थिति न घर की न घाट की वाली बन गई है। भाजपा आलाकमान भी नहीं चाहता है कि महज एक छिंदवाड़ा लोकसभा सीट के लिए कमलनाथ को पार्टी में लाकर प्रदेश में एक नया गुट खड़ा करें। इसीलिए अंतिम समय में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कमलनाथ कि भाजपा एंट्री को रोक कर उन्हें ऐसा झटका दिया है जिससे वह है शायद ही कभी उबर पाए।

राजस्थान में कांग्रेस के बड़े आदिवासी नेता व कांग्रेस की कार्य समिति के सदस्य महेंद्रजीत सिंह मालवीय भाजपा में शामिल हो गए हैं। मालवीय राजस्थान के बांगड़ क्षेत्र में बड़े कद के राजनेता है और कई बार मंत्री, विधायक, सांसद, प्रधान, जिला प्रमुख रह चुके हैं। इससे पूर्व महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण भी भाजपा में शामिल हो गये थे। कई अन्य नेता भी कतार में हैं। कांग्रेस के ऐसे बड़े जनाधार वाले नेता पार्टी छोड़कर क्यों जा रहे हैं। कांग्रेस आलाकमान को इस बात पर भी चिंतन मनन करना चाहिए।

राजनीति के जानकारो का कहना है कि मौजूदा समय में कांग्रेस के बड़े जन आधार वाले नेता हाशिये पर डाल दिए गए हैं। ऐसे कागजी नेताओं को जिन्होने कभी कोई चुनाव नहीं लड़ा उन्हे अग्रीम मोर्चे पर लगा दिया गया है। बिना जनाधार वाले नेता ही जुगाड़ कर राज्यसभा में पहुंच जाते हैं। उसी का नतीजा है कि कांग्रेस के जन आधार वाले नेता दूसरे दलों में अपना राजनीतिक भविष्य तलाशने लगे हैं। कांग्रेस आलाकमान को जनाधार वाले नेताओं को आगे लाना होगा तभी पार्टी अपना खोया जनाधार फिर से हासिल कर पाएगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

पांच प्रमुख अंगों से बना है पंचांग

- प0 दीनदयाल मिश्रा

स्नातन धर्म में पंचांग का हर पूजा और शुभ काम में खास महत्व होता है। पंचांग देखे बिना कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता है। पंचांग के 5 अंगों के बारे में जानकारी इस प्रकार है। हिंदू धर्म में कुछ भी शुभ काम करने से पहले मुहूर्त जरूर देखा जाता है। दरअसल, मान्यता है कि किसी भी शुभ कार्य से पहले पंचांग जरूर देखना चाहिए। पंचांग एक प्राचीन हिंदू कैलेंडर को कहा जा सकता है। पंचांग पांच अंग शब्द से बना है। हम इसे पंचांग इसलिए कहते हैं क्योंकि यह पांच प्रमुख अंगों से बना है। वो पांच प्रमुख अंग हैं- नक्षत्र, तिथि, योग, करण और वार। कौन सा दिन कितना शुभ है और कितना अशुभ, ये इन्हीं पांच अंगो के माध्यम से जाना जाता है। आइए जानते हैं पंचांग के महत्व और इसके पांच अंगों के बारे में जानें।

ये हैं पंचांग के पांच अंग

नक्षत्र- पंचांग का पहला अंग नक्षत्र है। ज्योतिष के मुताबिक 27 प्रकार के नक्षत्र होते हैं लेकिन मुहूर्त निकालते समय एक 28वां नक्षत्र भी गिना जाता है। उसे कहते है, अभिजीत नक्षत्र। शादी, ग्रह प्रवेश, शिक्षा, वाहन खरीदी आदि करते समय नक्षत्र देखे जाते हैं।

तिथि- पंचांग का दूसरा अंग तिथि है। तिथियां 16 प्रकार की होती हैं। इनमें पूर्णिमा और अमावस्या दो प्रमुख तिथियां हैं। ये दोनों तिथियां महीने में एक बार जरूर आती हैं। हिंदी कैलेंडर के अनुसार महीने को दो भाग में बांटा गया है, शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष। अमवस्या और पूर्णिमा के बीच की अवधि को शुक्ल पक्ष कहा जाता है। वहीं पूर्णिमा और अमावस्या के बीच की अवधि को कृष्ण पक्ष कहा जाता है। वैसे ऐसी मान्यता है कि कोई भी बड़ा या महत्तवपूर्ण काम कृष्ण पक्ष के समय नहीं करते। ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि इस समय चंद्रमा की शक्तियां कमजोर पड़ जाती हैं और अंधकार हावी रहता है. तो इसलिए सभी शुभ काम जैसे की शादी का निर्णय शुक्ल पक्ष के समय किया जाता है।

योग- पंचांग का तीसरा अंग योग है। योग किसी भी व्यक्ति के जीवन पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। पंचांग में 27 प्रकार के योग माने गए हैं। इसके कुछ प्रकार है- विष्कुंभ, ध्रुव, सिद्धि, वरीयान, परिधि, व्याघात आदि।

करण- पंचांग का चौथा अंग करण है। तिथि के आधे भाग को करण कहा जाता है। मुख्य रूप से 11 प्रकार के करण होते हैं। इनमें चार स्थिर होते हैं और सात अपनी जगह बदलते हैं। बव, बालव, तैतिल, नाग, वाणिज्य आदि करण के प्रकार हैं।

वार- पंचांग का पांचवा अंग वार है। एक सूर्योदय से दूसरे सर्योदय के बीच की अवधि को वार कहा जाता है। रविवार, सोमवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, और शनिवार, सात प्रकार के वार होते हैं। इनमें सोमवार, बुधवार, बृहस्पतिवार और शुक्रवार को शुभ माना गया हैं।

आज का राशिफल

मेष आज भाग्य साथ दे रहा है और आज आपके लिए सफलता के प्रबल योग बन रहे हैं।

तुला आपको किस्मत का साथ मिलेगा। आपके सभी विवाद आज आसानी से सुलझ जाएंगे।

वृषभ भाग्य साथ दे रहा है। मन धार्मिक किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सकून मिलेगा।

वृश्चिक मामलों में लाभ होगा और आज आपका भाग्य साथ देगा। आज का दिन काफी मजबूत है।

मिथुन आज का दिन काफी रचनात्मक है। किसी क्रिएटिव कार्य को पूरा कर पाएंगे।

धनु बिजनेस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठायें तो बड़ा लाभ होने की आशा है।

कर्क आज का दिन काफी आज का दिन काफी सृजनात्मक है। आप जो भी काम करेंगे वे पूरे हो जाएंगे।

मकर आज उन लोगों के लिए फायदे का दिन है जिनको कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह आज भाग्य साथ देगा और आज का दिन आपको काफी व्यस्त रखने वाला है।

कुंभ आर्थिक लाभ होगा और आज आपको सेहत का भी ध्यान रखने की जरूरत है।

कन्या आज लाभ का दिन है। संयम और सावधानी रखें। आस पास के लोगों से टकराव की नौबत न आएं।

मीन आज का दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने से आपको लाभ हो सकता है।

विशेष

इन वस्तुओं का करें दान

दान की महिमा सब जानते हैं, इसलिए धर्म में दान पर जोर दिया जाता है। यह सही है कि दान सभी को करना चाहिये पर कुछ वस्तुओं का दान हमारे लिए नुकसानदेह हो सकता है इसलिए उससे बचना चाहिये। अन्नदान, वस्त्रदान, विद्यादान, अभयदान और धनदान, ये सारे दान इंसान को पुण्य का भागी बनाते हैं। किसी भी वस्तु का दान करने से मन को सांसारिक आसक्ति यानी मोह से छुटकारा मिलता है। हर तरह के लगाव और भाव को छोड़ने की शुरूआत दान और क्षमा से ही होती है। अगर आप भी अपने भीतर की सच्ची खुशी को महसूस करना चाहते हैं तो जरूरतमंदों को दान करिए. इससे आपको अद्भुत आत्मसुख मिलेगा। दान एक ऐसा कार्य है, जिसके जरिए हम न केवल धर्म का ठीक-ठीक पालन कर पाते हैं, बल्कि अपने जीवन की तमाम समस्याओं से भी निकल सकते हैं। आयु, रक्षा और सेहत के लिए तो दान को अचूक माना जाता है। जीवन की तमाम समस्याओं से निजात पाने के लिए भी दान का विशेष महत्व है। दान करने से ग्रहों की पीड़ा से भी मुक्ति पाना आसान हो जाता है। ज्योतिष के जानकारों की मानें तो अलग-अलग वस्तुओं के दान से अलग-अलग समस्याएं दूर होती हैं। उनका ये भी कहना है कि वेदों में लिखा है कि सैकड़ों हाथों से कमाना चाहिए और हजार हाथों वाला होकर दान करना चाहिए। जानें कि अलग-अलग वस्तुओं के दान से कैसे संवरता है जीवन और कौन-सी चीजों का दान करना आपके लिए सबसे उत्तम होगा - अनाज का दान करने से जीवन में अन्न का अभाव नहीं होता। अनाज का दान बिना पकाए हुए करें तो ज्यादा अच्छा होगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1495 : फ्रांस नरेश चार्ल्स आठवें के नेतृत्व में सेना नेपल्स (इटली) पहुंची। 1724 : स्वीडन और रूस ने आपसी सहायता संबंधी समझौता किया। 1732 : अमरीका के प्रथम राष्ट्रपति वाशिंगटन का जन्म। 1788 : जर्मन दार्शनिक आर्थर शोपेन हावर का जन्म। 1848: लुई फिलिप के शासन की असफलताओं के कारण पेरिस में विद्रोह हुआ। 1942: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फिलीपींस में जनजातियों ने बड़ी संख्या में जापानी सैनिकों का सफाया कर दिया। 1944 : महात्मा गांधी की पत्नी श्रीमती कस्तूरबा गांधी का निधन। 1958 : मौलाना अबुल कलाम आजाद का निधन 1964 घाना में एकदलीय शासन व्यवस्था लागू हुई 1966 : उगांडा के प्रधानमंत्री मिल्टन ओबोटे ने अपने मंत्रिमंडल के पांच सहयोगियों की गिरफ्तारी के आदेश दिए।

दैनिक पंचांग

22 फरवरी 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.37 बजे से
चंद्र	कर्क में	मेष	09.07 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	10.47 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.45 बजे से
गुरु	मेष में	कर्क	14.59 बजे से
शुक्र	मकर में	सिंह	17.15 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	19.27 बजे से
राहु	मीन में	तुला	21.38 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.52 ब.से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		धनु	02.08 बजे से
		मकर	04.13 बजे से
		कुंभ	06.00 बजे से

गुरुवार 2024 वर्ष का 53 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 13.22 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 16.43 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 12.12 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 13.22 बजे तदनन्तर गर 02.26 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 12.1 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 10° 28'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871897
जूलियन दिन 2460362.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना सावान **तारीख** 11
विशेष गुरु हरराय, प्रभु नित्यानंद जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

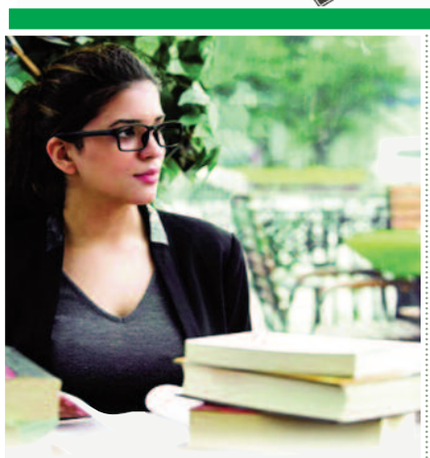

गेट परीक्षा पास करने के बाद इन क्षेत्रों में है बेहतर करियर

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेने से पहले हमें यह प्रश्न पूछना चाहिए कि यह परीक्षा भविष्य में हमें किन-किन रूपों में मदद करेगी। अगर आप अगले वर्ष गेट की परीक्षा में भी भाग लेने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले जान लीजिए कि इस परीक्षा को पास करने के बाद आप किन क्षेत्रों में अपना करियर बना सकते हैं। ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग एक राष्ट्रीय स्तर पर कंडक्ट कराया जाने वाला एग्जाम है जो इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ग्रेजुएट छात्रों के लिए आयोजित की जाती है। गेट की परीक्षा के बाद छात्र एमटेक में एडमिशन लेने के साथ-साथ पीएचडी आदि भी कर सकते हैं। इस लेख के जरिए हम बात करेंगे कि गेट के बाद किन क्षेत्रों में करियर बना सकते हैं।

एमटेक

गेट परीक्षा में क्वालीफाई होने के बाद आप सीधे देश के सात आईआईटी या प्राइवेट संस्थानों में M. Tech के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह सबसे कॉमन प्रवेश द्वार है जिसकी तलाश हर इंजीनियर करता है। एक अच्छे गेट स्कोर (GATE Score) के साथ, आप देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में एम.टेक, स्टाइपेंड और विभिन्न एकेडमिक लाभों के लिए योग्य होंगे।

पीएसयू में नौकरी

आज, कई पीएसयू अच्छे गेट स्कोर वाले उम्मीदवारों को नियुक्त करते हैं। बीएचईएल, आईओसीएल, ओएनजीसी, एनटीपीसी आदि जैसे 200 से अधिक पीएसयू, इंजीनियरिंग उम्मीदवारों की भर्ती के लिए गेट स्कोर को बेहतर क्राइटेरिया मानते हैं। इसलिए, जब आप गेट की परीक्षा को क्रैक करते हैं तो आपको सीधे सरकारी क्षेत्र की नौकरियां मिल सकती हैं।

पीएचडी एडमिशन

इन दिनों एम.टेक योग्यता पीएचडी कार्यक्रमों के लिए चयनित होने के लिए अनिवार्य नहीं है, यदि आपके पास बीटेक डिग्री और अच्छा गेट स्कोर है तो आप सीधे पीएचडी कार्यक्रमों क लिए चुने जा सकते हैं। पीएचडी कार्यक्रमों के लिए एलिजिबल होने के लिए आपके पास एक बेहतर गेट स्कोर होना चाहिए और फिर रुचि वाले क्षेत्र में इंटरव्यू प्रोसेस के बाद पीएचडी में एडमिशन लिया जा सकता है।

मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट स्टडीज के तहत विभिन्न पाठ्यक्रम जैसे कि पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैन्युफैक्चरिंग मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्रदान करता है। इन पाठ्यक्रमों में क्वालीफाई होने के लिए उम्मीदवारों के पास इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी ग्रेजुएशन स्तर पर 60% और उससे अधिक के साथ वैध गेट स्कोर होना चाहिए।

रिसर्च और डेवलपमेंट में नौकरी के अवसर

GATE परीक्षा के माध्यम से नौकरियों के तहत भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC) में कुछ रिसर्च पद उपलब्ध हैं। यह उम्मीदवारों की भर्ती के लिए अपनी प्रतियोगी परीक्षा भी आयोजित करता है। GATE की तरह ही, ISRO जैसे उद्योग भी हैं जो समान पैटर्न पर अपनी परीक्षा आयोजित करते हैं।

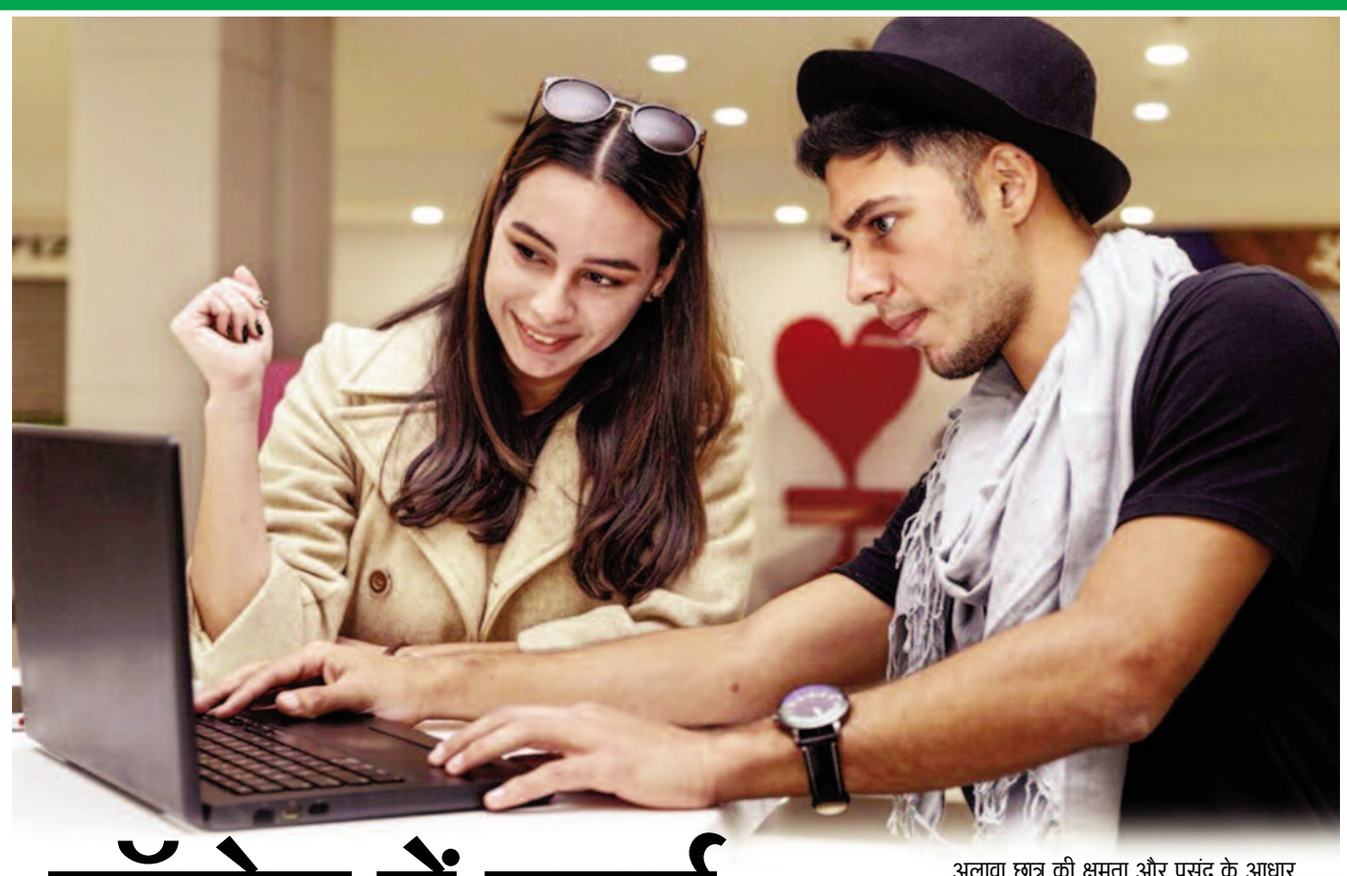

कॉलेज में पढ़ाई के साथ कमाई कर सकते हैं ये छात्र

अब गरीब व पिछड़े वर्गों के छात्र कॉलेज में पढ़ाई करने के साथ-साथ कमाई भी कर सकेंगे। इन छात्रों को पढ़ाई के दौरान ही रोजगार या फिर अपना काम शुरू करने के लिए सशक्त बनाया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की विशेषज्ञ समिति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत सामाजिक-आर्थिक वंचित वर्ग (एसईडीजी) के युवाओं को समान मौके देने के लिए दिशा निर्देश तय किए हैं। इसमें छात्रों को अर्न व्हाइल लर्न यानी पढ़ाई के साथ कमाई योजना के तहत सशक्त बनाया जाएगा।

अर्न व्हाइल लर्न योजना

गरीब व पिछड़े वर्गों के छात्रों के लिए एक नया अवसर साबित हो सकता है। आइए जानते हैं इसके लिए छात्रों को क्या करना होगा।

अर्न व्हाइल लर्न योजना के उद्देश्य

- गरीब व पिछड़े वर्गों के छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ रोजगार या स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना।
- इन छात्रों को आत्मनिर्भर बनने में मदद करना।
- शिक्षा में समानता को बढ़ावा देना।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के सचिव ने बताया कि राज्यों और विश्वविद्यालयों को एसईडीजी के दिशा निर्देश भेजे गए हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों और कॉलेजों में एसईडीजी प्रकोष्ठ खोले जाएंगे। कॉलेज सीईडीजी के तहत अपनी गाइडलाइन भी तैयार कर सकते हैं।

योजना के मुख्य बिंदु

- उच्च शिक्षण संस्थानों और कॉलेजों में एसईडीजी (सामाजिक-आर्थिक वंचित वर्ग) प्रकोष्ठ खोले जाएंगे।
- इन प्रकोष्ठों की जिम्मेदारी इन वर्गों के छात्रों की दिक्कतों, अधिकारों और आगे बढ़ने में इनकी मदद करना होगा।
- छात्रों को दाखिला प्रक्रिया में मदद मिलेगी।
- उनकी भाषा और अन्य विषयों से संबंधित दिक्कतों को ब्रिज कोर्स के माध्यम से दूर किया जाएगा।
- छात्र की क्षमता और पसंद के आधार पर रोजगार या अपना काम धंधा शुरू करने के लिए कोर्स भी करवाए जाएंगे।
- लक्षद्वीप, अंडमान-निकोबार, सीमा क्षेत्र, नॉर्थ-ईस्ट, ग्रामीण व दूरदराज के गांव व कस्बे, आदिवासी क्षेत्र, आंकाक्षी जिले, भूकंप व बाढ़ ग्रस्त इलाके को मुख्य रूप से फोकस किया जाएगा।
- यह प्रकोष्ठ इन वर्गों के छात्रों की दिक्कतों, अधिकारों और आगे बढ़ने में इनकी मदद करेगा। सभी शिक्षकों को प्रकोष्ठ और उसके काम के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि छात्रों को दाखिला प्रक्रिया में मदद मिल सके। दाखिले के बाद उनकी भाषा विशेषकर अंग्रेजी और अन्य विषय से से संबंधित दिक्कतों को ब्रिज कोर्स के माध्यम से दूर किया जाएगा। यह ब्रिज कोर्स स्थानीय भारतीय भाषा में करवाए जाएंगे, ताकि छात्र अच्छे से समझ सके। इसके अलावा छात्र की क्षमता और पसंद के आधार पर रोजगार या अपना काम धंधा शुरू करने के लिए कोर्स भी करवाए जाएंगे। इनमें ऑनलाइन कोर्स भी शामिल होंगे।

इन वर्गों के विद्यार्थियों को आगे लाने की तैयारी

इस योजना के तहत महिला, ट्रांसजेंडर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ईडब्ल्यूएस, नॉन क्रीमी लेयर ओबीसी, अल्पसंख्यक, क्षेत्रीय भाषा माध्यम स्कूल, पहली पीढ़ी के शिक्षित वर्गों को सशक्त बनाने की तैयारी की जा रही है। इसके अलावा दिव्यांगजनों की श्रेणी में 40 फीसदी से अधिक वाले दिव्यांगजन और शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक दिव्यांगजन के अलावा बीपीएल, प्रवासी समुदाय, खानाबदोश जनजाति, बाल भिखारी, असुरिक्षत स्थितियों में रहने वाले छात्रों समेत मानव तस्करी में शामिल परिजनों के बच्चों, कोरोना में माता-पिता खोने वाले छात्रों को आगे लाने पर काम होगा।

योजना के क्रियान्वयन के लिए चुनौतियां

- योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का विकास करना।
- योग्य शिक्षकों और प्रशिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- छात्रों को रोजगार या स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना।
- यह योजना गरीब व पिछड़े वर्गों के छात्रों के लिए एक अहम अवसर है। अगर योजना का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जाता है, तो यह शिक्षा में समानता को बढ़ावा देने और इन छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने में खास भूमिका निभाएगा।

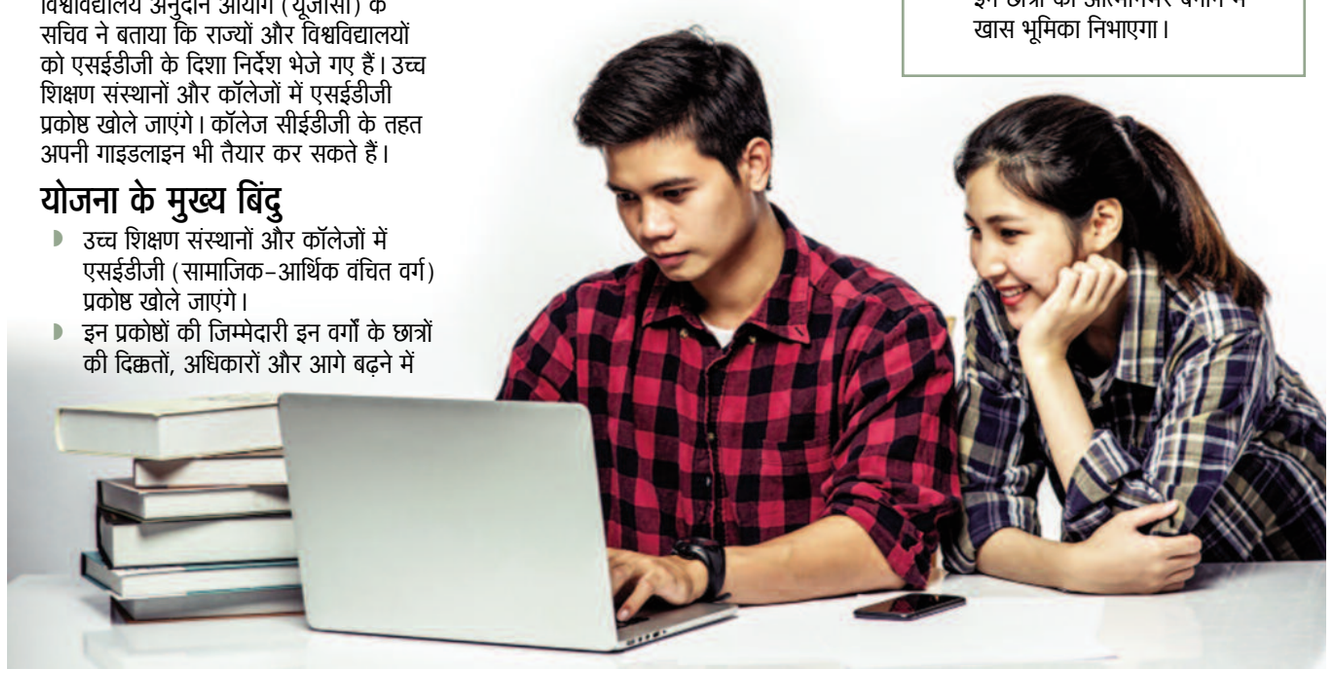

क्या आप विदेश की यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करना चाहते हैं? अगर हां तो फ्रांस का ये स्कॉलरशिप ऑफर आपके लिए है। इस आर्टिकल की मदद से आपको अप्लाई करने में आसानी होगी।

फ्रांस में पढ़ाई करने के लिए मिल रही है स्कॉलरशिप, करना चाहते हैं आवेदन तो यहां देखें पूरी प्रोसेस

विदेश में पढ़ाई करने का सपना हर लगभग हर स्टूडेंट्स का होता है। कई बार अधिक खर्च के कारण छात्र अपने सपने को पूरा नहीं कर पाते हैं। लेकिन, सरकार द्वारा इसके लिए कई तरह की स्कॉलरशिप ऑफर की जाती है। दरअसल, फ्रांसीसी यूनिवर्सिटीज और कॉलेजों में इंडियन स्टूडेंट्स को पढ़ने के लिए करीब 500 स्कॉलरशिप देती है। इन्हीं में से एक है- फ्रांस एग्जीलेंस चारपाक स्कॉलरशिप। यह खास कर ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन और पीएचडी स्कॉलर्स के लिए है। तो चलिए चारपाक स्कॉलरशिप के लिए आवेदन से लेकर सेलेक्शन प्रोसेस तक कि सारी डिटेल्स के बारे में जानते हैं।

क्या है चारपाक बैचलर स्कॉलरशिप?

- चारपाक बैचलर स्कॉलरशिप स्टूडेंट के लिए दिया जाने वाला खास अवसर है, जिसे फ्रांस की किसी यूनिवर्सिटी में फुल टाइम बैचलर प्रोग्राम में एडमिशन लिए छात्र ही अप्लाई कर सकते हैं। इसके तहत उन छात्रों को फ्री स्टूडेंट वीजा और ट्यूशन फीस मिलेगा। साथ ही, सोशल सिक्योरिटी की सुविधा और रहने का सस्ता घर ढूंढने में हेल्प मिलेगी।

योग्यता क्या होगी?

- भारतीय नागरिक या ओसीआई कार्ड होल्डर होना चाहिए।
- आवेदन के समय 23 साल से ज्यादा उम्र नहीं होनी चाहिए।
- फ्रांस के किसी भी यूनिवर्सिटी में बैचलर डिग्री प्रोग्राम में एडमिशन होना चाहिए।
- भारत के स्कूल से 12वीं पास जरूर होना चाहिए।

आवेदन प्रक्रिया

- चरपाक स्कॉलरशिप के लिए आवेदन करने के लिए ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर करना होगा। अप्लाई करने के लिए आपके पास पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ, पासपोर्ट की फोटो कॉपी, दो पेज की बायोडाटा, फ्रांसीसी हायर इंस्टीट्यूट में एडमिशन, 10वीं और 12वीं पास की मार्कशीट और सर्टिफिकेट की स्कैन कॉपी आदि जरूर होने चाहिए। इसके अलावा, हो सके तो फ्रेंच लैंग्वेज सर्टिफिकेट भी अटैच कर सकती हैं।

कब तक कर सकेंगे आवेदन?

फ्रांस के इस स्कॉलरशिप के लिए आवेदन 1 फरवरी 2024 से शुरू हो चुकी है। इसकी लास्ट डेट 1 अप्रैल 2024 तक है। उम्मीदवारों को मई 2024 तक चयनित छात्रों के रिजल्ट की घोषणा कर दी जाएगी।

सेलेक्शन प्रोसेस

कैंडिडेट का सिलेक्शन एकेडमिक एग्जीलेंस और स्टेटमेंट ऑफ पर्पज की क्वालिटी के आधार पर होगा। इसके लिए उनका सीजीपीए या कट ऑफ परसेंटेज आदि नहीं देखा जाएगा। साथ ही, फ्रेंच भाषा जानने वालों को इसका फायदा मिल सकता है। हालांकि, यह अनिवार्य नहीं है। सिलेक्टेड उम्मीदवारों को इसकी जानकारी ईमेल के माध्यम से दी जाएगी।

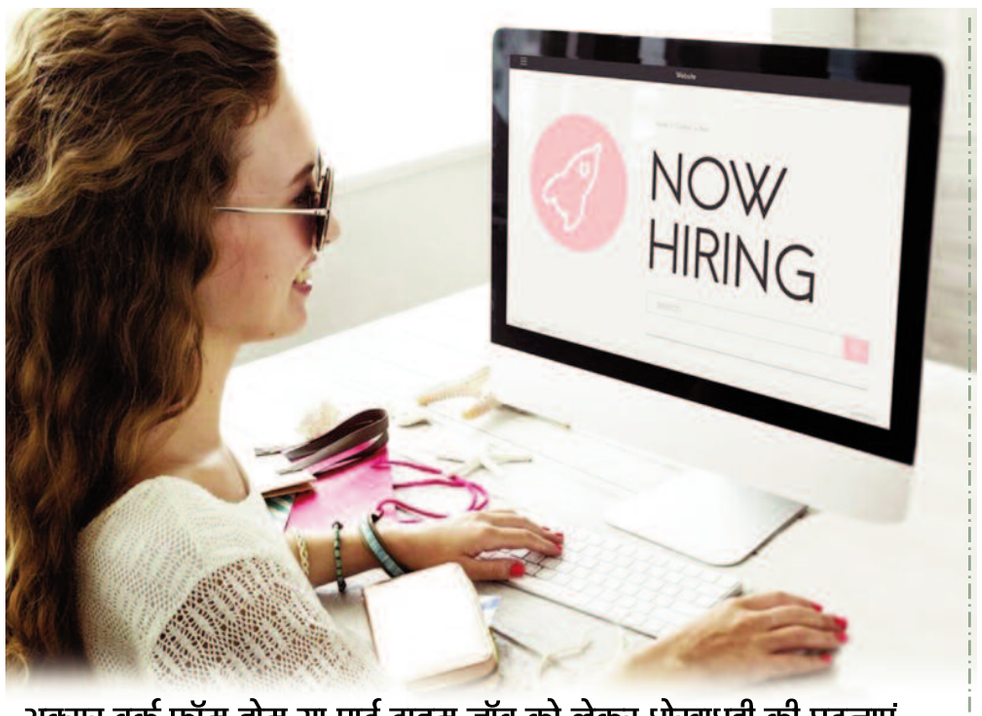

अक्सर वर्क फ्रॉम होम या पार्ट टाइम जॉब को लेकर धोखाधड़ी की घटनाएं सामने आती हैं। इंटरनेट पर विजिट करने के दौरान कई ऐसे ऐड देखने को मिलते हैं, जो लोगों को जॉब ऑफर करने के लिए होते हैं। बता दें, इनमें से कई विज्ञापन फर्जी भी होते हैं, जिससे सावधान होने की जरूरत है।

इंटरनेट पर आने वाले पार्ट टाइम जॉब ऑफर सही या फेक? इस तरीके से लगाएं पता

अधिकांश, ऐसे मामलों में स्कैमर्स डिजिटल एडवर्टाइजमेंट, ऑनलाइन मैसेंजर्स और बल्क एसएमएस के जरिए लोगों को अपना शिकार बनाते हैं। इसमें, लोगों को कुछ ही घंटे काम करने के बदले अच्छी रकम देने का लालच दिया जाता है। इनके काम में यूट्यूब वीडियो लाइक करना, कोई लिंक शेयर करना या वीडियोज पर कमेंट करना आदि शामिल होते हैं। शुरुआत में इसके लिए कुछ पैसे भले ही दे दें। लेकिन, एक दो दिनों में ही उनकी मांगें बढ़ जाती हैं और लोगों के साथ स्कैम हो जाता है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे टिप्स, जो इस तरह के स्कैम्स की सच्चाई का पता लगाने में आपकी मदद कर सकते हैं।

लालच देने वाली लाइन से लगाएं पता

इस तरह की जॉब ऑफर की पेशकश के दौरान मैसेजेस में ललचाने वाले शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। यही नहीं, इनमें वर्क फ्रॉम होम काम करने लिए लाखों रुपये कमाने की बात कही जाती है। ऐसे झांसे से आपको बचने की जरूरत है।

खूब पैसे कमाने का वादा

इस तरह के स्कैम के जरिए लोगों को कम समय में खूब सारे पैसे कमाने का वादा किया जा सकता है। सामने वाला तुरंत और अर्जेंट हायरिंग जैसी बात कह सकता है। नौकरी की कितनी भी जरूरत हो, इस तरह के स्कैम से दूर रहने में ही समझदारी है।

जॉब डिस्क्रिप्शन भी दिखेंगे अजीब

इन मामलों में कभी भी आपको ऐड के जरिए स्पष्ट रूप से नहीं बताया जाएगा कि असल में काम या जॉब की प्रोफाइल क्या है। इस बारे में सवाल करने पर भी स्कैमर्स ट्रेनिंग पीरियड के दौरान बताने का झांसा देते हैं।

पेमेंट की मांग

ऐसे फर्जी जॉब ऑफर्स आपको लिंक भेजते हैं। इस पर क्लिक करने के बाद आपसे निजी जानकारियां भरने को कहा जाएगा। साथ ही, स्कैमर्स आपसे भुगतान करने के लिए बैंक अकाउंट डिटेल्स भी मांग सकते हैं। इस तरह के धोखाधड़ी से आपको सावधान रहने की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

लर्नर लाइसेंस और ड्राइविंग लाइसेंस की वैलिडिटी इतने तारीख तक बढ़ी, सरकार ने दी लोगों को राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। सड़क मंत्रालय ने लर्नर लाइसेंस, ड्राइविंग लाइसेंस और कंडक्टर लाइसेंस की वैधता 29 फरवरी, 2024 तक बढ़ा दी है। इस संबंध में मंगलवार को आदेश जारी किया गया। मंत्रालय ने सारथी पोर्टल में कुछ समस्या के कारण लाइसेंस की वैधता बढ़ाने का निर्णय लिया। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि 31 जनवरी से 12 फरवरी तक सारथी पोर्टल में कुछ समस्या के कारण आवेदकों को लाइसेंस संबंधी सेवाओं में व्यवधान का सामना करना पड़ा है। इसे देखते हुए ऐसे लर्नर लाइसेंस, ड्राइविंग लाइसेंस और कंडक्टर लाइसेंस, जिनकी वैधता 31 जनवरी 2024 से 15 फरवरी 2024 के बीच खत्म हो गई है, उन्हें 29 फरवरी 2024 तक बिना कोई जुर्माना लगाए वैध माना जाएगा।

मुकेश अंबानी के सहयोग से मार्च में आएगा देश का पहला एआई मॉडल हनुमान, 11 भाषाओं में करेगा काम

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारत के शीर्ष इंजीनियरिंग कॉलेजों की ओर से समर्थित एक समूह अगले महीने अपनी पहली चैटजीपीटी जैसी एआई सेवा शुरू करेगा। भारतजीपीटी समूह, का समर्थन करने वालों में भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस और आठ संबद्ध विश्वविद्यालयों की एक शाखा शामिल है। समूह ने मुंबई में एक प्रौद्योगिकी सम्मेलन के दौरान अपने बड़े एआई भाषा मॉडल की एक झलक पेश की। इस दौरान एक बाइक मैकेनिक को एआई मॉडल के साथ तमिल में सवाल पूछते हुए दिखाया गया, जबकि एक बैंकर को एआई बॉट के साथ हिंदी में बात करते हुए देखा गया। इसके साथ ही एक डेवलपर ने एआई मॉडल की मदद से कंप्यूटर कोड भी लिखा। रिलायंस की मदद से बनाए गए इस एआई मॉडल का नाम हनुमान रखा गया है। यह एआई मॉडल 11 स्थानीय भाषाओं में काम करने में सक्षम होगा। हनुमान एआई मॉडल, शासन, स्वास्थ्य, शिक्षा और वित्तीय सेवाओं जैसे चार महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्राथमिकता में रखकर अपनी सेवाएं देगा। यदि यह मॉडल सफल होता है, तो यह एआई प्रौद्योगिकी विकसित करने की दौड़ में भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा। पिछले साल एक कार्यक्रम के दौर रिलायंस जियो इंफोकॉम के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने एक कार्यक्रम के दौरान आईआईटी बॉम्बे के साथ एक प्रोजेक्ट पर साल 2014 से काम करने की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि जियो 2.0 के साथ भारतजीपीटी की भी शुरुआत की जाएगी।

डी चीका के प्युबर्टी इसेंशियल्स ने शार्क टैंक इंडिया 3 में खींचा सबका ध्यान

मुंबई, एजेंसी। एक ऐसे ब्रांड के बारे में सोचिए, जो खासतौर पर किशोर लड़कियों की ज़रूरतों और पसंदों को ध्यान में रखते हुए यौवन (प्युबर्टी) से जुड़े ज़रूरी उत्पाद तैयार करता है। यह ब्रांड है- डी'चीका ! स्टाइलिश ब्रा और पीरियड पैंटी से लेकर फैशनेबल एथलीजर और फुटवियर तक, ये ब्रांड अपनी खासतौर से तैयार की गई चीज़ों के ज़रिए किशोर लड़कियों को उनके किशोरावस्था के दौरान सशक्त बनाने का प्रयास करता है। सह-संस्थापक ऋचा कपूर और वाणी चुघ शार्क टैंक इंडिया 3 में शिरकत कर रही हैं। शार्क टैंक इंडिया 3 का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी साझा करते हुये डी चीका फैशन लाइफस्टाइल प्राइवेट लिमिटेड की सह-संस्थापक वाणी चुघ ने कहा, ''शार्क टैंक इंडिया ने हमारे टीन और यंग वूमन इनर-वेयर ब्रांड डी'चीका को लाखों भारतीय घरों तक पहुंचाने और पीरियड्स जैसे विषयों, जिसके बारे में बात करना गलत समझा जाता है।

जी में 2000 करोड़ का गबन ! सेबी ने सुभाष चंद्रा-पुनीत गोयनका से मांगा जवाब, शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कंपनी अभी सोनी के साथ मर्जर डील टूटने के सदमे से उबरी भी नहीं थी कि मार्केट रेगुलेटर सेबी ने उसकी चिंता बढ़ा दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सेबी ने जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के खातों से 24 करोड़ डॉलर यानी 19,89,28,44,000 रुपये मिसिंग हैं। सेबी की जांच में सामने आया है कि कंपनी से करीब 24.1 करोड़ डॉलर डाइवर्ट किए गए हैं । सेबी के जांचकर्ताओं ने शुरुआत में जो अनुमान लगाया था, यह राशि उससे करीब दस गुना है। सेबी ने इस बारे में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा है। इसमें कंपनी के फाउंडर सुभाष चंद्रा और उनके पुत्र पुनीत गोयनका शामिल हैं। साथ ही कुछ बोर्ड मेंबर्स से भी इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा गया है। इस बीच जी ने इस रिपोर्ट का खंडन किया है कि उसके अकाउंट्स से 2000 करोड़ रुपये मिसिंग हैं। कंपनी ने कहा कि इस रिपोर्ट में कोई सच्चाई नहीं है। इस बीच कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट आई है। मंगलवार को कंपनी के शेयरों में आठ फीसदी तेजी आई थी लेकिन बुधवार

को इसमें भारी गिरावट दिख रही है। सुबह 10.30 बजे कंपनी का शेयर 10.52 फीसदी गिरावट के साथ 172.70 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। कल यह 193 रुपये पर बंद हुआ था और आज 173.70 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान यह 165.55 रुपये तक गिरा। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 299.50 रुपये और न्यूनतम 152.50 रुपये है। सोनी के साथ डील टूटने के बाद 23 जनवरी को कंपनी के शेयरों में 33त्न गिरावट आई थी जो इसके इतिहास में एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट थी।

कंपनी ने क्या कहा

जी के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी सेबी को सभी तरह की जानकारी देने की प्रक्रिया में है। सुभाष चंद्रा और पुनीत गोयनका के खिलाफ सेबी की जांच के कारण सोनी और जी के बीच डील आगे नहीं बढ़ पाई। दोनों कंपनियों के बीच 2021 में डील हुई थी। इसके मुताबिक गोयनका को मर्जर के बाद बनने वाली कंपनी का सीईओ बनाया जाना था लेकिन सेबी की जांच के कारण सोनी इसे लेकर सहज नहीं थी। आखिरकार उसने जनवरी में इस डील को टाटा कह दिया। इस बीच मंगलवार को खबर आई थी कि जी एक बार फिर से सोनी के साथ डील की संभावना टटोल रही है। इससे कंपनी के शेयरों में कल काफी तेजी देखी गई थी।

सेबी की रोक

सेबी ने पिछले साल अगस्त में जी के फाउंडर्स सुभाष चंद्रा और पुनीत गोयनका के किसी भी लिस्टेड कंपनी में एग्जीक्यूटिव या डायरेक्टर बनने पर रोक लगा दी थी। सेबी ने अपनी जांच में पाया था कि चंद्रा और गोयनका ने अपनी पोजीशन का दुरुपयोग किया था और अपने फायदे के लिए फंड्स का गबन किया था। जी ने सेबी के इस आदेश के खिलाफ हायर अपीलेट अथॉरिटी में अपील की थी और अक्टूबर में उसे राहत मिली थी। अपीलेट अथॉरिटी ने सेबी की जांच के दौरान गोयनका को एग्जीक्यूटिव पोजीशन होल्ड करने की अनुमति दी थी। पिछले फाइनेंशियल ईयर में जी के प्रॉफिट में 95 फीसदी गिरावट आई थी। दिसंबर तिमाही में उसे 58.54 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था।

स्वदेशी डिजिटल फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर के साथ तेजस ने भरी उड़ान, रक्षा मंत्री ने बताया आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वदेशी रूप से विकसित डिजिटल फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर (डीएफसीसी) के साथ तेजस लड़ाकू विमान ने सफल उड़ान भरी है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि डिजिटल फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर को हल्के लड़ाकू विमान तेजस में एकीकृत किया गया है जो एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है।

स्वदेश निर्मित तेजस एकल इंजन वाला बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है, जो उच्च खतरे वाले हवाई क्षेत्र में काम करने में सक्षम है। इसे हवाई रक्षा, समुद्री टोही और हमले की भूमिका निभाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि तेजस एमके1ए कार्यक्रम की दिशा में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में डीएफसीसी को प्रोटोटाइप एलएसपी7 में एकीकृत किया गया और 19 फरवरी को सफलतापूर्वक उड़ान उड़ान भरी। तेजस-एमके1ए संस्करण के लिए डीएफसीसी को एयरोनाटिकल विकास प्रतिष्ठान (एडीई) बेंगलुरु द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उड़ान नियंत्रण के सभी महत्वपूर्ण मानक और प्रदर्शन संतोषजनक पाए गए। इसने कहा कि पहली उड़ान का संचालन राष्ट्रीय उड़ान परीक्षण केंद्र से संबद्ध विंग कमांडर सिद्धार्थ सिंह केएमजे (सेवानिवृत्त) ने किया। भारतीय वायुसेना पहले ही तेजस एलसीए एमके1 का संचालन शुरू उकर चुकी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तेजस एमके1ए के लिए इस महत्वपूर्ण प्रणाली के विकास एवं सफल उड़ान परीक्षण में शामिल रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), वायुसेना, एडीए और उद्यमों की की सराहना की। सिंह ने इसे आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। तेजस विमान भारतीय वायुसेना का मुख्य आधार बनने के लिए तैयार है जिसमें शुरुआती संस्करण के लगभग 40 तेजस पहले ही शामिल किए जा चुके हैं।

जनवरी में 47 लाख निवेशकों ने खोले खाते, एम्फी के आंकड़े, उद्योग के आकार में भी इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ती जागरूकता और डिजिटलीकरण के जरिये लेनदेन सुगम होने से जनवरी, 2024 में 46.7 लाख निवेशकों ने म्यूचुअल फंड खाते खोले। इससे म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार बढ़ गया है। जनवरी में खुले नए खातों की संख्या 2023 के औसत मासिक आंकड़ों की तुलना में दोगुना से भी अधिक है। पिछले साल हर महीने औसतन 22.3 लाख नए म्यूचुअल फंड खाते खुले थे। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के मुताबिक, इन खातों की कुल संख्या भी बढ़कर 16.96 करोड़ पहुंच गई है। यह एक साल पहले पंजीकृत 14.28 करोड़ खातों की तुलना में 19 फीसदी अधिक है। दिसंबर, 2023 में 16.49 करोड़ खातों की तुलना में जनवरी में करीब तीन फीसदी की वृद्धि देखी गई है।

पिछले महीने खोले गए 46.7 लाख खातों में इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी 34.7 लाख रही। हाइब्रिड फंड्स ने 3.36 लाख नए खाते जोड़े। हालांकि, डेट फंड्स में लगातार पांचवें महीने गिरावट रही। व्हाइटओक म्यूचुअल

फंड के मुख्य कारोबार अधिकारी प्रतीक पंत ने कहा, नए निवेशकों में नई पीढ़ी के युवाओं की तादाद काफी ज्यादा है। अधिकांश नए निवेशक म्यूचुअल फंड क्षेत्र में प्रवेश के लिए डिजिटल चैनलों का रास्ता अपना रहे हैं। उधर, उच्चस्तरीय डिजिटल साक्षरता, खर्च योग्य आय में वृद्धि और वित्तीय साक्षरता ने भारतीयों को पारंपरिक वित्तीय साधनों से अलग हटकर देखने के लिए प्रोत्साहित किया है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने दिसंबर, 2023 में शुद्ध रूप से 15.62 लाख सदस्य जोड़े। यह दिसंबर, 2022 की तुलना में 4.62 फीसदी अधिक है।?पेरोल आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान 8.41 लाख नए सदस्य नामांकित हुए। कुल जोड़े गए नए सदस्यों में 18-25 आयु वर्ग का हिस्सा 57.18 फीसदी रहा।?वहीं, ईपीएफओ की योजनाओं से बाहर गए 12.02 लाख सदस्य वापस आ गए।

चीन की कंपनियां अपनी मिलिशिया यूनिट बना रहीं हैं

▶▶ पिछले एक साल में 16 कंपनियां इसकी घोषणा कर चुकीं ▶▶ आर्थिक चुनौतियां बढ़ने से सामाजिक अशांति की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्थिक मोर्चे पर कई तरह की दिक्कतों का सामना कर रहे चीन में कई साल बाद एक नई चीज देखने को मिल रही है। चीन की कंपनियां अपनी-अपनी वॉलंटियर आर्मी बनाने में जुटी हैं। 1970 के दशक के बाद देश में पहली बार ऐसा देखने को मिल रहा है। पिछले एक साल में कम से कम 16 कंपनियां अपने लड़ाकुओं की सेना तैयार कर चुकी है। इनमें एक प्राइवेट कंपनी भी है जो डेरी इंडस्ट्री से जुड़ी है। कंपनियों की प्राइवेट आर्मी को पीपुल्स आर्म्ड फोर्सेज डिपार्टमेंट्स के नाम से जाना जाता है। इनमें सिविलियन लोग भी शामिल हैं। ये चीन की सेना के लिए रिजर्व और ऑक्जिलरी फोर्स का काम करती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से लेकर देश में व्यवस्था बनाने में इनकी भूमिका होती है।

जानकारों का कहना है कि कंपनियों द्वारा प्राइवेट आर्मी का गठन करना इस बात का संकेत है कि चीन की सरकार इकॉनमी को लेकर चिंतित है। उसे लग रहा है कि आर्थिक हालात खराब होने से देश में अशांति फैल

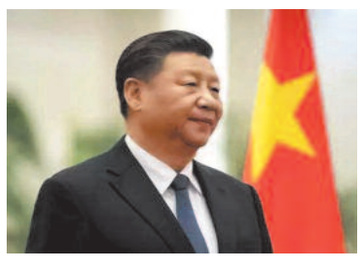

सकती है। इस स्थिति से निपटने के लिए कंपनियां निजी आर्मी तैयार कर रही हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग देश में कम्युनिस्ट पार्टी का कंट्रोल मजबूत करना चाहते हैं। इसमें कॉरपोरेट सेक्टर भी शामिल है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट के सेंटर फॉर चाइना एनालिसिस में फेलो फॉर चाइनीज पॉलिटिक्स के फेलो नील थॉमस ने कहा कि चीन में कॉरपोरेट मिलिशिया की वापसी इस बात का संकेत है कि शी देश में नेशनल सिक्योरिटी को आर्थिक विकास के साथ बेहतर तरीके से जोड़ना चाहते हैं। मंदी में फंसा जापान, भारत को नहीं करना होगा लंबा इंतजार, इसी साल बन सकता है चौथी बड़ी इकॉनमी

चीन की इकॉनमिक ग्रोथ में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है और कई देशों के साथ उसका तनाव बढ़ता जा रहा है। इससे आने वाले दिनों में देश में सामाजिक अशांति और हड़ताल की आशंका है। ऐसे में इस तरह के आंदोलनों को कुचलने के लिए कॉरपोरेट मिलिशिया मिलिट्री लीटरशिप की मदद कर सकता है। 2023 में चीन की इकॉनमी 5.2 फीसदी की रफ्तार से बढ़ी। लेकिन देश की इकॉनमी को कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। रियल एस्टेट सेक्टर संकट में है, युवा बेरोजगारी चरम पर है, डिफ्लेशन का दबाव है, कॉरपोरेट डिफॉल्ट बढ़ रहा है और स्थानीय सरकारें कर्ज में डूबी हैं। 2022 की तुलना में 2023 में लेबर स्ट्राइक की संख्या दोगुना हो गई। एक साल पहले जेंगझू में आईफोन की दुनिया की सबसे बड़ी फैक्ट्री में प्रदर्शनकारी पुलिस से उलझ गए थे।

अब तक जिन कंपनियों ने मिलिशिया बनाने की घोषणा की है, उनमें से ज्यादातर सरकारी हैं। दिसंबर में दुनिया की सबसे बड़ी डेरी कंपनी ने मिलिट्री यूनिट बनाने की घोषणा की थी। इस कंपनी में लोकल गवर्नमेंट की 8.5 फीसदी हिस्सेदारी है। चीन के मिलिट्री सर्विल लॉ के मुताबिक 18 से 35 साल की उम्र के पुरुष इस यूनिट में भर्ती हो सकते हैं। चीन में इस तरह की यूनिट का लंबा इतिहास रहा है। 1920 के दशक से ही इस तरह की यूनिट बननी शुरू हो गई थी। उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी को सपोर्ट किया था। साल 1949 में कम्युनिस्ट पार्टी के देश पर कंट्रोल करने के बाद इन यूनिट्स को सरकारों, स्कूलों और कंपनियों में शामिल किया गया। 1949 से 1976 तक माओ के दौर में इनका दबदबा रहा। 1950 के दशक में 22 करोड़ लोग इसके सदस्य थे। 1976 में माओ की मौत के बाद इनकी संख्या में कमी आई और 2011 में इसकी संख्या 80 लाख रह गई थी।

बादाम खाने से एक्सरसाइज के बाद मसल रिकवरी तेजी से होती है और परफॉर्मेंस में सुधार आता है

मुंबइ। नए अध्ययन से सामने आया है कि बादाम खाने से एक्सरसाइज करने के बाद मांसपेशियों के होने वाले दर्द में कमी आती है , जिससे वर्टिकल जंप (हवा की दिशा में ऊपर कूदना) जैसी एक्सरसाइज में मांसपेशियों की परफॉर्मेंस और बेहतर होती है। यह नतीजे पिछली रिसर्च का विस्तार है, जिसमें दिखाया गया था कि एक्सरसाइज के बाद बादाम किस तरह मांसपेशियों में होने वाले दर्द को कम कर प्रभाव डालते हैं। आमंड बोर्ड ऑफ कैलिफोर्निया द्वारा वित्त पोषित और फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन में प्रकाशित नई रिसर्च स्टडी में पाया गया कि लंबाई के हिसाब से वजन में थोड़े ज्यादा मध्य आयु के 25 पुरुषों और महिलाओं का आठ हफ्ते तक रोजाना 57 ग्राम (दो औंस) कच्चे और साबुत बादाम रोज खाने के लिए देने के बाद बाद 30 मिनट का डाउन हिल ट्रेडमिल टेस्ट किया गया। नियंत्रण समूह ने उसी कैलोरी (86 ग्राम, तीन आउंस) के मीठे और कुरकुरे बिस्कुट का नाश्ता किया। यह ट्रेड मिल टेस्ट यह देखने के लिए डिजाइन किया गया था कि एक्सरसाइज के बाद मांसपेशियों में होने वाले दर्द और थकान को बादाम से किस हद तक कम किया जा सकता है। इस शोध में शोधकर्ताओं ने बड़े पैमाने पर स्पष्ट मानकों का इस्तेमाल करते हुए रिसर्च में भाग लेने वाले लोगों की मांसपेशियों की कार्यप्रणाली को मापा। मांसपेशियों को होने वाले नुकसान और इनफ्लमेशन का आकलन किया गया।

क्रेडिट कार्ड इंडस्ट्री में तहलका मचाने की तैयारी में वॉरेन बफे, करने जा रहे हैं सबसे बड़ी डील

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे बड़ा दांव खेलने की तैयारी में हैं। उनके निवेश वाला बैंक कैपिटल वन क्रेडिट कार्ड इश्यू करने वाली कंपनी डिस्कवर फाइनेंशियल को खरीदने जा रहा है। यह क्रेडिट कार्ड इंडस्ट्री के इतिहास की सबसे बड़ी डील होगी। माना जा रहा है कि इसकी वैल्यू 35.3 अरब डॉलर होगी। इस डील के बाद कैपिटल वन एसेट के हिसाब से दुनिया का छठा सबसे बड़ा बैंक बन जाएगा। इसका मुकाबला जेपी मोर्गन और सिटीग्रुप से होगा। अगर यह डील सफल हुई तो मर्जर के बाद बनने वाली कंपनी में कैपिटल वन के शेयरहोल्डर्स की हिस्सेदारी 60 परसेंट होगी जबकि बाकी हिस्सेदारी डिस्कवर के शेयरहोल्डर्स के पास होगी। अमेरिका में क्रेडिट कार्ड इंडस्ट्री में अब तक सबसे बड़ी डील बैंक ऑफ अमेरिका के नाम है। उसने साल 2005 में एमबीएनए कॉर्प को 35.2 अरब डॉलर में खरीदा था। लेकिन वॉरेन बफे अब इसे पीछे छोड़ने जा रहे हैं। बफे दुनिया के टॉप अमीरों में शामिल हैं। दुनिया की कई बड़ी कंपनियों में उनका निवेश है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक बफे की नेटवर्थ 135 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में सातवें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 15.4 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। पिछले साल की दूसरी तिमाही के आंकड़ों के मुताबिक बफे के कुल पोर्टफोलियो का आधा हिस्सा ऐपल में है। बफे के पोर्टफोलियो में दूसरा सबसे बड़ा शेयर बैंक ऑफ अमेरिका का है।

शार्क टैंक इंडिया : टेक्नोलॉजी हमारी जिन्दगी के हर पहलू में शामिल

मुंबई, एजेंसी। आज के जमाने में टेक्नोलॉजी हमारी जिन्दगी के हर पहलू में शामिल है। ऐसे में ब्यूटी ब्राण्ड्स, प्रोडक्ट्स और सर्विसेज तक सभी को सुविधाजनक तरीके से पहुंच मिल रही है। ब्यूटी एआई की मदद से उपभोक्ता अब रियल-टाइम में वर्चुअल ट्राय-ऑन कर सकते हैं और उन्हें अपने घर से बाहर भी नहीं निकलना पड़ेगा। यह सुविधा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ऑगमेंटेड रियालिटी (एआर) से पावर्ड है। और ब्यूटी टेक की इस क्रांति में सबसे आगे है ऑर्बो। एआई और एआर का इस्तेमाल कर ऑर्बो कॉस्मेटिक्स इंडस्ट्री में बदलाव लाने की कोशिश में है। उसके पास कई सारे अभिनव समाधान हैं, जो ग्राहक के अनुभव और जुड़ाव को नयापन देते हैं। अब ऑर्बो की टीम, यानि मनोज शिंदे, दानिश जमील और अमित नालावडे ने शार्क टैंक इंडिया 3 में कदम रखा है। उन्हें ब्राण्ड्स और उपभोक्ताओं के खरीदारी के अनुभव में अभूतपूर्व बदलाव लाने के लिये शार्क्स की विशेषज्ञता चाहिये। 2019 में संस्थापित ऑर्बो, कॉस्मेटिक्स इंडस्ट्री में व्यक्तिगत अनुभवों और इंटीग्रेशन का जवाब है। इसके पास कई तरह के उत्पाद हैं, जिसमें मेकअप ट्राय-ऑन, डीप स्किन एनालिसिस, एम्बेडेड हेयरस्टाइल, हेयर कलर ऑगमेंटेशन और फाउंडेशन शेड फाइंडर शामिल हैं। यह ब्राण्ड नवाचार का दूसरा नाम है।

जयपुरिया लखनऊ बना उद्यमिता का केंद्र, मयंक सिसोदिया को मिला शार्क टैंक इंडिया से 1 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट हमेशा से ही अपने नवाचारों और विशेष पहलों के लिए जाना जाता है। साथ ही जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टूडेंट फर्स्ट के सिद्धांत को आगे रखता है, इसलिए यह संस्थान जो भी गतिविधियां संचालित करता है उसका मुख्य उद्देश्य छात्र विकास और उनकी भागीदारी होती है।

आज के बदलते परिवेश में कई सारे युवा नौकरी करने की जगह अपना खुद का बिजनेस या स्टार्टअप शुरू करने के प्रति काफी ज्यादा आकर्षित हैं। बीते कुछ वर्षों में भारत में स्टार्टअप कल्चर काफी तेजी से बढ़ा है, जिसके परिणामस्वरूप कई सारे युवाओं ने सफलतापूर्वक न सिर्फ खुद का स्टार्टअप शुरू किया है, बल्कि वो उसे आज नई ऊंचाइयों तक लेकर गए हैं।

भारत में बढ़ते हुए इसी स्टार्टअप कल्चर और युवाओं का इसके प्रति आकर्षण को समझते हुए, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने अपने यहां के छात्रों के ड्रीम्स को बढ़ावा देने के लिए अपने एमबीए पाठ्यक्रम में अनुभवात्मक

शिक्षा अर्थात् एक्सपीरियंशियल एजुकेशन पर विशेष ध्यान दिया है। इसके तहत वो छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ खुद बिजनेस आईडिया या स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्रोत्साहन और आर्थिक मदद भी प्रदान करने का कार्य करते हैं।

जयपुरिया लखनऊ कैंपस ने मैनेजमेंट के छात्रों के लिए डिजाइन थिंकिंग और एंटरप्रेन्योरशिप (उद्यमिता) जैसे पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा हैं। इनका मुख्य उद्देश्य छात्रों को न्यू एज टेक्नोलॉजी और उद्यमिता कल्चर के अनुसार ज्ञान प्रदान करना हैं, ताकि वो प्रोफेशनल जगत के साथ-साथ खुद के स्टार्टअप के लिए तैयार हो सके। इन्हीं पाठ्यक्रमों के मदद से जयपुरिया लखनऊ के कैंपस में कई छात्रों ने खुद के स्टार्टअप आईडिया पर काम करते हुए सफलता से अपना स्टार्टअप स्थापित किया है। ऑनेस्ट होम कंपनी, इंफ्रा मंत्रा प्राइवेट लिमिटेड और लिबास-ए-लखनऊ जैसी तीन स्टार्टअप कंपनियों की शुरुआत हुई और इन तीनों कंपनियों के संस्थापकों ने जयपुरिया लखनऊ से ही अपनी पढ़ाई पूरी की थी। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट लखनऊ के पूर्व छात्र मयंक सिसौदिया की हालिया उपलब्धि एक उल्लेखनीय उदाहरण है। मयंक प्रताप सिंह सिसोदिया ने हाल ही में अपने बिजनेस के लिए स्टार्टअप रियलिटी टीवी शो शार्क टैंक इंडिया सीजन 3 पर 1 करोड़ रुपये का उल्लेखनीय निवेश हासिल किया है।

संक्षिप्त समाचार

- 8 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी अश्वथ ने ग्रैंडमास्टर को हराकर

बनाया विश्व रिकॉर्ड बनाया

बर्न,स्विट्ज़रलैंड, एजेंसी। शतरंज के क्षेत्र में भारतीय खिलाड़ियों का कम उम्र में नित नए रिकॉर्ड बना देना भौत ही सामान्य से घटना है और अब एक नया रिकॉर्ड भारतीय मूल के सिंगापुर के आठ वर्षीय अश्वथ कौशिक ने बनाया है , वह क्लासिकल शतरंज में

ग्रैंडमास्टर को हराने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए है ।ठीक एक महीने पहले सर्बिया के लियोनिद इवानोविच ग्रैंडमास्टर अवॉन्डर लियांग को हराकर नौ साल से कम उम्र में किसी क्लासिकल टूर्नामेंट गेम में ग्रैंडमास्टर को हराने वाले पहले खिलाड़ी बने थे।स्विट्ज़रलैंड की राजधानी बर्न के ठीक बाहर आयोजित 22वें बर्गडॉर्फर स्टैडथॉस ओपन में, सिंगापुर के भारतीय मूल के अश्वथ ने उस रिकॉर्ड को लगभग पांच महीने से तोड़ दिया, उन्हे यह ऐतिहासिक जीत चौथे राउंड में पोलैंड के 37 वर्षीय जीएम जेसेक स्टोपा के खिलाफ मिलीइस मुक़ाबले के पहले अश्वथ नें अन्य खिलाड़ियों से लगातार तीन मुक़ाबले जीते थे ।

आईएलटी-20 लीग ने लगाया नूर अहमद पर एक साल का बैन

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के लेग स्पिनर नूर अहमद को इंटरनेशनल लीग टी20 यानी आईएलटी20 से एक साल के लिए बैन कर दिया गया है।अफगानिस्तान के एक और खिलाड़ी के साथ ऐसा हो चुका है।नूर अहमद को उनकी फ्रेंचाइजी शारजाह वॉरियर्स के साथ अनुबंध के उल्लंघन के लिए टी-20 की

अनुशासनात्मक समिति ने 12 महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया है।नूर अपने साथी देशवासी नवीन उल हक के बाद इसी कारण से टी-20 द्वारा प्रतिबंधित होने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं।

19 वर्षीय नूर अहमद को शारजाह वॉरियर्स ने रिटेन किया था, लेकिन उन्होंने रिटेंशन नोटिस पर हस्ताक्षर करने के बजाय टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने का विकल्प चुना था।इसी वजह से उनके खिलाफ ये ऐक्शन लिया गया है। एसए20 में उन्होंने डरबन सुपरजायंट्स का प्रतिनिधित्व किया था।

मैं कोई अंधा नहीं हूं...

जॉनी बेयरस्टो पर सवाल उठा तो झुंझला गए ब्रेंडन मैकुलम

रांची, एजेंसी।भारतीय टीम से लगातार दो हार के बाद इंग्लैंड की हालत खराब है। इंग्लिश मीडिया और पूर्व क्रिकेटर्स अपने खिलाड़ियों पर हमलावर हैं। इस बीच जॉनी बेयरस्टो निशाने पर हैं। उन्हें लेकर जब सवाल किया गया तो टीम के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम झुंझला गए। इंग्लैंड 434 रनों की भारी भरकम हार के बाद कोहराम मचा हुआ है। फेल होने वाले प्लेयर्स मीडिया के निशाने पर हैं। इस बीच टीम के हेड कोच और न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम ने जॉनी बेयरस्टो को अपना सपोर्ट दिया है। उनका मानना है कि बेयरस्टो में किसी भी परिस्थिति में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है। मैकुलम की यह टिप्पणी राजकोट टेस्ट में इंग्लैंड की 434 रनों से मिली हार के बाद आई है। बेयरस्टो ने भारतीय परिस्थितियों में संघर्ष किया है। 11 टेस्ट में उनका औसत 25 रहा है, जबकि उनके करियर का टेस्ट औसत 36 है।

क्या रांची टेस्ट से बाहर होंगे जॉनी बेयरस्टो

बेयरस्टो को बाहर करने की मांगों के बावजूद मैकुलम ने उन्हें आत्मविश्वास देने और बाहरी आलोचना को नजरअंदाज करने के महत्व पर जोर दिया। मैकुलम ने कहा- हम जानते हैं कि वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी टीम के खिलाफ किसी भी परिस्थिति में शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं।

माइकल अथरटन ने भी दिया सपोर्ट, बोले- वह जल्द फॉर्म में लौटेंगे

बेयरस्टो को इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन का भी समर्थन मिला, जिन्होंने श्रृंखला के इस महत्वपूर्ण समय के दौरान बेयरस्टो का समर्थन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। एथरटन ने कहा, उन्होंने जो कुछ भी किया है वह अपने खिलाड़ियों को सुरक्षा और यह अहसास दिलाने की कोशिश करने के बारे में है कि उन्हें पूरी तरह से समर्थन दिया जाएगा। भारत के खिलाफ जारी सीरीज में बेयरस्टो का प्रदर्शन चर्चा का विषय रहा है। मैकुलम और एथरटन दोनों को उनकी चुनौतियों से उबरने की क्षमता पर भरोसा है। जैसे-जैसे बेयरस्टो भारतीय परिस्थितियों में सफलता के लिए प्रयास करते रहते हैं, उनके साथी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान उनके साथ खड़े होते हैं।

रांची में होगा अंग्रेजों का असली टेस्ट!

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड

टर्नर पर विचार

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में पहली बार भारत इस बात पर विचार कर रहा है कि टर्नर के लिए जाना चाहिए या नहीं। अगर ऐसा हुआ तो भारत बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए बुमराह की जगह वॉशिंगटन सुंदर या अक्षर पटेल को मौका दे सकता है। हैदराबाद,विशाखापत्तनम और राजकोट की तरह रांची में भी काली मिट्टी की पिचें हैं।

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम रांची पहुंची तो इंग्लैंड को परेशान करने वाला एक जाना-पहचाना चेहरा गायब था। मेजबान टीम चौथे टेस्ट में स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह के बिना मैदान में उतरेगी। चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन ने उन्हें वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत ब्रेक दिया है। बुमराह को ब्रेक देने को लेकर जानकारी दे दी थी। रोहित शर्मा के डिप्टी के अनुपस्थिति से भारतीय थिंक-टैंक प्लेइंग 11 को लेकर असमंजस में है। पिछली चयन समिति की बैठक के दौरान चयनकर्ताओं ने टीम प्रबंधन को भविष्य को ध्यान में रखते हुए बुमराह को आराम देने की जरूरत के बारे में जानकारी दी थी। जानकारी के अनुसार जसप्रीत बुमराह सभी पांच टेस्ट खेलने का इच्छुक थे, लेकिन आईपीएल और टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं ने उन्हें रांची टेस्ट से बाहर बैठने की सलाह दी है। धर्मशाला में अंतिम मैच में उनकी जरूरत पड़ सकती है। अब तक के तीन टेस्ट मैचों में स्पिनर्स से ज्यादा बुमराह ने अपनी घातक रिवर्स स्विंग से इंग्लैंड को परेशान किया है। हालांकि, वर्कलोड मैनेजमेंट किसी दिक्कत की वजह से नहीं हो रहा, लेकिन पीछे उनकी पीठ की समस्याओं को देखते हुए उन्हें आराम देना जरूरी था। अब जब उन्हें आराम दे दिया गया है तो दो बड़े सवाल हैं। प्लेइंग 11 में उनकी जगह कौन लेगा? कैसी पिच होगी?

रांची में इंग्लैंड का असली टेस्ट

इंग्लैंड की टीम भले ही 2 टेस्ट हारी हो, लेकिन उसने हथियार नहीं डाले हैं। राजकोट में उसका प्रदर्शन खराब रहा। रांची में उनका असली टेस्ट हो सकता है। भारतीय टीम टर्नर देकर इंग्लैंड को चौंका सकती है। प्लेइंग 11 में बुमराह की जगह कौन लेगा यह भी पिच पर निर्भर करेगा। भारतीय टीम ने इस सीरीज में अभी तक पारंपरिक धीमी पिचों का चयन किया है। जो टेस्ट शुरू होने पर सपाट रहती हैं और धीरे-धीरे खराब होती जाती हैं।

मुकेश ने नहीं किया परेशान

जानकारी के अनुसार अब तक पिच उसी तरह से तैयार की गई है जैसे हैदराबाद, विजाग और राजकोट में हुई थी। अगर टर्नर की मांग होती है तो ग्राउंडस्टाफ को थोड़ा बहुता पानी देना होगा या इसे पूरी तरह से रोकना होगा। रांची में भारत के पास मोहम्मद सिराज के जोड़ीदार के रूप में चुनने के लिए मुकेश कुमार और अनकैप्ड आकाश दीप हैं। विजाग में फ्लैट पिच पर खेले गए सीरीज के दूसरे टेस्ट में मुकेश ने इंग्लैंड को परेशान नहीं किया था।

वॉशिंगटन और अक्षर को खिलाने पर विचार

विजाग में सिराज को आराम दिया गया था तो भारत ने शुरू में वॉशिंगटन को खिलाने की योजना बनाई थी, लेकिन अंत में मुकेश को मौका दिया या, जिन्होंने मैच में केवल 12 ओवर फेंके।टर्निंग पिच न भी होने पर भारत का मानना है कि एक और स्पिनर खेलने से टीम मजबूत होगी क्योंकि वॉशिंगटन और अक्षर दोनों बल्ले से भरोसेमंद विकल्प हैं। भारत के रैंक टर्नर पर खेलने को लेकर संशय का कारण उनकी अनुभवहीन बल्लेबाजी इकाई है।बुधवार दोपहर जब मुख्य कोच राहुल द्रविड़ पहली बार मैदान पर उतरेंगे तो स्पष्ट तस्वीर की उम्मीद है।

धर्मशाला में इंग्लैंड के मुफीद होंगी परिस्थितियां

2-1 की बढ़त लेने के बाद भारत इस बात से सावधान है कि कहीं वह अपनी लय न खो दे खासकर इसलिए क्योंकि धर्मशाला में पांचवें टेस्ट में कंडीशन इंग्लैंड के मुफीद होगा।आकाश दीप ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन उन्हें शायद ही मौका मिले।एक अतिरिक्त स्पिनर को खिलाने पर एका विकल्प के रूप में विचार किया जा रहा है।

फुटबॉल: दिल्ली लीग में फिक्सिंग के आरोपों की जांच करेगा फुटबॉल महासंघ

- आत्मघाती गोलों से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली लीग में मैच फिक्सिंग और सट्टेबाजी का संदेह सोमवार को तब पैदा हुआ जब अहबाब एफसी ने रेंजर्स एफसी के खिलाफ मैच के आखिरी क्षणों में दो आत्मघाती गोल किए। अहबाब एफसी पहले इस मैच को 4-0 जीत रहा था लेकिन आखिर में उसने 4-2 से जीत दर्ज की। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) दिल्ली प्रीमियर लीग में सट्टेबाजी और मैच फिक्सिंग के आरोपों के सामने आने के बाद इस खतरे की तह तक पहुंचने के लिए सरकारी एजेंसियों की मदद से देश के विभिन्न शहरों में जांच शुरू करेगा। दिल्ली लीग में मैच फिक्सिंग और सट्टेबाजी का संदेह सोमवार को तब पैदा हुआ जब अहबाब एफसी ने रेंजर्स एफसी के खिलाफ मैच के आखिरी क्षणों में दो आत्मघाती गोल किए। अहबाब एफसी पहले इस मैच को 4-0 जीत रहा था लेकिन आखिर में उसने 4-2 से जीत दर्ज की। इन दोनों आत्मघाती गोल के वीडियो 'वायरल' हो गए। इसके बाद एआईएफएफ ने

मंगलवार को इस संदेहास्पद मैच की विस्तृत जानकारी देने के लिए फुटबॉल दिल्ली के प्रमुख अनुज गुप्ता को तलब किया और उन्हें नोटिस भी सौंपा। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि वह जांच शुरू करने और सट्टेबाजी सिंडिकेट की तह तक जाने के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से संपर्क करेंगे।

सचिन तेंदुलकर ने विराट कोहली-अनुष्का शर्मा को दी बधाई

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारत के मौजूदा समय के सबसे सफल बल्लेबाज विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा को बेटे के जन्म की बधाई दी है। विराट कोहली ने मंगलवार 20 फरवरी की रात को इस बात की घोषणा की कि वे 15 फरवरी को फिर से एक बच्चे के पिता बने हैं। विराट ने बताया था कि उन्होंने अपने बेटे और नाम अकाय कोहली रखा है। सचिन ने भी उनको बधाई भेजी है और कहा है कि आपके खूबसूरत परिवार में एक अनमोल शख्स जुड़ गया है। इस अवसर पर आपको ढेरों शुभकामनाएं।

सचिन तेंदुलकर ने विराट कोहली के एक्स पोस्ट के जवाब में लिखा, आपके खूबसूरत परिवार में एक अनमोल सदस्य अकाय के आगमन पर विराट और अनुष्का को बधाई! जैसे उसका नाम खुशियों से भरा है, वैसे ही वह आपकी दुनिया को अंतहीन खुशी और हंसी से भर दे। यहां उन रोमांचों और यादों के बारे में बताया गया है जिन्हें आप हमेशा संजोकर रखेंगे। दुनिया में आपका स्वागत है, लिटिल चैंप!

विराट ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा था, हमें सभी को यह बताते हुए दिल से बेहद खुशी हो रही है कि 15 फरवरी को हमने अपने बेटे अकाय और वामिका के छोटे भाई का इस दुनिया में स्वागत किया!

खेलो इंडिया: चंडीगढ़ के हर्ष को 50 मीटर बटरफ्लाई का स्वर्ण

शुभ्रांत ने 200 मीटर में जीता सोना

गुवाहाटी, एजेंसी। वेटलिफ्टिंग के मुकाबलो में 55 भार वर्ग में पीआरएसयू के विजय कुमार महेश्वरी ने 224 किलो वजन उठाकर स्वर्ण जीता। 67 भारवर्ग में पीयू के टी धरुन ने 255 किलो वजन के साथ स्वर्ण अपने नाम किया।

तैराकों ने जैन यूनिवर्सिटी, बंगलूरू को खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेलों में स्वर्णिम शुरुआत दिलाई है। शुभ्रांत पात्रा ने 200 मीटर बटरफ्लाई का स्वर्ण अपने नाम किया। वहीं 4 गुणा 100 मीटर फ्रीस्टाइल का स्वर्ण भी जीता। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के हर्ष सरोहा ने 50 मीटर बटरफ्लाई का स्वर्ण पदक जीता। सार्वजनिक यूनिवर्सिटी की कल्याणी सक्सेना ने 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले का स्वर्ण जीता।

वेटलिफ्टिंग में विजय स्नेहा ने जीते स्वर्ण

50 मीटर बटरफ्लाई में हर्ष सरोहा ने 25.20 सेकंड का समय निकाला। वेटलिफ्टिंग के मुकाबलो में 55 भार वर्ग में पीआरएसयू के विजय कुमार महेश्वरी ने 224 किलो वजन उठाकर स्वर्ण जीता।67 भारवर्ग में पीयू के टी धरुन ने 255 किलो वजन के साथ स्वर्ण अपने नाम किया।73 भारवर्ग में एसबीबीएसयू के जसकरण राम ने 271 किलो के साथ स्वर्ण जीता। लड़कियों के 55 भार वर्ग में केआईआईटी की स्नेहा ने 172 किलो वजन उठाकर स्वर्ण जीता।पंजाब यूनिवर्सिटी की रमनदीप को ने 165 किलो के साथ रजत और कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी की शालू ने 159 किलो के साथ कांस्य पदक जीता।59 भार वर्ग में सीयू की उषा ने 185 किलो के साथ और 64 भार वर्ग में जीकेयू की पूजा राजेश ने 176 किलो वजन के साथ स्वर्ण पदक जीता।

दीपिका की प्रेग्नेंसी को लेकर आई खबर

मां बनने वाली हैं दीपिका?

दीपिका पादुकोण की प्रेग्नेंसी को लेकर खबर सामने आई है। हाल ही में एक्ट्रेस ने बाफ्ता में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी, तभी से लेकर उनकी प्रेग्नेंसी की अटकलें लगाई जा रही हैं। कहा जा रहा है कि रणवीर सिंह और दीपिका के घर जल्द ही किलकारी गूंजने वाली है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दीपिका का दूसरा ट्राइमेस्टर चल रहा है और जल्द ही वह मां बनेंगीं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हाल ही में दीपिका और रणवीर के करीबी ने उन्हें इस बात की जानकारी दी है। सूत्र ने कहा कि दीपिका और रणवीर ने उन्हें गुडन्यूज दी है कि वह जल्द ही अपने पहले बच्चे का वेलकम करेंगे। सूत्र ने बताया कि दीपिका का दूसरा ट्राइमेस्टर चल रहा है। हालांकि दीपिका को लगातार एक्टिव देखा जा रहा है और उन्हें देखकर नहीं कहा जा सकता कि उनका दूसरा ट्राइमेस्टर चल रहा है। इसी बीच उनके बाफ्ता वाले लुक को लेकर कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस का बेबी बंप दिखाई दे रहा है। फिलहाल रणवीर और दीपिका की तरफ से गुड न्यूज को लेकर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है और फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आपको बता दें कि दीपिका और रणवीर सिंह ने सालों तक एक दूसरे को डेट करने के बाद साल 2018 में एक दूसरे के साथ शादी की थी। दोनों को एक साथ 10 साल से भी ज्यादा हो चुके हैं। इनकी पहली मुलाकात 2012 में संजय लीला भंसाली की फिल्म 'राम लीला' के दौरान हुई थी, जिसमें कपल ने साथ में काम किया था। दोनों की जोड़ी और केमिस्ट्री को खूब पसंद किया गया था। रणवीर और दीपिका के वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका को हाल ही में आई फिल्म 'फाइटर' में देखा गया। वहीं रणवीर को आखिरी बार 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में देखा गया। इसके बाद जल्द ही वह 'सिंघम 3' और 'डॉन 3' में नजर आने वाले हैं। इसके साथ ही दीपिका प्रभास स्टारर कल्कि में दिखेंगी। इसके साथ ही वह 'सिंघम 3' में भी नजर आएंगी।

सलमान ने बेबाक पर्सनालिटी से लिखी सफलता की नई कहानी!

बॉलीवुड के मेगास्टार सलमान खान इंडियन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के सबसे बड़े और पसंदीदा नामों में से एक हैं। बॉलीवुड के मेगास्टार सलमान खान इंडियन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के सबसे बड़े और पसंदीदा नामों में से एक हैं। मेगास्टार फैन फॉलोइंग को बेहद बड़े पैमाने पर एंजॉय करते हैं। ये कहना गलत नहीं होगा की देश भर में उनके लार्जर देन लाइफ स्क्रीन प्रेजेंस, बेमिसाल करिमा और स्वैग के दीवानों की तादाद अनगिनत है। सलमान खान, इंडियन सिनेमा के बेहद बड़े नाम हैं, लेकिन उनकी पॉपुलैरिटी सिर्फ सिल्वर स्क्रीन तक ही सीमित नहीं है। बता दें कि पिछले चौदह साल में, सलमान खान ने टीवी की दुनिया में भी सबसे लोकप्रिय पर्सनैलिटी बनाकर सामने आए हैं। जी हां! 2010 में सलमान ने टीवी के सबसे पसंदीदा रियलिटी शो बिग बॉस को होस्ट करना शुरू किया था। सलमान की एंट्री बतौर होस्ट शो के तीसरे सीजन से हुई थी, जिसके बाद उन्होंने अपने अंदाज में कभी पीछे मुड कर नहीं देखा और अपने जादू से शो को ग्लोबल लेवल पर पहुंचा दिया। सलमान खान ने बिग बॉस के 14 सीजन तक उसे लगातार होस्ट किया है और इसे दर्शकों के बीच एक बेहद पसंद किया जाने वाला रियलिटी शो के रूप में पेश किया है। ये कहना गलत नहीं होगा की उनकी एंट्री के बाद से हर घर में इस शो को देखना शुरू किया गया, इस तरह से कई साल से टीआरपी चार्ट पर राज किया है। फैंस सलमान खान को देखने के लिए हमेशा बेकरार रहते हैं। चाहे वो स्क्रीन पर हो या ऑफ स्क्रीन हो, उनके बड़े फैन बस हैं और सलमान की स्टार पावर ने उन्हें टीवी की दुनियां में खींचा है और वह भी मेगास्टार के शानदार होस्टिंग के साथ। सलमान किसी भी भारतीय टेलीविजन रियलिटी शो के लिए सबसे अधिक मांग वाले होस्ट बन गए हैं।

बाफ्टा फिल्म अवार्ड्स में

रणवीर को पसंद आया दीपिका का लुक

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण की तारीफ करने का मौका नहीं गंवाते। उन्होंने हाल ही में हुए बाफ्टा फिल्म अवार्ड्स में दीपिका के लुक को लेकर उनकी सराहना की। इंटरनेशनल फोटोग्राफर क्रेग विलियम्स ने अवार्ड्स की कई तस्वीरें शेयर की, जहां एक्ट्रेस डेविड बेकहम और दुआ लीपा जैसे सितारों के साथ बतौर प्रेजेंटर शामिल हुई थी। रणवीर इन तस्वीरों पर खुद को कमेंट करने से नहीं रोक पाए। रणवीर ने बाजीराव मस्तानी फेम दीपिका की फोटो पर कमेंट करते हुए लिखा, दीपिका का इतना खूबसूरत शॉट, लव इट। इसके बाद रणवीर ने दीपिका की प्रोफाइल पर जाकर इवेंट के फर्स्ट लुक को स्पार्कल इमोजी दिए। बाफ्टा फिल्म अवार्ड्स के लिए एक्ट्रेस ने मशहूर फैशन डिजाइनर सब्यसाची की सिल्वर साड़ी को चुना था। दीपिका ने बाफ्टा अवॉर्ड्स में द जोन ऑफ इंटरेस्ट के लिए जोनाथन ग्लेजर को सम्मान दिया। यह पहली बार नहीं है, जब दीपिका किसी इंटरनेशनल अवॉर्ड्स में शामिल हुई हों। पिछले साल ही उन्हें ऑस्कर में देखा गया था, जब उन्होंने फिल्म आरआरआर का गाना नाटू नाटू पेश किया था।

एडल्ट फिल्म स्टार काग्नी लिन कार्टर ने की आत्महत्या

लॉस एंजेलिस। एडल्ट फिल्म स्टार काग्नी लिन कार्टर ने 36 वर्ष की आयु में आत्महत्या कर ली। दोस्तों ने जानकारी दी कि वह मानसिक स्वास्थ्य से जूझ रही थी। एक रिपोर्ट के अनुसार मेडिकल टीम को उनका शव पर्मा शहर में एक घर से मिला। पुलिस विभाग ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने आत्महत्या की है। गोफंडमी पेज ने कार्टर को उनकी सुंदरता, डांस और गाने के लिए याद किया। उस पेज पर उनकी दो दोस्तों ने लिखा, काग्नी बेहद दयालु और उदार थी।

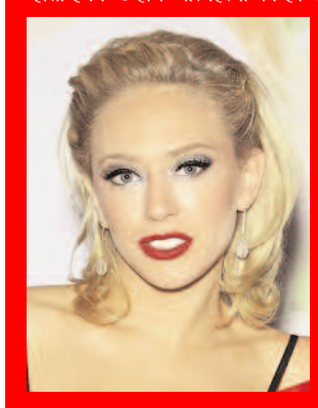

वह अपने साथ एक रोशनी लेकर आई थी। द फन्ड्रैसिंग पेज ने लिखा, अपनी तमाम प्रभावशाली उपलब्धियों और प्रतिभाओं के बावजूद जैसे-जैसे वर्ष बीतते गए, काग्नी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझती रहीं। फिटनेस स्टूडियो के माध्यम से उन्हें जानने वाले दोस्तों ने कहा, वह अपने मन के दायरे में अकेली महसूस कर रही थी। उन्होंने अपनी लड़ाई दृढ़ता और साहस के साथ लड़ी।

गोफंडमी पेज ने कहा कि उन्होंने अपने घर में दुखद रूप से अपनी जान ले ली। काग्नी लिन कार्टर साल 2000 के बाद से ही एडल्ट फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव थी। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक पोल स्टूडियो से की थी।

कियारा आडवाणी बनीं डॉन 3 की लीड एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी, जिन्हें आखिरी बार फिल्म सत्यप्रेम की कथा में देखा गया था, एक्शन-थ्रिलर फिल्म डॉन 3 में काम करेंगी। फिल्म में रणवीर सिंह भी हैं, जो बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान की जगह मुख्य भूमिका में होंगे। पाँच साल के अंतर पर रिलीज हुई फिल्म के पहले दो संस्करणों में शाहरुख ने मुख्य किरदार निभाया था।

फिल्म के निर्माताओं ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर फिल्म में अभिनेत्री का स्वागत करते हुए एक वीडियो साझा किया। लगभग दो दशकों की फ्रेंचाइजी की विरासत को देखते हुए डॉन 3 सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इससे पहले, रणवीर को मुख्य भूमिका में लेने से काफी चर्चा हुई थी। कथित तौर पर डॉन 3 की शूटिंग अगस्त में शुरू होने वाली है। यह फिल्म फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है।

विद्या बालन ने मलयालम सिनेमा के प्रति दिखाया अपना प्यार

सदाबहार विद्या बालन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रोमांचक रीलों के साथ अपने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करना जारी रखती हैं, अपने मजेदार स्किट और आकर्षक पैरोडी के साथ नियमित रूप से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करती रहती हैं। अपनी हालिया रील में, अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उसने खुद को मलयालम सिनेमा की दुनिया में डुबो दिया है। अपनी जड़ों की ओर प्रसन्नतापूर्वक इशारा करते हुए, बालन को अपनी नवीनतम रील के साथ उद्योग के लिए अपनी गहरी प्रशंसा व्यक्त करते हुए देखा गया। अपने मजेदार अभिनय में,

उन्होंने इसे कैप्शन देते हुए कहा, पिछले 2 हफ्तों से मलयालम फिल्में जुनूनी ढंग से देख रही हूं... जैसा कि प्रशंसक उत्सुकता से विद्या बालन की भूल भुलैया 3 में उनके सबसे पसंदीदा किरदार मंजुलिका के रूप में वापसी का इंतजार कर रहे हैं, अभिनेत्री इन खूबसूरत और मनमोहक क्लिपिंग के रूप में प्यार भेजती रहती है।

30 साल में 100

फिल्मों के बाद मैंने समय कमाया है : मनीषा कोइराला

एक्ट्रेस मनीषा कोइराला ने अपने फैंस की बातों का जवाब देते हुए बताया कि आखिर वह इन दिनों क्या कर रही हैं। तीन दशकों से अधिक लंबे करियर के बाद एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने अब अपने आप को टाइम दिया है। मनीषा ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई फोटोज शेयर की और लिखा, बहुत से लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं इन दिनों क्या कर रही हूं, लेकिन कभी-कभी ऐसा लगता है कि आप 53 साल की उम्र में पूछ रहे हैं कि आप यादा कुछ नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा, मैं इस बात से भी खुश हूं कि मैं जीवन में अलग-अलग चीजों का स्वाद चख रही हूं, केवल वही चीजें कर रही हूं जो मुझे पसंद हैं।

कभी-कभी कुछ नहीं करना, अपनी बिल्लियों और कुत्तों के साथ समय बिताने के अलावा मैं किताब पढ़ने, संगीत सुनने और आध्यात्मिकता को समय देती हूं। जिमिंग के साथ मैं वर्ल्ड टूर का भी आनंद लेती हूं। 30 साल के करियर में 100 फिल्मों में काम करने के बाद अब उन्हें लगता है कि उन्होंने कुछ समय अपने लिए कमाया है। कैंसर से लड़ने वाली अभिनेत्री ने कहा कि भगवान की कृपा से अछे लोग उनके आसपास हैं। मनीषा ने कहा, मैं उनके प्यार और देखभाल में डूबी हुई हूं, मैंने अपने जीवन का अधिकांश समय एक व्यस्त शहर में अकेले गुजारा है। यह मत भूलिए कि एक सेलिब्रिटी होने के नाते कई उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता है, अछे और बुरे लोगों का सामना करना पड़ता है। उ

न्होंने कहा, मुझे लगता है कि आपके अकेले समय में भगवान अपना रास्ता बनाते हैं और मेरे पास मुट्ठी भर सचे दोस्त थे, मेरी यादें मेरे दिल का कालातीत खजाना हैं। मनीषा ने 1989 में नेपाली फिल्म फेरी भेटौला से अभिनय की दुनिया में कदम रखा।

1991 में उन्होंने हिंदी फिल्म सौदागर में अभिनय किया। उन्होंने 1942- ए लव स्टोरी, बॉम्बे, इंडियन, गुप्त- द हिडन ट्रूथ, खामोशी = द म्यूजिकल, दिल से.., कचे धागे और एक छोटी सी लव स्टोरी सहित कई अन्य प्रशंसित फिल्मों में अभिनय किया है।

तय मानसिकता के साथ फिल्म देखना सही तरीका नहीं : यामी

एक्ट्रेस यामी गौतम धर का मानना है कि सिनेमा हॉल वह जगह है, जहां दिमाग को किसी भी बोझ या विचारधारा से पूरी तरह मुक्त होना चाहिए। आगामी फिल्म आर्टिकल 370 की रिलीज का इंतजार कर रही एक्ट्रेस ने कहा, कलाकारों और दर्शकों के लिए यह जरूरी है कि वे फिल्मों को साफ-सुथरी नजर से देखें और किसी भी पुरानी धारणा से प्रभावित न हों।

पिछले कुछ महीनों में दर्शकों की ओर से एनिमल और डंकी जैसी फिल्मों पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखी गई हैं। यह बात आगामी फिल्म आर्टिकल 370 के साथ भी है। फिल्म की कहानी एक ऐसे विषय को छूती है, जिसने देश को राय के मामले में विभाजित कर दिया है। यामी ने अपनी फिल्म की रिलीज से पहले बात की और सिनेमा में अपनी यात्रा और आधुनिक विमर्श में सोशल मीडिया की भूमिका के बारे में बताया। दर्शकों की प्रतिक्रियाओं के बारे में बात करते हुए यामी ने बताया कि उन्होंने अब तक रणबीर कपूर-स्टारर एनिमल नहीं देखी है। उन्होंने कहा, यदि आप पूर्व धारणा के साथ किसी फिल्म में काम कर रहे हैं या फिल्म देख रहे हैं तो आप कभी भी फिल्म का आनंद नहीं ले पाएंगे। आपका निर्णय पहले से ही अस्पष्ट है तो आप इस पर निष्पक्ष राय नहीं दे पाएंगे। यामी ने आगे कहा, आपको क्या पसंद है, क्या पसंद नहीं है, यह आपकी व्यक्तिगत सोच है। आपको इस पर कायम भी रहना चहिए। लेकिन पहले से तय मानसिकता के साथ फिल्म देखना सही तरीका नहीं है। यामी ने कहा, जहां तक ध्रुवीकरण की बात है तो आज हर चीज पर लोगों की अलग-अलग राय है। सोशल मीडिया ने ऐसे में आग में घी डालने का काम किया है, क्योंकि यह बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचने का सबसे आसान तरीका है। उन्होंने कहा, एक कलाकार के रूप में मेरा काम उत्कृष्टता का पीछा करना है, अछी भूमिकाएं निभाने के लिए सम्मोहक कहानियों को सामने लाना है और अछे सिनेमा का हिस्सा बनना है, यही वह इरादा है जिसके साथ मैं काम करती हूं। अभिनेत्री ने अपनी आगामी फिल्म के बारे में भी बात की और कहा कि यह फिल्म भारत के संविधान के विवादास्पद अनुछेद 370 को निरस्त करने के पीछे की कहानी को बताती है. यामी ने कहा, आर्टिकल 370 सिर्फ एक आर्मी ऑपरेशन के बारे में नहीं है, फिल्म बताती है कि कैसे आर्टिकल 370 को हटाने की ऐतिहासिक घटना को अंजाम दिया गया था।

प्रियंका की कजन मीरा मार्च में बॉयफ्रेंड संग जयपुर में करेंगी शादी

प्रियंका चोपड़ा की कजन मीरा चोपड़ा मार्च में जयपुर में बॉयफ्रेंड के साथ शादी कर रही हैं। मीरा 11 और 12 मार्च को शादी करेंगी और गुपचुप तरीके से तैयारियां शुरू हो गई हैं।मीरा के दूल्हे के बारे में ज्यादा डिटेल पता नहीं है, बस यह मालूम है कि वह बिजनेसमैन है। इस वक्त शादियों का सीजन चल रहा है। फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में एक के बाद एक सितारे शादी के बंधन में बंध रहे हैं। अब खबर है कि प्रियंका चोपड़ा की कजन मीरा चोपड़ा भी शादी करने जा रही हैं। वह मार्च 2024 में बॉयफ्रेंड के साथ जयपुर में शादी करेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक मीरा का बॉयफ्रेंड एक बिजनेसमैन है और दोनों अगले महीने यानी मार्च में जयपुर में शादी की प्लानिंग कर रहे हैं। हालांकि सोर्स ने मीरा चोपड़ा के होने वाले दूल्हे राजा के बारे में और डिटेल रिवील करने से इनकार कर दिया।

11-12 मार्च को शादी करेंगी मीरा, गुपचुप तैयारियां शुरू

बताया जा रहा है कि मीरा चोपड़ा की शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। सोर्स ने बताया कि मीरा 11 और 12 मार्च को जयपुर में शादी करेंगी। वह और पूरी फैमिली बहुत एक्साइटेड है। लेकिन दूल्हे राजा कौन हैं, इसके बारे में बाद में रिवील किया जाएगा। सोर्स ने बताया कि शादी की तैयारियों की डिटेल को भी एक सीक्रेट रखा गया है। गुपचुप तरीके से तैयारियां चल रही हैं।

शादी को लेकर यह बोली थीं मीरा चोपड़ा

वहीं एक इंटरव्यू में मीरा चोपड़ा ने कहा था कि वह हमेशा से ही सर्दियों में शादी करना चाहती थीं। वह नहीं चाहती थीं कि शादी में उनकी पसीना बहता रहे। मीरा के पैरेंट्स ने जनवरी में ही राजस्थान में वेडिंग वेन्यू शॉर्टलिस्ट कर लिए थे, जिनमें से अब एक्ट्रेस ने जयपुर को फाइनल किया है।